



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० १०] नई दिल्ली, शनिवार, मार्च ६, १९७६ (फाल्गुण १६, १८९७)
No. 10] NEW DELHI, SATURDAY, MARCH 6, 1976 (PHALGUNA 16, 1897)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड १ PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

(Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India)

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक ६ फरवरी १९७६

सं० ए० 12022/2/74-प्रशा०—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा के चयन ग्रेड के स्थायी अधिकारी तथा स्थानापन परीक्षा नियन्त्रक श्री डी० आर० कोहली को संघ लोक सेवा आयोग द्वारा १ जनवरी, १९७६ के पूर्वाह्न से २ फरवरी, १९७६ तक की अतिरिक्त अवधि के लिए डा० डी० एस० कोठारी की अध्यक्षता में स्थानित भर्ती नीति एवं चयन पद्धति समिति के सचिव के पद पर कार्य करते रहने की अनुमति सहर्ष प्रदान की जाती है।

दिनांक ७ फरवरी, १९७६

सं० पी०/197-प्रशा०-II—संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में निदेशक (तथ्य संसाधन) श्री पी० चटर्जी की सेवा अवधि को, अध्यक्ष, संघ लोक सेवा आयोग द्वारा १-२-१९७६ से एक वर्ष के लिए बढ़ाने की स्वीकृति सहर्ष प्रदान की गई है।

इस स्वीकृति के लिए कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग में राज्य मंत्री का अनुमोदन प्राप्त हो चुका है।

दिनांक १० फरवरी, १९७६

सं० पी० 1763/प्रशा०-II—संघ लोक सेवा आयोग की समसंबंधक अधिसूचना दिनांक ४-४-१९७५ के अनुक्रम में सचिव, संघ लोक सेवा आयोग एवं द्वारा संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के निम्नलिखित तीन अधिकारियों को आयोग के कार्यालय में १-१-१९७६ से दो मास की अतिरिक्त अवधि के लिए अथवा आगामी आवेशों तक, जो भी पहले हो, आयोग के कार्यालय में प्रतिनियुक्ति के आधार पर अनुसंधान अधिकारी के पद पर स्थानापन रूप से कार्य करते रहने की अनुमति प्रदान की गई है।

तार महानिदेशालय, नई दिल्ली में स्थानापन अनुभाग अधिकारी श्री के० एन० बोहरा को १-१-१९७६ से दो मास की अतिरिक्त अवधि के लिये अथवा आगामी आवेशों तक, जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में प्रतिनियुक्ति आधार पर अनुसंधान अधिकारी के पद पर स्थानापन रूप से कार्य करते रहने की अनुभति प्रदान की गई है।

सं० पी० 1763/प्रशा०-II—संघ लोक सेवा आयोग की समसंबंधक अधिसूचना दिनांक ४-४-१९७५ के अनुक्रम में निर्माण, आवास और नगर विकास मंत्रालय में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री जी० बी० माथुर को १-१-१९७६ से दो मास की अतिरिक्त अवधि के लिए अथवा आगामी आवेशों तक, जो भी पहले हो, आयोग के कार्यालय में प्रतिनियुक्ति के आधार पर अनुसंधान अधिकारी के पद पर स्थानापन रूप से कार्य करते रहने की अनुमति प्रदान की गई है।

सं० ए० 11013/2/74-प्रशा०-II—संघ लोक सेवा आयोग की समसंबंधक अधिसूचना दिनांक १७-१-१-७५ के अनुक्रम में सचिव, संघ लोक सेवा आयोग एवं द्वारा संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के निम्नलिखित तीन अधिकारियों को आयोग के कार्यालय में १-१-१९७६ से दो मास की अतिरिक्त अवधि के लिए अथवा आगामी आवेशों तक, जो भी पहले हो,

अनुभाग अधिकारी (विशेष) के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त करते हैं:—

क्रम सं.	नाम	के० स० से० संबंध में पद
सर्वश्री :		
1. बी० एस० कपूर	.	अनुभाग अधिकारी
2. बी० एन० अरोड़ा	.	—वही—
3. के० एल० कत्याल	.	—वही—

2. उपर्युक्त अधिकारियों की नियुक्ति अनुभाग अधिकारी (विशेष) के पद पर प्रतिनियुक्ति पर होगी और उनका वेतन समय समय पर संशोधित वित्तमंत्रालय के का० शा० स० एफ० 10 (24) -ई०-III/60, दिनांक 4-5-1961, में निहित शर्तों के अनुसार विनियमित होगा।

पी० एन० मुखर्जी,
अवर सचिव,
कृत सचिव,
संघ लोक सेवा आयोग

स्पेशल क्लास रेलवे अप्रेंटिसेज परीक्षा, 1976

के नोटिस म संशोधन

नई दिल्ली-110011, दिनांक 6 मार्च, 1976

शुद्धि-पद

सं० फा० 5/2/75-ई I (बी) —10 जनवरी, 1976 को भारत के राजनन्द के भाग III, खंड I में प्रकाशित स्पेशल क्लास रेलवे अप्रेंटिसेज परीक्षा, 1976 से संबद्ध संघ लोक सेवा आयोग के नोटिस सं० फा० 5/2/75-ई-I (बी) दिनांक 10 जनवरी, 1976 में निम्नलिखित संशोधन किया जाय:—

पृष्ठ 348—कालम III के पैरा (I) की अंतिम पंक्ति में “नियुक्त,, शब्द के स्थान पर” “निर्मुक्त” शब्द पढ़ा जाए।

बी० एस० जाली,
अवर सचिव,
संघ लोक सेवा आयोग,

केन्द्रीय सतर्कता आयोग

नई दिल्ली-110001, दिनांक 3 फरवरी, 1976

सं० 2/20/75 प्रशासन—केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त एतद् द्वारा श्री जी० जी० तुलसी, कार्यपालक अभियन्ता, डाकतार महानिवेशालय, को 15 जनवरी, 1976 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक केन्द्रीय सतर्कता आयोग में स्थानापन्न रूप से तकनीकी परीक्षक की नियुक्ति करते हैं।

सं० 2/34/74 प्रशासन(I)—केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त एतद् द्वारा श्री राजेन्द्र नाथ गुप्ता, केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग के कार्यपालक अभियन्ता को 12 जनवरी, 1976 के अपराह्न से

अगले आदेश तक केन्द्रीय सतर्कता आयोग में स्थानापन्नरूप से तकनीकी परीक्षक की नियुक्ति करते हैं।

सं० 2/34/74-प्रशासन(II)—केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त एतद् द्वारा श्री बी० एस० खटवानी, केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग के कार्यपालक अभियन्ता को 15 जनवरी, 1976 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक केन्द्रीय सतर्कता आयोग में स्थानापन्न रूप से तकनीकी परीक्षक की नियुक्ति करते हैं।

सं० पी० एफ०/जी०/14 जी०—श्री के० जी० गुप्ता, केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग के कार्यपालक अभियन्ता तथा केन्द्रीय सतर्कता आयोग में तकनीकी परीक्षक ने, नेशनल फटिलाइजर्स लिमिटेड में नियुक्ति के लिए चुने जाने पर 12-1-1976 के अपराह्न को आयोग के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

श्री निवास

अवर सचिव

कृते केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त

गृह मंत्रालय

महानिवेशालय केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल

नई दिल्ली 110001, दिनांक 6 फरवरी 1976

सं० ओ० II-1276/75 स्थापना—श्री टी० के० नायक, उप पुलिस अधीक्षक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल ने उनके खुफिया घरों (गृह मंत्रालय) में परावर्तन होने के फलस्वरूप घपने कार्यालय का कार्यभार 11-10-1975 के अपराह्न छोड़ा।

दिनांक 11 फरवरी 1976

सं० पी० VII-4/75 स्थापना—राष्ट्रपति निम्नलिखित सूबेदारों/सूबेदार मेजरों, के० रि० पु० दल, को आगामी आदेश जारी होने तक के० रि० पु० दल में पुलिस उप अधीक्षक (कम्पनी कमांडर/क्वार्टर भास्टर) के पद पर अस्थाई तौर पर पदोन्नति करते हैं।

2. उन्होंने उनके नामों के सामने वी० गई तिथियों से बटालियनों/प्रूप सेन्टरों में अपने पद का भार संभाला।

क्र० सं०	अधिकारी का नाम	नियुक्ति की बटालियन/प्रूप सेन्टर	कार्यभार संभालने की तिथि
1	2	3	4
सर्वश्री :			
1. बी० एस० किंवद्दन सिंह	12 बटा०	15-10-75 पूर्वा०	
2. एस० पी० सिंह	1 बटा०	20-10-75 पूर्वा०	
3. एम० एम० बाबा	2 बटा०	29-10-75 पूर्वा०	

(1)	(2)	(3)	(4)	(1)	(2)	(3)	(4)
सर्व श्री							
4. सुमेर सिंह	.	3 बटा०	15-10-75 पूर्वा०	26. रामपत यादव	.	60 बटा०	25-10-75 श्रप०
5. अमर नाथ	.	7 बाटा०	15-10-75 पूर्वा०	27. महल सिंह मुलतानी	J	आर०टी०सी०	8-11-75 पूर्वा०
6. के० राधवन	.	8 बटा०	20-11-75 श्रप०।	28. बलधीर सिंह	.	57 बटा०	15-19-75 पूर्वा०
7. ईश्वर सिंह	.	19 बटा०	22-10-75 पूर्वा०	29. शेर सिंह	.	14 बटा०	15-10-75 पूर्वा०
8. वी० पी० एस० गोतम	.	15 बटा०	27-10-75 पूर्वा०	30. जागीर सिंह	.	30 बटा०	10-11-75 पूर्वा०
9. सोहन लाल बुधाकोटी	.	9 बटा०	22-10-75 श्रप०	31. अभद्रार मिश्रा	.	56 बटा०	25-10-75 श्रप०
10. पी० के० रोहिला	.	16 बटा०	1-11-75 पूर्वा०	32. जिले सिंह	.	27 बटा०	23-10-75 पूर्वा०
11. ओ० पी० यादव	.	23 बटा०	10-11-75 पूर्वा०	33. पी० एस० नेगी	.	44 बटा०	25-10-75 पूर्वा०
12. पी० एच० पान्डे	.	16 बटा०	25-10-75 पूर्वा०	34. रघुनाथ सिंह	.	48 बटा०	18-10-75 श्रप०
13. जयवन्त सुर्वे	.	10 बटा०	6-12-75 श्रप०	35. चमन लाल	.	29 बटा०	10-11-75 पूर्वा०
14. शम्भु नाथ ओझा	.	37 बटा३	18-10-75 श्रप०	36. जगत राम	.	18 बटा०	22-10-75 पूर्वा०
15. रनजीत सिंह	.	30 बटा०	15-10-75 श्रप०	37. हरनारायण सिंह	.	54 बटा०	23-10-75 पूर्वा०
16. सोहन लाल	.	24 बटा०	31-10-75 श्रप०	38. मुलतान सिंह	.	55 बटा०	15-10-75 श्रप०
17. कृष्ण प्रकाश काला	.	47 बटा०	29-10-75 पूर्वा०	39. गंगा सिंह रावत	.	60 बटा०	27-10-75 पूर्वा०
18. सत्यपाल सिंह मन्न	.	34 बटा०	15-10-75 पूर्वा०	40. सत्य वेद	.	51 बटा०	20-10-75 श्रप०
19. एन० एस० वर्मा	.	40 बटा०	28-10-75 श्रप०	ए० के० बन्धोपाध्याय सहायक निदेशक (प्रशासन)			
20. हरि सिंह	.	28 बटा०	17-10-75 पूर्वा०	महानिरीक्षक का कार्यालय केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल			
21. भवर सिंह	.	37 बटा०	17-10-75 श्रप०	नई दिल्ली-110003, दिनांक 4 फरवरी 1976			
22. महल सिंह राना	.	43 बटा०	3-11-75 श्रप०।	सं० ई-38013(3)/1/76-प्रशा०-1—नैनी (इलाहाबाद) से स्थानान्तरित होने पर श्री शिवराज सिंह ने दिनांक 27 जनवरी, 1976 के पूर्वाल्प से केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, बम्बई, हवा० पत्तन, के सहायक कमांडेंट पद का कार्यभार सभाल लिया। उनका मुख्यालय नई दिल्ली में होगा।			
23. प्यारा सिंह	.	17 बटा०	31-10-75 पूर्वा०				
24. रघुबीर सिंह	.	46 बटा०	1-11-75 पूर्वा०				
25. काका राम	.	मुप सेंटर, रामपुर	27-10-75 पूर्वा०				

सं० ई-31013(2)/3/75-प्रशा०-1—राष्ट्रपति, श्री मध्यमल राम को दिनांक 3 जनवरी, 1976 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश जारी होने तक केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल यूनिट, भारी इंजीनियरी विगम लिमिटेड, रांची, का स्थानापन्न रूप से सहायक कमांडेंट नियुक्त करते हैं और उन्होंने उसी दिनांक से पद का कार्यभार रांची में संभाल लिया।

एल० एस० विष्ट
महानिरीक्षक

कार्यालय, भारत के महापंजीकार

नई दिल्ली, दिनांक फरवरी 1976

सं० 2/2/76-ए० डी०-१—श्री एच० रणबीर सिंह मनोहुर के जनगणना निदेशक के कार्यभार को, जिसे वे पदेन रूप से संभाले हुए थे, दिनांक 9 फरवरी, 1976 के पूर्वाह्न से सौंप दिया।

सं० 25/8 2/72-म०प० (प्रशा०-1)—भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी श्री पी० एल० सौंधी ने अधिवर्षिता की आयु पर पहुंचने से सेवा निवृत्त हो जाने पर 31 जनवरी, 1976 के अपराह्न से जनगणना कार्य, पंजाब में जनगणना निदेशक और पदेन क्षमता में ध्वारित जनगणना कार्य के पदेन अधीक्षक के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

दिनांक 11 फरवरी 1976

सं० 12/5/74-म०प० (प्रशा०-1)—राष्ट्रपति, इस कार्यालय की अधिसूचना सं० 12/5/74-म०प० (प्रशा०-1), तारीख 7 नवम्बर, 1975 के अनुक्रम में श्रीमती कृष्णा चौधरी की भाषा, विवर के पद पर, तदर्थ नियुक्ति को, सहायक महापंजीकर (भाषा) के कार्यालय में 8 जनवरी, 1976 से 11 जुलाई, 1976 तक या जब भी उक्त पद नियमित रूप से भरा जायगा, इनमें जो भी पहले हो, सर्वोच्च बढ़ाते हैं।

बड़ी नाथ
भारत के उप-महापंजीकार तथा
पदेन उप-सचिव

मुद्रण निदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 13 फरवरी 1976

सं० वी० (3)/ए-II—राष्ट्रपति, भारत सरकार मुद्रणालय, मिटो रोड, नई दिल्ली के सहायक प्रबन्धक, श्री जे० एस० विष्ट को 31-1-76 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश होने तक भारत सरकार मुद्रणालय, नासिक के कार्य प्रबन्धक के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

श० म० जाम्बोलकर
मुद्रण निदेशक

वित्त मंत्रालय

(प्रथम विभाग)

भारत प्रतिभूति मंत्रालय

नासिक रोड, दिनांक 29 जनवरी 1976

सं० 1834/ए०—दिनांक 21 जुलाई, 1975 के अम में श्री आर० डी० कुलकर्णी को प्रशासन अधिकारी के पद पर भारत प्रतिभूति मुद्रणालय में तदर्थ रूप में उन्हीं शर्तों के साथ 31 मार्च, 1976 तक नियुक्त करते हैं।

वि० ज० जोशी
महा प्रबन्धक

भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग

कार्यालय, महालेखाकार, उत्तर प्रदेश, प्रथम

इलाहाबाद, दिनांक 20 फरवरी 1976

सं० प्रशासन 1/11-144 (XI)/317—महालेखाकार, उत्तर प्रदेश (प्रथम), इलाहाबाद ने तिमाकित अनुभाग अधिकारियों को उनके नामों के आगे अंकित तिथि से आगामी आदेश पर्यन्त इस कार्यालय में स्थानापन्न लेखा अधिकारी नियुक्त किया है :

सर्वश्री :

- | | | |
|-------------------------|---|---------|
| 1. कपूरचन्द्रश्रीवास्तव | . | 7-1-76 |
| 2. राजकुमार सोमी | . | 15-1-76 |

यू० रामचन्द्र राव
वरिष्ठ उप-महालेखाकार (प्र०)

महालेखाकार, पश्चिम बंगाल का कार्यालय

कलकत्ता-1, दिनांक 1 अक्टूबर 1975

सूचना

सं० एल० ए०/14 (प्रशासन)—महालेखाकार, पश्चिम बंगाल ने सर्वश्री मुकुमार भट्टाचार्य, स्थायी अनुभाग अधिकारी को स्थानीय लेखा परीक्षा विभाग के स्थानापन्न लेखा परीक्षक अधिकारी के पद पर पहली अक्टूबर, 1975 (पूर्वाह्न) से या अगला आदेश जारी होने तक बहाल करने की कृपा की है।

(इ०) अपठनीय
स्थानीय लेखा परीक्षक
पश्चिम बंगाल

कार्यालय, मुख्य लेखा परीक्षक पूर्वी रेलवे

कलकत्ता, दिनांक 3 फरवरी 1976

सं० एल०/8/74—58 वर्ष की आयु प्राप्त कर लेने पर श्री ए० के० वास, लेखा परीक्षा अधिकारी को 31 जनवरी, 1976 (पूर्वाह्न) से पेशन स्थापना को अन्तरित कर दिया जाएगा और उनका नाम विभाग की नोकरी से निकाल दिया जाएगा।

वाणिज्य मंत्रालय
मुख्य नियन्त्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय
आयात तथा निर्यात व्यापार नियन्त्रण
नई दिल्ली, दिनांक 6 फरवरी 1976
(स्थापना)

सं० 6/396/56-प्रशा० (राज०) /1800—मूल नियमावली के 56 के नियम अनुच्छेद (जे) के अन्तर्गत सरकारी सेवा से निवृत्त होने पर, श्री वी० वी० सदनीस ने 15 दिसम्बर, 1975 के दोपहर बाद को संयुक्त मुख्य नियन्त्रक, आयात-निर्यात के कार्यालय, बम्बई में नियन्त्रक, आयात-निर्यात के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० 6/645/61-प्रशा० (राज०) /1014—मूल नियमावली के नियम 56 के अनुच्छेद (जे) के अन्तर्गत सरकारी सेवा से निवृत्त होने पर, श्री एच० टी० आत्मारामानी ने 15 दिसम्बर, 1975 के दोपहर बाद को संयुक्त मुख्य नियन्त्रक, आयात-निर्यात के कार्यालय, बम्बई में नियन्त्रक, आयात-निर्यात के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० 6/706/63-प्रशा० (राज०) /1020—मूल नियमावली के नियम 56 के अनुच्छेद (जे) के अन्तर्गत सरकारी सेवा से निवृत्त होने पर, श्री ए० एन० कपूरिया ने 15 दिसम्बर, 1975 के दोपहर बाद को संयुक्त मुख्य नियन्त्रक, आयात-निर्यात के कार्यालय, मद्रास में नियन्त्रक, आयात-निर्यात के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० 6/844/68-प्रशा० (राज०) /1028—मूल नियमावली के नियम 56 के अनुच्छेद (जे) के अन्तर्गत सरकारी सेवा से निवृत्त होने पर, श्री एच० प्रार० सूद ने 15 दिसम्बर, 1975 के दोपहर बाद को संयुक्त मुख्य नियन्त्रक, आयात-निर्यात के कार्यालय, बम्बई में नियन्त्रक, आयात-निर्यात के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

दिनांक 7 फरवरी 1976

सं० 6/594/60-प्रशा० (राज०) /1034—मूल नियमावली के नियम 56 के अनुच्छेद (जे) के अन्तर्गत सरकारी सेवा से निवृत्त होने पर, श्री जे० ई० शेख ने 15 दिसम्बर, 1975 के दोपहर बाद को संयुक्त मुख्य नियन्त्रक, आयात-निर्यात के कार्यालय, बम्बई में नियन्त्रक, आयात-निर्यात के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

दिनांक 10 फरवरी 1976

सं० 6/652/62-प्रशा० (राज०) —मूल नियमावली के नियम 56 के अनुच्छेद (जे) के अन्तर्गत सरकारी सेवा से निवृत्त होने पर, श्री डी० पी० बोरंकर ने 15 दिसम्बर, 1975 के दोपहर बाद को संयुक्त मुख्य नियन्त्रक, आयात-निर्यात के कार्यालय, बम्बई में नियन्त्रक, आयात-निर्यात के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

पी० कौल,

मुख्य नियन्त्रक, आयात-निर्यात

नई दिल्ली, दिनांक 6 फरवरी 1976

सं० 6/1040/74-प्रशा० (राज०) —मुख्य नियन्त्रक, आयात-निर्यात, एतद द्वारा उद्योग निवेशक, के कार्यालय, उत्तर

प्रदेश, कानपुर में सहायक उद्योग निवेशक श्री एस० के० मिश्र को दिनांक 6-1-1976 के दोपहर पूर्व से अगले अदेशों के होने तक, उप-मुख्य नियन्त्रक, आयात-निर्यात (लोहा तथा इस्पात) के कार्यालय, फरीदाबाद में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए, नियन्त्रक, आयात-निर्यात, दिलीप श्रेणी (केन्द्रीय सचिवालय सेवा से इतर) के रूप में नियुक्त करते हैं।

नियन्त्रक, आयात-निर्यात के रूप में श्री एस० के० मिश्र नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के बेतनमान में बेतन प्राप्त करें।

ए० टी० मुखर्जी,
उप-मुख्य नियन्त्रक, आयात-निर्यात,
कृते मुख्य नियन्त्रक, आयात-निर्यात

वस्त्र आयुक्त का कार्यालय

बम्बई-400020, दिनांक 8 फरवरी 1976

सं० ई० एस० टी० 1-2(576) —वस्त्र आयुक्त कार्यालय बम्बई के सहायक प्रबलं अधिकारी, प्रथम श्रेणी, श्री रमणिकलाल जमनादास चित्तिया 13 जनवरी, 1976 के पूर्वाह्न से, स्वैच्छया, सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये।

राजेन्द्र पाल कपूर,
वस्त्र आयुक्त

बम्बई, दिनांक 31 जनवरी 1976

सं० सी० ई० आर०/2-76—सूती बस्त्र (नियन्त्रण) आदेश, 1948 के खंड 20 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैं एतद्वारा वस्त्र आयुक्त की अधिसूचना सं० सी० ई० आर०/2/75, दिनांक 16 दिसम्बर, 1975 में निम्नलिखित संशोधन करता हूँ, अर्थात्:—

उक्त अधिसूचना में “यह अधिसूचना 1 फरवरी, 1976 से प्रभावी होती।” इन शब्दों, अंकों और चिह्नों के स्थान पर “यह अधिसूचना 1 मार्च, 1976 से प्रभावी होगी।” ये शब्द, अंक और चिह्न प्रतिस्थापित किए जाएंगे।

अनिल कुमार चन्द्रा,
संयुक्त वस्त्र आयुक्त

पूर्ति विभाग

पूर्ति तथा निपटान महानिवेशालय

(प्रशासन अनुभाग-1)

नई दिल्ली, दिनांक 6 फरवरी 1976

सं० प्र० 1/1(630) —पूर्ति तथा निपटान निवेशक, कलकत्ता के कार्यालय में स्थायी अधीक्षक तथा स्थानापन्न सहायक निवेशक (ग्रेड-II) श्री एस० डी० चटर्जी, दिनांक 31 दिसम्बर, 1975 के अपराह्न से निवर्तन आयु होने पर सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये।

सं० प्र०-१(९९४)।—महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान एतद्वारा उप निदेशक निरीक्षण, कानपुर के कार्यालय में अधीक्षक, अधीक्षण स्तर II के श्री ए० बी० एस० पी० सिन्हा को दिनांक 6 जनवरी, 1976 के पूर्वाह्न से तथा आगामी आदेशों के जारी होने तक पूर्ति तथा निपटान निदेशक, कानपुर के कार्यालय में स्थानीय तदर्थं प्राधार पर सहायक निदेशक, (प्रशासन) (ग्रेड-II) के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

श्री सिन्हा की सहायक निदेशक (प्रशासन) (ग्रेड-II) के पद पर नियक्ति पूर्णतः तदर्थं प्राधार पर होगी और उन्हें इस पर नियमित नियुक्ति का कोई हक नहीं होगा।

दिनांक 10 फरवरी 1976

सं० प्र० १/१(९७१)।—इस महानिदेशालय की दिनांक 2 जनवरी 1976 की इसी संख्या की अधिसूचना के अंग्रेजी रूप के पैरा 1 में “दिनांक 14 दिसम्बर, 1975 के पूर्वाह्न से सेवा मुक्त कर दिए गए” के स्थान पर कृपया “4 दिसम्बर, 1975 के अपराह्न से सेवा मुक्त कर दिये गए हैं” पढ़ा जाए।

के० एल० कोहली,
उप निदेशक (प्रशासन)
हृते महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

भारतीय सर्वेक्षण विभाग

महासर्वेक्षक का कार्यालय

देहरादून, दिनांक 3 फरवरी 1976

सं० सी०-५०४३/७०७—निम्नलिखित अधिकारियों को भारतीय सर्वेक्षण विभाग में, ६५०-३०-७४०-३५-८१० द० रो०-३५-८८०-४०-१०००-द० रो०-४०-१२०० र० के वेतनमान में उनके सामने दिखायी गयी तिथि से अधिकारी सर्वेक्षण (ग्रुप 'बी' सेवा) के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त किया जाता है।

नाम तथा पद	यूनिट/कार्यालय	तिथि से
सर्वेश्वी :		
१. डी० के० मंडल सर्वेश्वर सलेक्शन ग्रेड	संख्या 11 पार्टी (पू० स०)	२९-१२-७५ (पूर्वाह्न)
२. सत्येन्द्र मोहन दत्त सर्वेश्वर सलेक्शन ग्रेड	संख्या ३८ पार्टी (प्रा० मा० उ०)	६-१-७६ (पूर्वाह्न)

दिनांक 9 फरवरी 1976

सं० सी०-५०४४/७१८-ए—श्री प्रार० एन० शर्मा, स्थानापन्न अधीक्षक, भारत के महासर्वेक्षक का कार्यालय, जिन्हें इस कार्यालय की अधिसूचना संख्या सी-५०३१/७१८-ए, दिनांक ९-१२-७५ के अधीन मानचित्र प्रकाशन कार्यालय, भारतीय सर्वेक्षण विभाग देहरादून में स्थापना एवं लेखा अधिकारी के पद पर तदर्थं प्राधार

पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त किया गया था, को श्री हरिदेव, रजिस्ट्रार, भारत के महासर्वेक्षक का कार्यालय, जोकि सेवा निवृत्ति से पूर्व छुट्टी पर चले गये हैं, के स्थान पर ४४०/- रु प्रतिमाह वेतन पर ४४०-४०-१०००-द० रो०-४०-१२०० र० के वेतनमान में रजिस्ट्रार, भारत के महासर्वेक्षक का कार्यालय, के पद पर विनांक २१-१-१९७६ (पूर्वाह्न) से तदर्थं प्राधार पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त किया जाता है।

हरी नारायण,
भारत के महासर्वेक्षक
(नियुक्ति प्राधिकारी)

राष्ट्रीय अभिलेखागार

नई दिल्ली-१, दिनांक 2 फरवरी 1976

सं० फा० २०(सी० ३)/६१-ए-१—श्री पी० प्रार० शर्मा अधीक्षक को दिनांक १५ फरवरी, १९७६ से आगामी आदेश पर्यंत सर्वथा तदर्थं प्राधार पर प्रशासन-अधिकारी के पद पर (श्री एल० डी० अर्जमानी के स्थान पर जो अवकाश पर हैं) स्थानापन्न रूप से काम करने के लिये नियुक्ति किया जाता है। यह तदर्थं नियुक्ति उन्हें नियमित नियुक्ति के लिये कोई अधिकार नहीं प्रदान करती और वरिष्ठता के प्रयोजनार्थ तथा अगले ऊंचे पद अम (ग्रेड) में पदोन्नत होने की पात्रता के लिये नहीं यिनीं जाएगी।

श्री नन्दन प्रसाद,
अभिलेख निदेशक

आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक ९ फरवरी, 1976

सं० ४/१०७/७५-एस-एक—महानिदेशक, आकाशवाणी एतद्वारा श्री एन० ए० खागपती को ३० दिसम्बर, १९७५ से अप्रेतर आदेशों तक आकाशवाणी तेजू में अस्थायी आधार पर कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० ४/११४/७५-एस-एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्री पन्नालाल को २४ जनवरी, १९७६ से पहले आदेश होने तक आकाशवाणी, शिमला में अस्थायी आधार पर कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० ४/२०/७५-एस-एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्री सुनील कुमार साहा को ५ दिसम्बर, १९७५ से अप्रेतर आदेशों तक, आकाशवाणी, कलकत्ता में अस्थायी आधार पर, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

प्रेम कुमार सिन्हा,
प्रशासन उप निदेशक
हृते महानिदेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 5 फरवरी, 1976

सं० 30-10-74 सी०जी०एच० एस०-1—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, दिल्ली, के अन्तर्गत होम्योपैथिक चिकित्सक डा० सरेन्द्र बहादुर सिंह का इस्तीफा 25 जनवरी, 1975 के अपराह्न से भंजूर कर लिया है। डा० सिंह ने 25 जनवरी, 1975 के अपराह्न से पद का कार्यभार छोड़ दिया।

के० वेणुगोपाल
उप निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 6 फरवरी, 1976

सं० 6-7/75-डी० सी०—राष्ट्रपति ने श्री विमलेश्वर मंडल को 2 जनवरी, 1976 के पूर्वाह्न से आगामी अदेशों तक केन्द्रीय प्रयोगशाला, कलकत्ता में औपचार्य रसायनज्ञ के पद पर अस्थायी रूप से नियुक्त किया है।

दिनांक 11 फरवरी, 1976

सं० 12-7/73-एडमिन-1—अधिवासिकी वय की प्राप्ति पर स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय के एक स्थायी अनुभाग अधिकारी श्री एन० आर० शर्मा 31 जनवरी, 1976 के अपराह्न से सेवा-निष्ठुत हो गये।

सूरज काश जिन्दल
उप निदेशक, प्रशासन

संचार मंत्रालय

मद्रास-600001, दिनांक 11 फरवरी, 1976

सं० एस० टी०/ए० श्रो०/१—महाप्रबन्धक टेलिफोन, मद्रास ने निम्नलिखित वरिष्ठ लेखाकारों को मद्रास टेलिफोन जिला में स्थानीय प्रबन्ध में उनके नाम के आगे लिखी गयी तारीख से स्थानापन्न रूप से लेखा अधिकारी नियुक्त किया है:—

वरिष्ठ लेखाकारों के नाम लेखा अधिकारी की घेड़ में
पदोन्नति की तारीख

- | | |
|-----------------------|---|
| 1. श्री आर० राजगोपालन | लेखा अधिकारी की घेड़ में
पदोन्नति की तारीख |
| 2. श्री जी० नीलकंठन | 20-12-75 पूर्वाह्न |
| | 12-1-76 पूर्वाह्न |

सं० ए० एस० टी०/श्राई०-5/2—महाप्रबन्धक टेलिफोन मद्रास ने निम्नलिखित कनिष्ठ इंजीनियरों को मद्रास टेलिफोन

जिला में स्थानीय प्रबन्ध में उनके नाम के आगे लिखी अधिकारी के लिये स्थानापन्न रूप से सहायक इंजीनियर नियुक्त किया है:—

क्रम सं०	नाम	सहायक इंजी- नियर की पदोन्नति	मूल काड़र पर परावर्तन की तारीख
1.	श्री दी० नागलिंगम	पूर्वाह्न	पूर्वाह्न
2.	श्री एन० एस० कन्दस्वामी	पूर्वाह्न	पूर्वाह्न
3.	श्री पी० एस० श्रीनिवासन	पूर्वाह्न	पूर्वाह्न
4.	श्री पी० नेमराजन	पूर्वाह्न	पूर्वाह्न
5.	श्री एस० नागेस्वररन	पूर्वाह्न	पूर्वाह्न
6.	श्री एन० एस० कन्दस्वामी	पूर्वाह्न	पूर्वाह्न
7.	श्री टी० परिमल शेखरन	पूर्वाह्न	पूर्वाह्न
8.	श्री एम० सोणपालन	पूर्वाह्न	—
9.	श्री पी० नेमराजन	पूर्वाह्न	पूर्वाह्न
10.	श्री पी० नागलिंगम	पूर्वाह्न	पूर्वाह्न
11.	श्री दी० नागलिंगम	पूर्वाह्न	पूर्वाह्न
12.	श्री एन० एस० कन्दस्वामी	पूर्वाह्न	पूर्वाह्न

सं० ए० एस० टी०/श्राई०-5/3—निम्नलिखित सहायक इंजीनियर, जो स्थानीय प्रबन्ध में स्थानापन्न रूप से काम करते थे, उनके नाम के आगे लिखी तारीख से अपने मूल काड़र पर परावर्तित किये जाते हैं:—

अधिकारियों के नाम	मूल काड़र पर परावर्तन की तारीख
1. श्री दी० राजगोपाल नायडु	9-7-75 पूर्वाह्न
2. श्री सी० वी० नटराजन	28-6-75 अपराह्न
3. श्री टी० एस० नागनाथन	30-6-75 अपराह्न

वी० राममूर्ति
सहायक महानिदेशक (प्रधान)

कृषि एवं सिंचाई मंत्रालय

(ग्राम विकास विभाग)

विषयन एवं निरीक्षण निदेशालय,

(प्रधान कार्यालय)

फरीदाबाद, दिनांक 10 फरवरी, 1976

सं० 4-6(105)/75-प्रशा०-III—संघ लोक सेवा आयोग नई दिल्ली की संस्तुतियों के अनुसार श्री मणिकम कुराननाथन को भारत सरकार के कृषि विषयन, सलाहकार द्वारा, विषयन एवं निरीक्षण निदेशालय, विशाखापत्तनम, में दिनांक 8 जनवरी, 1976 (अपराह्न) से अगले आदेश होने तक स्थानापन्न सहायक विषयन अधिकारी वर्ग-I, नियुक्त किया गया है।

सं० 4-5(66)/75-प्रशा०-III—संघ लोक सेवा आयोग की संस्तुतियों के अनुसार श्री एन० सी० हलदर, को भारत सरकार के कृषि विषयन सलाहकार द्वारा विषयन एवं निरीक्षण निदेशालय, फरीदाबाद में रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में दिनांक 29 जनवरी, 1976 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश होने तक स्थानापन्न सहायक विषयन अधिकारी वर्ग-I, नियुक्त किया गया है।

दिनांक 11 फरवरी, 1976

सं० 4-6(104)/76-प्रशा०-III—संघ लोक सेवा आयोग की संस्तुतियों के अनुसार श्री एन० सी० हलदर, को भारत सरकार के कृषि विषयन सलाहकार द्वारा, विषयन और निरीक्षण निदेशालय, गोहाटी में दिनांक 5 जनवरी, 1976 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश होने तक स्थानापन्न सहायक विषयन अधिकारी वर्ग-I, नियुक्त किया गया है।

वी० पी० चावला
निदेशक, प्रशासन

भारत परमाणु अनुसंधान केन्द्र

बम्बई-400 085, दिनांक 10 फरवरी, 1976

(कार्मिक विभाग)

सं० 5/1/75-स्था०-II—भारत परमाणु अनुसंधान केन्द्र के नियन्त्रक सहायक श्री अनंत काशीनाथ कर्ते को 4-12-1975 से 9-1-1976 तक के लिये अस्थाई रूप से स्थानापन्न सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

एस० कृष्णमूर्ति
उप स्थाना प्रधिकारी

परमाणु ऊर्जा विभाग

विद्युत् परियोजना इंजीनियरी प्रभाग

बम्बई-400 005, दिनांक 22 जनवरी, 1976

सं० पी० पी० ई० डी०/३(235)/75-प्रशासन-1022-208—विद्युत् परियोजना इंजीनियरी प्रभाग, बम्बई के निदेशक, परमाणु ऊर्जा विभाग के सचिवालय में स्थायी सहायक श्री टी० एस० अस्थाल को 12 नवम्बर, 1975 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक के लिए 650-30-740-35-880-द० रो०-40-960 के संशोधित वेतनमान में 650/- रूपये मासिक के प्रारम्भिक वेतन पर विद्युत् परियोजना इंजीनियरी प्रभाग में अस्थायी रूप से सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

प्रारम्भिक वेतन पर विद्युत् परियोजना इंजीनियरी प्रभाग में अस्थायी रूप से सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

सं० पी० पी० ई० डी०/३(235)/75-प्रशा०-1023-213—विद्युत् परियोजना इंजीनियरी प्रभाग, बम्बई के निदेशक, भारत परमाणु अनुसंधान केन्द्र के स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक तथा स्थानापन्न सहायक श्री आर० पी० डिसूजा को 15 नवम्बर, 1975 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक के लिए 650-30-740-35-880-द० रो०-40-960 के संशोधित वेतनमान में 650/- रूपये मासिक के प्रारम्भिक वेतन पर विद्युत् परियोजना इंजीनियरी प्रभाग में अस्थायी रूप से सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

सं० पी० पी० ई० डी०/३(235)/75-प्रशा०-1024-210—विद्युत् परियोजना इंजीनियरी प्रभाग, बम्बई के निदेशक, इस प्रभाग के स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक तथा स्थानापन्न प्रवरण कोटि लिपिक श्री ए० ए० पुनवाणी को 4 अक्टूबर, 1975 के अपराह्न से 15 नवम्बर, 1975 के पूर्वाह्न तक 650-30-740-35-880-द० रो०-40-960 रूपये के संशोधित वेतनमान में 650/- रूपये मासिक के प्रारम्भिक वेतन पर विद्युत् परियोजना इंजीनियरी प्रभाग में अस्थायी रूप से तदर्थ आधार पर सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

सं० पी० पी० ई० डी०/३(235)/75-प्रशासन-1021—विद्युत् परियोजना इंजीनियरी प्रभाग, बम्बई के निदेशक, भारत परमाणु अनुसंधान केन्द्र के स्थायी आशुलिपिक श्री पी० बी० नायर को 12 नवम्बर, 1975 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक के लिए 650-30-740-35-880-द० रो०-40-960 के संशोधित वेतनमान में 650/- रूपये मासिक के प्रारम्भिक वेतन पर विद्युत् परियोजना इंजीनियरी प्रभाग में अस्थायी रूप से सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

एन० जी० पेशेकर
प्रशासन अधिकारी

पर्यटन और नागर विमानन मंत्रालय

भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 10 फरवरी, 1976

सं० ई० (1)/04155—कलकत्ता प्रादेशिक मौसम केन्द्र के निदेशक के कार्यालय के स्थानापन्न सहायक मौसम विशेषज्ञ श्री के० एम० विश्वास 31-12-75 के अपराह्न से निवर्तन की आयु पर पहुंचने पर सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये।

दिनांक 11 फरवरी, 1976

सं० ई० (1) 04235—मद्रास प्रादेशिक मौसम केन्द्र के निदेशक के कार्यालय के स्थानापन्न सहायक मौसम विशेषज्ञ श्री एस० बालकृष्णन 31 दिसम्बर, 1975 के अपराह्न से निवर्तन की आयु पर पहुंचने पर सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये।

सं० ई० (1) 06548—बेधशालाओं के उप-महानिदेशक (उपकरण), नई दिल्ली के कार्यालय के स्थानापन्न सहायक मौसम विशेषज्ञ श्री चरन दास 31-12-1975 के अपराह्न से निवर्तन की आयु पर पहुंचने पर सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये।

पर्यटन और नागर विमानन मंत्रालय

भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली-3, दिनाक 12 फरवरी 1976

स० ३० (१) ०४२०७—श्री जे० नन्दी ने अपने गहायक मौसम विषेश के स्थानापन्न पद का नियुक्ति के स्वैच्छिक समाप्ति पर कलकत्ता प्रादेशिक मौसम केन्द्र के कार्यालय में उक्त पद का कार्यभार 31 दिसम्बर, 1975 के अपराह्न को त्याग दिया और वे हप विभाग में अपने मौलिक व्यवसायिक सहायक के पद पर प्रत्यावर्तित हो गये।

एम० आर० एन० मनिधन,

मौसम विशेषज्ञ,

कृते विधायिका प्रो के महानिदेशक

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनाक 30 जनवरी 1976

स० ए०-३२०१३/८/७५-३० सी०—इम कार्यालय की दिनाक 27 जून, 1975 की अधिसूचना स० ए०-३२०१३/८/७५-३० सी० के क्रम में राष्ट्रपति ने नागर विमानन विभाग में श्री जे० गोविन्ददत्तमी, सहायक निदेशक सचार को 1 अगस्त, 1975 से 31 मार्च, 1976 तक की अवधि के लिए अथवा नियमित आधार पर पद के लिए चयन किये जाने तक, इनमें से जो भी पहले हो नियन्त्रक, केन्द्रीय रेडियो भड़ार डिपो, नई दिल्ली के पद पर कार्य करते रहने की अनुमति प्रदान की है।

हरखस लाल कोहली,

उप निदेशक प्रशासन,

कृते महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनाक 31 जनवरी 1976

स० ए०-३८०१२/१/७६-३० एस०—निवर्तन आयु प्राप्त करने पर क्षेत्रीय निदेशक, कलकत्ता के कार्यालय में स्थानापन्न वरिष्ठ विमान निरीक्षक श्री बी० के० घोष ने 31 दिसम्बर, 1975 के अपराह्न से अपना कार्यभार न्याग दिया।

स० ए०-३२०१३/९/७४-३० एस०—राष्ट्रपति ने क्षेत्रीय निदेशक, कलकत्ता के कार्यालय के श्री मधुसूदन लाल, विमान निरीक्षक को 5 जनवरी, 1976 से तथा अगले आदेश होने तक उसी कार्यालय में नियमित आधार पर वरिष्ठ विमान निरीक्षक के पद पर नियुक्त किया है।

हरखस लाल कोहली,

उप निदेशक प्रशासन

विदेश सचार सेवा

बम्बई, दिनाक 6 फरवरी 1976

स० १/४००/७६-स्था०—विदेश सचार सेवा के महानिदेशक एतद्वारा बम्बई शाखा के पर्यवेक्षक, श्री एच० एस० शंभूभाग को अन्वेषकालिक रिक्त स्थान पर 15 दिसम्बर, 1975 से 31 दिसम्बर, 1975 (दोनों दिन समेत) तक की अवधि के लिए उसी शाखा में स्थानापन्न रूप से उप परियात प्रबन्धक नियुक्त करते हैं।

2-486-GI/75

दिनाक / फरवरी 1976

स० १/९९/७६-स्था०—विदेश सचार सेवा के महानिदेशक एतद्वारा नई दिल्ली शाखा के तकनीकी सहायक श्री राजेन्द्र कपूर को अन्वेषकालिक रिक्त स्थान पर पहली दिसम्बर 1975 या 31 दिसम्बर, 1975 (दोनों दिन समेत) तक की अवधि के लिए उसी शाखा में स्थानापन्न रूप से सहायक अभियन्ता नियुक्त करते हैं।

एम० एस० कृष्णस्वामी,
प्रशासन अधिकारी
कृते महानिदेशक

केन्द्रीय उत्पादन और सीमा शुल्क समाहर्तालय

शिलाग, दिनाक 9 फरवरी 1976

स० १७६—केन्द्रीय आवकारी कलष्टरेट, शिलाग के अस्थायी कार्यालय अधिकारी एन० एन० बड़ा के अगले आदेश जारी होने तक स्थानापन्न रूप में केन्द्रीय आवकारी प्रशासनिक अधिकारी (श्रेणी-II) नियुक्त किया गया। श्री एन० एन० बड़ा ने प्रशासनिक अधिकारी के रूप में दिनाक 6-1-76 (पूर्वाह्न) को शिलाग में संभाला।

एम० सी० नियौधी,
कलकटा

केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली, दिनाक 10 फरवरी 1976

स० क-१२०१७/४/७६-प्रशा०-५—इस आयोग की अधिसूचना स० क-१२०१७/१/७२-प्रशा०-५, दिनाक 16-10-1975 के अनुक्रम में अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग एतद्वारा श्री टी० पी० येझन को केन्द्रीय जल श्रीर विद्युत अनुसंधान शाला, पूना में महायक अनुसंधान अधिकारी (वैज्ञानिक गणित युग्म) के पदक्रम में स्थानापन्न श्रमता में ६५०-३०-७४०-३५-८१०-८० रो०-३५-८८०-४०-१००० द० रो०-४०-१२०० रूपये के वेतनमान में १६-५-१९७६ तक अथवा श्री टी० पी० के० वैद के परावर्तन होने तक, जो भी पूर्व हो, पूर्णत अस्थायी तथा तदर्थ रूप में नियुक्त करते हैं।

के० पी० टी० पी० मेतन,
अवर मन्त्री
कृते अध्यक्ष

रेल मत्तालय

(रेलवे बोर्ड)

नई दिल्ली, दिनाक 5 फरवरी 1976

स० ७४/आर० ई०/१६१/१—मर्व मन्त्रित का सूचना का लिए यह अधिसूचित किया जाता है कि रेलवे वे अलीगढ़ स्थित स्विचिंग स्टेशन से हाथरस ज० सब-स्टेशन तक (कि० मी० १३३१ से कि० मी० १२९७ तक), उत्तर रेलवे द्वारा बनायी गयी १३२

किलो बोल्ट दोहरा परिपथ पारेषण लाइन में, जो निकटवर्ती गांवों के आप-पास रेल-पथ के समानान्तर जाती है, 5-2-1976 से 132 किलो बाट ए० सी० 50 साइकिल प्रति सेकंड विजली प्रवाहित कर दी जायेगी। इसी तारीख से, ऊपरी पारेषण लाइन को हर समय विजली-न्यूक्ट माना जायेगा और दोई भी अनधिकृत व्यक्ति उक्त ऊपरी लाइन के पास नहीं जायेगा और न ही उसके निकट काम करेगा।

अमृतलाल गुप्त,
सचिव, रेलवे बोर्ड

पूर्वोत्तर सीमा रेलवे
महाप्रबंधक का कार्यालय
(कार्मिक शाखा)
पाण्डु, दिनांक 2 फरवरी 1976

सं० ई०/५५/III/१५ पी०-II(०) —भण्डार विभाग के निम्नलिखित अधिकारियों को उनके नाम के सामने उल्लिखित दिनांक से सहायक भण्डार-नियन्त्रक के पद पर स्थायी किया जाता है :-

क्रम सं०	नाम	वह किस तिथि से स्थायी किया जाता है
1.	श्री एम० एन० हालदार	9-12-69
2.	श्री ए० बी० दास	30-4-74
3.	श्री जे० के० दे	23-3-75

सं० ई०/५५/III/१२(०) —श्री एस० के० बोस को 6-4-74 से द्वितीय श्रेणी की सेवा में सहायक निगनल एवं दूर संचार इंजीनियर के रूप में स्थायी किया जाता है।

एच० एल० वर्मा,
महा प्रबन्धक

कम्पनी कार्य विभाग
बम्बई-400002, दिनांक 9 फरवरी 1976
कम्पनी अधिनियम 1956 एवं नानुभाई एक्सपोर्ट प्राइवेट के विषय में

सं० 9820/५६०(५) —कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा ५६० की उपधारा (५) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि नानुभाई एक्सपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

एस० नारायणनन्,
कम्पनियों का ग्रतिरिक्त रजिस्ट्रार,
महाराष्ट्र

मद्रास-८, दिनांक 11 फरवरी 1976

सं० —यतः दि जनानुकूल निधि लिमिटेड, मष्टुकारे पोस्ट १ कोयम्बत्तूर, जिला (इन लिकुडेशन) जिसका रजिस्ट्रीकृत

कार्यालय कुमरीतलैया, हजारीबाग कोडरमा में है, का समाप्त किया जा रहा है।

और यतः अधोहस्ताथारित यह विश्वास करने का युक्त युक्त हेतुक रखता है कि कोई समापक कार्य नहीं कर रहा है और यह कि लेखा विवरणियों से समापक द्वाग दिये जाने के लिये अवैधित है, यह छः अमवर्ती मास के लिये नहीं दी गई है, अतः जब कम्पनी अधिनियम 1913 (1913 का) की धारा 247 की उपधारा (4) के उपबन्धों के अनुसारण में एतद्वारा सूचित किया जाता है कि इस सूचना की तारीख से तीन मास के अवसान पर दि जनानुकूल निधि लिमिटेड (इन लिकुडेशन) का नाम यदि इसके प्रतिकूल हेतुक दर्शित नहीं किया जाता है तो, रजिस्टर से काट दिया जायेगा और कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

पी० अनन्पूर्णा,
कम्पनियों का रजिस्ट्रार, मद्रास

कार्यालय आयकर आयुक्त

नई दिल्ली-२, दिनांक 23 अक्टूबर 1975

आय कर

सं० जुरि-दिल्ली/२/७५-७६/१६३८२—आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43 वां) की धारा 124 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों तथा इस संबंध में प्राप्त अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इस विषय में पहले के सभी आदेशों में आंशिक परिवर्तन करते हुए आयकर आयुक्त दिल्ली-२ नई दिल्ली निदेश देते हैं कि आयकर वार्ड/डिस्ट्रिक्ट-६ (4), ६(7), ६(8), ६(11) और ६(14) समाप्त कर दिये जाएंगे।

यह आदेश 1-11-1975 से लागू होगा।

सं० जुरि-दिल्ली-२/७५-७६/१७५८५—आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43 वां) की धारा 124 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों तथा इस संबंध में प्राप्त अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इस विषय में पहले के सभी आदेशों में आंशिक परिवर्तन करते हुए आयकर आयुक्त, दिल्ली-२, नई दिल्ली निदेश देते हैं कि नीचे दी गई अनुसूची के कालम २ में निर्दिष्ट आयकर अधिकारी उक्त अनुसूची के कालम ३ में दिए गए आयकर वार्ड/डिस्ट्रिक्टों के अधिकार क्षेत्र के अन्तर्गत दिनांक 31-10-75 को आने वाले मामलों के बागों के संबंध में कार्य करेंगे।

अनुसूची

1	2	3
1. आयकर अधिकारी, डिस्ट्रिक्ट-६ (१)	डिस्ट्रिक्ट-६ (१), ६(७)	तथा ६(८) नई दिल्ली।
(१) नई दिल्ली		
2. आयकर अधिकारी, डिस्ट्रिक्ट-६ (२)	डिस्ट्रिक्ट-६ (२), तथा ६(११), नई दिल्ली।	
(२) नई दिल्ली		
3. आयकर अधिकारी, डिस्ट्रिक्ट-६ (३)	डिस्ट्रिक्ट-६ (३), तथा ६(४), नई दिल्ली।	
(३) नई दिल्ली		
4. आयकर अधिकारी, डिस्ट्रिक्ट-६ (१३)	डिस्ट्रिक्ट-६ (१३), तथा ६(१४), नई दिल्ली।	
(१३) नई दिल्ली		

यह आदेश 1-11-1975 से लागू होगा।

दिनांक 6 दिसम्बर 1975

सं० जुरि-दिल्ली/2/75-76/28178—आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43 वां) की धारा 124 की उपधारा (1) के द्वारा प्रदत्त शक्तियों तथा इस संबंध में प्राप्त अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए आयकर आयुक्त दिल्ली-2, नई दिल्ली निदेश

देते हैं कि वकील संकिल, दिल्ली को नीचे दिए गए दो संकिलों में बाट दिया जायेगा।

1. वकील संकिल—1
2. वकील संकिल—2

यह आदेश 9 दिसम्बर, 1975 से लागू होगा।

सं० जुरि-दिल्ली/2/75-76/28280—आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43 वां) की धारा 124 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों तथा इस विषय पर जारी किए गए पिछले सभी आदेशों/अधिसूचनाओं का अधिकरण करते हुए आयकर आयुक्त, दिल्ली-2 नई दिल्ली निदेश देते हैं कि नीचे दी गई अनुसूची के कालम-2 में निर्दिष्ट आयकर अधिकारी उक्त अनुसूची के कालम-3 में उल्लिखित व्यक्तियों या व्यक्तियों के वर्ग, आयकर आय के वर्ग और मामलों या मामलों के वर्गों के सम्बन्ध में अपने कार्य करें। इनमें वे व्यक्ति या व्यक्तियों के वर्ग, आय या आय के वर्ग और मामलों या मामलों के वर्ग शामिल नहीं होंगे जो उक्त अधिनियम की धारा 127 के अन्तर्गत किसी अन्य आयकर अधिकारी को सौंपे गए हों या इसके बाद सौंपे जाएं।

श्रम-	आयकर अधिकारी का पद नाम	अधिकार-क्षेत्र
सं०		
1.	आयकर अधिकारी, वकील संकिल-1, नई दिल्ली	(क) ऐसे सभी व्यक्ति या व्यक्तियों के वर्ग आय या आय के वर्ग, मामले या मामलों के वर्ग जो आयकर अधिकारी वकील संकिल दिल्ली के अधिकार-क्षेत्र में आने हों यदि 8-12-75 को पिछली कर-निर्धारित अधिकारी विवरणी में दिखाई गई आय 1,00,000/- रु० और अधिक हो।
2.	आयकर अधिकारी, वकील संकिल-2	(ख) ऊपर मद (क) के अन्तर्गत आने वाली फर्मों के सभी साझेदार व्यक्ति।
		(क) आयकर अधिकारी, वकील संकिल, नई दिल्ली के अधिकार-क्षेत्र के अन्तर्गत आने वाले सभी व्यक्ति या व्यक्तियों के वर्ग, आय या आय के वर्ग और मामलों या मामलों के वर्ग किन्तु उन्हें छोड़कर जो आयकर अधिकारी, वकील संकिल-1 नई दिल्ली को सौंपे गए हों।
		(ख) ऊपर मद (क) के अन्तर्गत आने वाली फर्मों के सभी साझेदार व्यक्ति।

यह अधिसूचना 9-12-75 से लागू होगी।

जगदीश चन्द्र,
आयकर आयुक्त

नई दिल्ली, दिनांक 22 नवम्बर 1975

सं० जुरि-दिल्ली/5/75-76/21490—आयकर अधिकारी डिस्ट्रिक्ट-7(4) नई दिल्ली के अधिकार-क्षेत्र के बारे में आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43 वां) की धारा 124 या 127 के अन्तर्गत जारी किए गए पहले के सभी आदेशों में परिवर्तन करते हुए और उक्त अधिनियम की धारा 124 द्वारा प्रदत्त शक्तियों और इस संबंध में प्राप्त अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए आयकर आयुक्त दिल्ली-5 नई दिल्ली निदेश देते हैं कि जिन निर्धारितियों के नाम अग्रेजी के 'एम' 'एन' 'ओ' में से किसी भी अक्षर ने शुरू होते हैं तथा जो 1-12-75 से पहले आयकर अधिकारी डिस्ट्रिक्ट-7(4) के अधिकार-क्षेत्र के अन्तर्गत थे उनके बारे में इस आदेश के लागू होने की तारीख में आयकर अधिकारी डिस्ट्रिक्ट-7(5) अपने कार्य करेंगे किन्तु आयकर अधिकारी डिस्ट्रिक्ट-7(4) उनके बारे में अपने कार्य नहीं करेंगे।

परन्तु इस आदेश से उन निर्धारितियों के बारे में आयकर अधिकारी डिस्ट्रिक्ट-7(4) नई दिल्ली के वर्तमान अधिकार-क्षेत्र पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा जिनके नाम अग्रेजी के 'एम' 'एन' 'ओ' अक्षर से शुरू होते हैं और जो ऐसी साझेदारी फर्म में साझेदार हो, जिनका नाम अग्रेजी के 'एम', 'एन', 'ओ' अक्षर के अतिरिक्त अन्य किसी भी अक्षर से शुरू होता हो वश्वते कि ऐसी फर्म का आदेश को तारीख को उक्त आयकर अधिकारी के अधिकार-क्षेत्र के अन्तर्गत हो।

यह आदेश 1-12-1975 से लागू होगा।

सं० जुरि-दिल्ली/5/75-76/21789—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43 वां) की धारा 124 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों तथा संबंध में प्राप्त अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए आयकर आयुक्त, दिल्ली-5, नई दिल्ली निदेश देते हैं कि दिनांक 1-12-1975 से निम्नलिखित आयकर संलिङ्ग बनाया जाये।

1. डिस्ट्रिक्ट-7(5)

ग्रादेश

दिनांक 24 नवम्बर 1975

स० जुरि-दिल्ली/5/75-76/21755—इस विषय पर इस कार्यालय के ग्रादेश स० जुरि-दिल्ली/75-76/25, दिनांक 15-7-75 में परिवर्तन करते हुए और आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43 वा) की धारा 121 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों तथा इस सबध में प्राप्त अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए आयकर आयुक्त, दिल्ली-5, नई दिल्ली निदेश देते हैं कि नीचे दी गई अनुसूची के कालम-2 में निर्दिष्ट आयकर अधिकारी उक्त अनुसूची के कालम-3 में निर्दिष्ट व्यक्तियों या व्यक्तियों के वर्गों, आय या आय के वर्गों और मामलों या मामलों के वर्गों के सबध में अपने कार्य करेंगे। इनमें वे व्यक्ति या व्यक्तियों के वर्ग, आय या आय के वर्ग मामले या मामले के वर्ग शामिल नहीं होंगे जो उक्त अधिनियम की धारा 127 या 124 की उपधारा (1) के अन्तर्गत किसी अन्य आयकर अधिकारी को सौंपे गये हों या इसके बाद सौंपे जाएँ।

यह अधिसूचना 19-11-75 से लागू होगी।

अनुसूची

क्रम स०	आयकर अधिकारी का पद नाम	अधिकार-क्षेत्र	
1	2	3	4
1.	आयकर अधिकारी, डिस्ट्रिक्ट-2 (12) नई दिल्ली	(क) ऐसा प्रत्येक व्यक्ति जो इस अनुसूची के कालम दिल्ली नगर निगम के वार्ड स० 4 में वताए गए किसी भी क्षेत्र में कोई व्यव- स० 1, 59, 60, 61, 62, साय या कारोबार करता हो या जिसके व्यवसाय 63, 64, 65 और 66 के या कारोबार का मुख्य स्थान उक्त क्षेत्र में हो या जो अन्तर्गत आने वाले क्षेत्र ऐसे किसी क्षेत्र में रहता हो जिसका नाम श्रेणी के (अर्थात् तिमारपुर, सोहन- 'ए' से लेकर 'एफ' तक (दोनों अक्षरों को गज, आर्घपुरा, एक्सटेशन मिलाकर) किसी भी अभार से शुरू होता हो। और विजयनगर)।	
2.	आयकर अधिकारी, डिस्ट्रिक्ट-2 (13) नई दिल्ली	(ख) उपर्युक्त मद (क) के अन्तर्गत आने वाली फर्मों के साझेदार सभी व्यक्ति।	
3.	आयकर अधिकारी, डिस्ट्रिक्ट-2 (2) नई दिल्ली	(क) ऐसा प्रत्येक व्यक्ति जो इस अनुसूची के कालम-4 में वताए गए किसी भी क्षेत्र में कोई व्यवसाय या कारोबार का मुख्य स्थान उक्त क्षेत्र में हो या जो ऐसे किसी क्षेत्र में रहता हो जिसका नाम श्रेणी के 'जी' से लेकर 'ओ' तक (दोनों अक्षरों को मिलाकर) किसी भी अक्षर से शुरू होता हो।	--वही
		(ख) उपर्युक्त मद (क) के अन्तर्गत आने वाली फर्मों के साझेदार सभी व्यक्ति।	

ए० सौ० जैन,
आयकर आयुक्त

प्रस्तुप आई०टी०एन०एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 6 फरवरी, 1976

निदेश नं० 1449:—यतः मुझे रवीन्द्र कुमार,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा -
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. में अधिक है।

और जिसकी राजपत्र नं० 3323 जून, 1975 में है तथा जो चर्चावाल में स्थित है (और इससे
उपावद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के

उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल
के निए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधि-
नियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम',
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ के अनु-
सरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अवृत्ति:—

(1) श्रीमती लीलावती पत्नी इन्द्रसिंह वासी चर्चावाल
(अन्तरक)

(2) श्री मक्खन सिंह पुत्र जरनैल सिंह वासी रायपुर
तहसील जालन्धर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)

(4) कोई भी व्यक्ति जो सम्पत्ति में रच रखता हो (वह
व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है
कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम' के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3323 जून,
1975 को रजिस्ट्रीकरण अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार
सक्षम प्राधिकारी
(सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर।

तारीख : 6-2-1976

मोहर :

प्र० आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ. (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 6 फरवरी, 76

निदेश नं० 1450:—यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है,

और जिसकी सं० जैसा कि अधिकृत विलेख नं० 3322 जून, 1975 में है तथा जो चंचीबाल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी वे; कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री गुरदीप सिंह सुपुत्र लाल सिंह गंव चंचीबाल तहसील जालन्धर।

(अन्तरक)

(2) श्री बलदेव सिंह पुत्र जरनैल सिंह वासी रायपुर तहसील जालन्धर।

(अन्तरक)

(3) जैसा कि नं० 2 में है वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है।

(4) कोई व्यक्ति जो इस सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यशाहिरों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस नूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3322 जून, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख : 6 फरवरी, 1976.
मोहर :

प्रस्तुति आई०टी०एन०एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 6 फरवरी, 1976

निरेखन 1451 — उक्त मुझे, रवीन्द्र कुमार, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी स० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 779 है तथा जो दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यभान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से तुर्हि किसी आय की बावत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती पुर्णा देवी पत्नी डाक्टर गुरुबहुण सिंह 20 तुगलक, रोड नई दिल्ली
(अन्तरक)

(2) डाक्टर सोहन लाल सुपुत्र डाक्टर पुश्तु लाल सुपुत्र समुदेश कुमार और मोहिन्द्र कुमार सुपुत्र सोहन लाल 50 विजय नगर जालन्धर

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि न० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) कोई भी व्यक्ति जो इस सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्धि है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धि किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभ्राषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 779 जुलाई, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी दिल्ली में लिखा है

रवीन्द्र कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख . 6 फरवरी, 1976
मोहर .

प्र० आई० टी० एन० एस०—

आधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
आनंदेज जालन्धर
जालन्धर, दिनांक 9 फरवरी, 1976

निदेश नं० 1452:—यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसको सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकूट विलेख नं० 3302
जून, 1975 में है तथा जो ग्रीन पार्क में स्थित है (और इसमें
उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून,
1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत
उक्त अधिनियम, के अधीन
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या
उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम
या घन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था,
छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः, अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री मंगत राम पुत्र माई दास द्वारा तथमी मिनेमा
जालन्धर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती शकुन्तला देवी पनी रोशन लाल भल्ला
वासी गोविन्दगढ़ जालन्धर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)

(4) कोई भी व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह
व्यक्ति, जिसके बारे अधोहस्ताक्षरी जातना है कि
वह सम्पत्ति में हितवद्धि है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि आव
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकूट विलेख नं० 3302 जून, 1975
को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 9 फरवरी, 1976

मोहर :

प्र० आई० टी० एन० प्र०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 9 फरवरी, 1976

निदेश नं० 1454—प्रतः मुझे, रवीन्द्र कुमार आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी स० जैसा कि रजिस्ट्रीकूत विलेख नं० 1834 जुलाई, 75 है तथा को भवाई रोड से स्थित है (और इससे उपांचढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, होशियारपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जुलाई, 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे वह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे, दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनावधि अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

प्रतः मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्यातः:—

3—486GI/75

(1) श्री अमरनाथ सुपुत्र श्री अमी चन्द्र सुपुत्र श्री गोकल चन्द्र जात खतरी मेठी, माडल टाउन होशियारपुर (अन्तरक)

(2) श्री विजय रोहित और तुगपिनताइन फैक्टरी भवाईगा रोड होशियारपुर द्वारा ग्रोम प्रकाश सुपुत्र सीता राम पाटनर (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) कोई भी व्यक्ति जो वह सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्धि है)

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अधिवासाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

इष्टव्यक्तिएः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट जैसा कि रजिस्ट्रीकूत विलेख नं० 1834 जुलाई, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी होशियारपुर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार
मक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 9 फरवरी, 1976

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 9 फरवरी, 1976

निदेश नं० 1455—यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकूत विलेख नं० 1372
जून, 1975 में है तथा जो हरयाना रोड गांव नलोयान में
स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, होशियारपुर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
जून, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्योक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है और
यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त
अधिनियम,' के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य अस्तियों,
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,'
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का
27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं
किया गया था या किया जाना चाहिए था,
छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ
की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री घसोटा राम सुपुत्र श्री भगवान दास पुत्र श्री
गोपाल दास वासी कृष्ण नगर होशियारपुर
(अन्तरक)

(2) श्रीमती चन्द्र कान्ता पत्नी अब्द्या कुमार पुत्र श्री चमन-
लाल द्वारा जैन ज्यूलर्स प्रताप बाजार होशियारपुर
(अन्तरित)

(3) जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)

(4) कोई भी व्यक्ति जो इस सम्पत्ति में रुचि रखता हो
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता
है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अंधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकूत विलेख नं० 1372 जून, 1975
को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी होशियारपुर में लिखा है ।

रवीन्द्र कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 9 फरवरी, 1976

मोहर :

प्र० र० आई० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 9 फरवरी, 1976

निदेश नं० 1453—पतः मुझे, रवीन्द्र कुमार
आयकर अधिनियम

1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अधिकृत विलेख नं० 3081
जून, 1975 में है तथा जो जालन्धर में स्थित है (और इसमें
उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, जून 1975
को पूर्वोक्त

सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान
प्रतिफल के लिए अनुरिति की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको)
और अन्तरिति (अन्तरितियो) के द्वीप्रार्थ ऐसे असरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या प्रभकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिति द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः यदि उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
मत में, ये, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा

(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्थत-

(1) श्रीमती गुरुदयाल कौर पत्नी मोहिन सिंह सुपुत्र
किशन सिंह गाव बादशाहपुर तहसील जालन्धर
(अन्तरक)

(2) सान्धा कोल्ड स्टोर जालन्धर द्वारा प्रदीप नायार
जालन्धर।
(अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)

(4) कोई भी व्यक्ति इस सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह
व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि
वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियों थुक करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबध में कोई भी आक्षेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
15 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
नूनता की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि याद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अर्थ व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-
परिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3081 जून, 1975
को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 9 फरवरी, 1976

मोहर :

प्रलूप आई०टी०एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 9 फरवरी, 1976

निदेश नं० 1456—यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् ‘उक्त अधिनियम’ कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4717 जुलाई, 1975 में है तथा जो जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकृत अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जुलाई, 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी विसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिस्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अथवा :—

(1) श्री दरभारा सिंह सुपुत्र नारायण सिंह 588 आर०, माडल टाउन, जालन्धर
(अन्तरक)

(2) श्री प्यारा सिंह सुपुत्र हरनाम सिंह, मोहहिन्द्र कौर पत्नी प्यारा सिंह, 588 आर०, माडल टाउन, जालन्धर (अन्तरिती)

(3) जैसाकि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) कोई भी व्यक्ति जो इस सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती ही, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अवोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण.—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

कोठी जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4717 जुलाई, 1975 की रजिस्ट्रीकृत अधिकारी जालन्धर में लिखा है ।

रवीन्द्र कुमार
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 9 फरवरी, 1976
मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 9 फरवरी 1976

निदेश नं० 1457:—यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार, प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका

उक्ति बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जैसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकूत विलेख नं० 4745 जूलाई, 1975 है तथा जो जालन्धर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकूर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जूलाई, 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उक्ति बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या,

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ष के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष को उपाधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों भर्तृतः:—

- (1) श्री दरबारा सिंह सुपुत्र नारायण सिंह 588-आर माँडल टाउन, जालन्धर (अन्तरक)
- (2) श्री प्यारा सिंह सुपुत्र हरनाम सिंह, मोहिन्द कौर पत्नी प्यारा सिंह 588-आर माँडल टाउन जालन्धर (अन्तरिती)
- (3) जसाकि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) कोई व्यक्ति जो इस सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कोठी जैसा कि रजिस्ट्रीकूत विलेख नं० 4745, जूलाई, 1975 को रजिस्ट्रीकूर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 9 फरवरी 1976

माझे:

प्रूरुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 9 फरवरी 1976

निवेश न० 1458 —यत् मुझे, रवीन्द्र कुमार,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- ह० से अधिक है

और जिसकी स० जैसा कि रजिस्ट्रीकूट विलेख न० 3513
जून, 1975 में है तथा जो नाहल में स्थित है (और इससे
उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकृत
अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1975
को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा
के लिए ।

ग्रन्तः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों ग्रन्ति:—

(1) श्री दलीप सिंह सुपुत्र मिया मिहू गाव नाहल, तहसील
जालन्धर ।

(अन्तरक)

(2) श्री प्रीतम सिंह सुपुत्र दलीप सिंह सुपुत्र मियां सिंह
वासी नाहल तहसील जालन्धर ।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि न० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)

(4) कोई भी व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह
व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि
वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण —इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथा-
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकूट विलेख न० 3513 जून, 1975
को रजिस्ट्रीकृत अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार
मक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 9 फरवरी, 1976

मोहर :

प्रस्तुप शार्दूल टी० एम० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 11 फरवरी, 1976

निवेश नं० १० पी० - 1459:—यत्. मुझे, रवीन्द्र कुमार, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकरण विलेख नं० 2355 जून, 1975 में है तथा जो जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाध्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की नाशत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिसमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री देवेन्द्र कुमार पत्नी इकबाल सिंह व हरनाम कौर पत्नी प्रीतम मिह निवासी कुण्ड चहल, तहसील कपूरथला

(अन्तरक)

(2) श्री गुरदयाल सिंह, पाल मिह, सन्तोष चंद्र मिह व जमवन्त मिह सुपुत्र श्री प्रीतम मिह निवासी ममराय, तहसील जालन्धर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्धि है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, और भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

उपष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 16 डीफैन्स कालोनी जालन्धर का तृतीय भाग जैसा कि रजिस्ट्रीकूत विलेख नं० 2355 जून, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख : 11 फरवरी, 1976

मोहर :

प्रैरुप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 11 फरवरी 1976

निदेश सं० ए० पी० -1460:—यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961

का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/-रुपये से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा को जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जून, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती हरनाम कौर पत्नी श्री प्रीतम सिंह निवासी कुणी चहल जिला कपूरथला ।

(अन्तरक)

(2) श्री गुरदयाल सिंह, पाल मिह मन्सोद्ध सिंह व जमबन्त मिह सुपुत्र प्रीतम मिह सुपुत्र गम मिह निवासी समराय तहसील जालन्धर ।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अभिधोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

इष्ट सम्पत्ति के अंतर्गत के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-ब में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

तृतीय भाग जैसा कि रजिस्ट्रीकूत विलेख नं० 2356, जून, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 11 फरवरी, 1976

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० १८० एम०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) में अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 12 फरवरी, 1976

निदेश स० 1461 ---यत् मुझे, रवीन्द्र कुमार आयकर अधिनियम, 1961 (1961

का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का प्रयत्न है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी स० जैमा कि अन्तर्भूति में है। नथा को जालन्धर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अगस्त, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृप्त्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वांच्तव्यिक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के कायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ के अनुसरण में, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

4—486GI/75

(1) श्री बलबीर सिंह गुप्त श्री प्रीतम सिंह गाव कशी चहल जिला कपूरथला।

(अन्तरक)

(2) श्री गुरदयाल सिंह, पाल सिंह, सन्तोष सिंह व जसवन्त सिंह सुपुत्र श्री प्रीतम सिंह निवासी समरग्र जिला जालन्धर।

(अन्तरिती)

(3) जैसाकि न० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति भे हितवद्य है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबंध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

तृतीय भाग जैसाकि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 5210, अगस्त, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख : 12 फरवरी, 1976।

मोहर :

प्रूप आई०टी०एन०एस०— —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 12 फरवरी 1976

निदेश सं० 1462 : —यतः मुझे रवीन्द्र कुमार आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकूत विलेख नं० 2855 जून, 1975 में है तथा को जालन्धर में स्थित है (और इससे उपायद अनुसूची में और पूण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जून, 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पद्धति प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और प्रतिरिती (प्रतिरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए ;

ग्रन्तः ग्रब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के ग्रन्तुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-व की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री सिध माल सुपुत्र श्री गुफतार मल निवासी रैनक बाजार जालन्धर।

(अन्तरक)

(2) श्री जगदीश कुमार सुपुत्र श्रमृत लाल भल्याई एम-41 रास्ता मुहल्ला जालन्धर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेक्षा :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

प्लाट नं० 62 जैसा कि रजिस्ट्रीकूत विलेख नं० 2855 जून, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 12 फरवरी, 1976।

मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एस०————

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर
जालन्धर, दिनांक 12 फरवरी 1976

निदेश सं० 1463 :—यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् ‘दक्षत अधिनियम’ कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा को गांव कुराला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर म रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जून, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्ननिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री वीर सिंह व बूटा सिंह सुपुत्र श्री हरी सिंह सुपुत्र श्री हाकम सिंह निवासी कुराला, तहसील जालन्धर

(अन्तरक)

(2) श्री गुरवचन सिंह सुपुत्र श्री लखा सिंह सुपुत्र श्री गुलाब सिंह निवासी रेडू वर्तमान पता कराला तहसील जालन्धर। (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में हुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2655 जून, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है ।

रवीन्द्र कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर।

तारीख : 12 फरवरी, 1976।

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 12 फरवरी, 1976

निवेश सं० 1464 — यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकूट विलेख नं० 3360 जून, 1975 मे है तथा को जालन्धर मे स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मे और पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर मे रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून, 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के द्वारा ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हर्ई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्य मे कमी करने या उससे बचने मे सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिहें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मे सुविधा के लिए।

प्रतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री सहदेव सिंह सुपुत्र श्री राजेश्वर सिंह 187 सिविल लाईन जालन्धर।

(अन्तरक)

(2) श्री विजय कुमार, अजय कान्त सुपुत्र धर्म पाल भार्फत श्री आर० एल० अग्रवाल। (अन्तरीती)

(3) जैसा कि नं० 2 मे है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग मे सम्पत्ति है)।

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति मे हचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिसके बारे मे अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति मे हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रंजन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के श्रंजन के सम्बन्ध मे कोई भी आदेष—

(क) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मे समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मे से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मे किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण — इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क मे यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकूट विलेख नं० 3360 जून, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता, अधिकारी जालन्धर मे लिखा है।

रवीन्द्र कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख : 12 फरवरी, 1976।

मोहर :

प्रस्तुत ग्राही ठी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 12 फरवरी 1976

निवेश सं 1465 .—प्रतः मुझे, रवीन्द्र कुमार,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं जैसा कि रजिस्ट्रीकूत विलेख नं 3361
जून, 1975 में है तथा जो जालन्धर में स्थित है (और उससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जून, 1975 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए रजिस्ट्रीकूत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से दुर्बु जैसी आय की बाबत उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी जैसी आय या जैसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री सहदेव सिंह सुपुत्र श्री राजश्वर सिंह सिविल लाइन
जालन्धर।

(अन्तरक)

(2) श्री धर्मपाल सुपुत्र श्री ईश्वर दाम भार्फत आर० एल०
प्रगवाल एडवोकेट जालन्धर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)।

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति,
जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीफ से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो
उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकूत विलेख नं 3361 जून, 1975
को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 12 फरवरी, 1976।

मोहर :

प्रस्तुप श्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 12 फरवरी 1976

निदेश सं० ए० पी० -1466:—यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो गांव बल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, जून, 1975 को पूर्वोंत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चवृह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री सरदार सिंह, गिरधारा सिंह सुपुत्र श्री शिव सिंह निवासी बल तहसील जालन्धर।

(अन्तरक)

(2) श्री मेवासिंह दलबीर सिंह सुपुत्र श्री ज्ञान सिंह, राम सिंह तीर्थ सुपुत्र श्री अवतार सिंह सुपुत्र श्री गुरबचन सिंह निवासी बल तहसील जालन्धर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि न० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति; जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 2158, जून, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख : 12 फरवरी, 1976।

मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एम० ——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज़, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 12 फरवरी 1976

निवेश सं० ए० पी० - 1467:- यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43),
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और
जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो जालन्धर
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में
बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय,
जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, जून, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तग्य
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधि-
नियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम'
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री बीरेन्द्र सिंह सुपुत्र श्री चरण जीत मिह सुपुत्र
श्री नरेन मिह निवासी बस्ती बाबा खेल जालन्धर
(अन्तरक)

(2) श्री गुरदयाल सिंह ढिल्लों सुपुत्र श्री सन्त सिंह ढिल्लों
निवासी नंगल कदार खां तहसील जालन्धर ।
(अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है) ।

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में हवा रखता हो (वह व्यक्ति,
जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितबद्ध है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2330, जून, 1975
को रजिस्ट्रीकृत अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज़, जालन्धर

तारीख : 12 फरवरी, 1976।

मोहर

प्रस्तुत आई० दी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 12 फरवरी 1976

निदेश न० ए० पी० 1468—यह मुझे, रवीन्द्र कुमार,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
और जिसकी स० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो मुके-
रिया में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण
रूप में वर्णित है), [रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मुकेरिया
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908] का 16) के
अधीन, तारीख जून, 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अनुसरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं
'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री मणि मल पूर्णलाला गुरदिता यव सुपुत्र श्री
गगा राम निवासी मुकेरिया तहसील हसूह।
(अन्तरक)

(2) श्री स्वर्ण कुमार सुपुत्र हकीम गुरदाम राम सुपुत्र
हकीम रला राम मेन बाजार मुकेरिया तहसील हसूह।
(अन्तरिती)

(3) जैसा कि न० 2 मे है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति,
जिनके बारे अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।

स्पष्टबोकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभासित हैं
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 816 जून, 1975
को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी मुकेरिया में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख : 12 फरवरी, 1976।

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 12 फरवरी 1976

निरेश नं० ए० पी० -1469—प्रतः मुझे, रवीन्द्र कुमार, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है। तथा जो बरनाला कलां में स्थित है (और इससे उत्पाद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय नवांगहर म रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूष्यमान प्रतिफल से ऐसे दूष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबन 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य वास्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्राप्ति :—

5—486GI/75

(1) श्रीमती नरेन कौर विधवा श्री मक्खन सिंह सुपुत्र श्री कन्हैया सिंह निवासी बरनाला कलां तहसील नवांगहर।
(अन्तरक)

- (2) विशाल कापरेटिव हाउस विलिंग सोसाईटी लिमिटेड नवांगहर।
(अन्तरिती)
- (3) जैमा कि सं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्कत विलेख नं० 1692 जून, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी नवांगहर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 12 फरवरी, 1975

मोहर :

प्रूप प्राइंटी०एन०एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 12 फरवरी 1976

निदेश नं० 1470—प्रतः मुझे, रवीन्द्र कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961

का 43) (जिसे इसमें उसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का वारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिमकी सं० जैसा कि अनुसूचि में दिया गया है तथा जो बंगा में ग्रिह है (और इससे उपायद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नवाशहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 वा 16) के अधीन, तारीख जून, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, लिखित उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित में वातिवाक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/गा

(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री महेश चन्द्र, सतीश कुमार मुपुत्र श्री जगन नाथ वर्गा

(अन्तरक)

(2) श्रीमती संतोष रानी पत्नी श्री राजकुमार (प्रत्यरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में हचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्धि है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद से समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्री नं० 1116/जून, 1975 कार्यालय रजिस्ट्रीकर्ता, नवाशहर में विलेख है।

रवीन्द्र कुमार,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर।

तारीख : 12 फरवरी, 1976

मोहर :

प्रस्तुत प्राईंटी० एन० एस०————

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रामकर ग्राम्यकृत (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 12 फरवरी 1976

निवेश नं० 1471 —यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार,
ग्रामकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो गांव गोल पिण्ड में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख जून, 1975 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैः—

(क) अन्तरण से हुई किसी ग्राम की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी ग्राम या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रामकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः प्रब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्थातः—

(1) श्री ज्वाला सिंह पुत्र श्री सेवा सिंह वासी गोली पिठ
(अन्तरक)

(2) श्री हरजिन्द्र सिंह पुत्र स्वर्ग सिंह गांव कन्डोला तहसील जालन्धर।
(अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है (वह वक्ति, जिसके अंदरमें सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के गांवध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2386/जून, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक ग्रामकर ग्राम्यकृत (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख : 12 फरवरी, 1976

मोहर :

प्रस्तुप आई०टी०एन०एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 12 फरवरी, 1976

निवेश सं० 1472—यतःमुझे, रवीन्द्र कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गोराया में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फिलौरा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा

(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री गुरदीप सिंह सुपुत्र प्यारा सिंह सुपुत्र श्री इन्द्र-सिंह, वासी गोराया तहसील फिलौर
(अन्तरक)

(2) मैसर्स गुरवद्धा कार्नेम प्राथेट लिमिटेड फगवाड़ा
(अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख सं० 1558, जन, 1975 कार्यालय रजिस्ट्रीकर्ता फिलौर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख : 12 फरवरी, 1976

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 12 फरवरी 1976

निदेश नं 1473—अतः मुझे, रवीन्द्र कुमार,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है) की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि सूची में दिया गया है तथा
जो गोराया में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
फिलौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख जून, 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपशारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री कृपाल सिंह सुपुत्र प्यारा सिंह वासी गोराया
तहसील फिलौर

(अन्तरक)

(2) मैसर्जे गुरबद्ध फानैन्स प्रा० लि० फगवाड़ा

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति,
जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आमेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
प्रत्येक व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम
के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ
होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्री नं० 1266/जून, 1975, कार्यालय
रजिस्ट्रीकर्ता फिलौर में लिखा हुआ है।

रवीन्द्र कुमार,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख : 12 फरवरी, 1976

मोहर :

प्र० रुप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 12 फरवरी 1976

निवेद सं० 1474—यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि सूचि में दिया गया है तथा जो
गोराया में स्थित है (और इसे उपावद अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, फिलौर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख जून, 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार

मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उपर्युक्त से उक्त
प्रतिरक्षण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैः—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11), या उक्त अधिनियम,
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनु-
सरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्रीमती रघुबीर कौर पत्नी श्री प्यारा सिंह वासी
गोराया।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स गुरबच्चा फाईनेंस प्रा० लि० फगवाड़।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में हचि रखता हो। (वह व्यक्ति,
जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में
परिभ्राषित है, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्री सं० 1198, जून, 1975, कार्यालय रजि-
स्ट्रीकर्ता फिलौर में लिखा हुआ है।

रवीन्द्र कुमार;
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 12 फरवरी, 1976

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर कार्यालय

जालन्धर, दिनांक 12 फरवरी 1976

निवेश सं० ए० पी - 1475—यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)
की धारा 269-घ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है
और जिसकी सं० जैसा कि सूचि में दिया गया है तथा जो
गोराया में स्थित है (और इससे उपावढ़ अनुसूची में और पूर्ण
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-
लय फिलौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख जून, 1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि वयापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत
से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उल्लेख से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
प्रधिनियम, के प्रधीन कर देने के
अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे
बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
कट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के प्रनुसरण
में, मैं, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपषारा

(1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्रीमती रघुबीर कौर पत्नी श्री प्लारा सिंह वासी
गोराया (अन्तरक)
- (2) मैसर्ज गुरबुख फानैन्स प्रा० लि० फगवाड़ा
(अन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिकार
में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति,
जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में
परिभासित है, वही अर्थ होगा, जो उस
प्रध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्री नं० 8431, जून, 1975 का रजिस्ट्री-
कर्ता, फिलौर में विलेख है।

रवीन्द्र कुमार,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 12 फरवरी, 1976

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 13 फरवरी, 1976

निदेश नं० ए० पी० - 1476 —यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से प्रधिक है और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा को जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन् भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगजार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्यातु:—

(1) श्री श्रीम प्रकाश सुपुत्र श्री अमी चन्द एन० ए० 355
किशन पुरा जालन्धर

(अन्तरक)

(2) श्री गुरदयाल मिह सुपुत्र श्री दरबारा सिंह सुपुत्र श्री
तिलोक मिह और श्री सुरजीत सिंह सुपुत्र श्री तिलोक मिह
सुपुत्र श्री खजाना निवासी बाँड़-पास जालन्धर

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके प्रधिकारी
में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति,
जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आलेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

इष्ट्वीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकूत विलेख नं० 2699 जून, 1975
को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख : 13 फरवरी, 1976

मोहर :

प्रस्तुत आई० ई० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 12 फरवरी 1976

निवेश सं० जे० जी० आर० /1304/75-76 ——प्रतः मुझे,
विवेक प्रकाश मिनोचा
आयकर अधिनियम,

1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 87 कनाल 2½ मरले भूमि है तथा जो गांव झोराडा, तहसील जगरायों में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जगरायों में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार

मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम,' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,' या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपाधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

6—486GI/75

(1) द्वी मुन्दर सिंह पुत्र श्री बूदा सिंह मुनाखा निवासी गांव झोराडा, तहसील जगरायों

(अन्तरक)

(2) सर्वश्री

1. अर्जैब सिंह

2. महिन्द्र सिंह

3. जोगिन्द्र सिंह पुत्र संता सिंह

निवासी गांव भलक, तहसील जगरायों जिला लुधियाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का जो 'उक्त अधिनियम,' के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

87 कनाल 2½ मरले भूमि

13½ मरले भूमि 3/4 भाग 18 मररे भूमि
खाता सं० 376/432, खसरा सं० 199/1-256/1 नमलक
गांव की जमावन्दी के अनुसार

भूमि 86 कनाल 8 मरले, खाता सं० 328/423, 329/424
आयात सं० 46 किला नं० 16/1, -16/2- 16/3- 25 आयत
नं० 47, किला नं० 2/1,-3/1, -7/2-8/ 2-9-11-12/1-12/2
-22-19/1-19/2-20-21, गांव झरोड़ तहसील जगरायों 1971-
72 साल की जमावन्दी

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 2145 जुलाई, 1975 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जगरायों के कार्यालय में लिखा है)

विवेक प्रकाश मिनोचा,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, चण्डीगढ़

तारीख : 12 फरवरी, 1976

मोहर :

प्रस्तुप आई०टी०एन०एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 12 फरवरी, 1976

निदेश नं०:—यदि मझे, विवेक प्रकाश मिनोचा,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 54 कनाल 10 मरले भूमि है तथा जो गांव रसूल पुरपर गना हाथुर, तहसील जगरायों में स्थित है (और इससे उपावद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जगरायों में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्वक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अथवा :—

(1) श्री दप्तल सिह पुत्र श्री मल्ल सिह तिवासी गांव रसूल पुर परगना हाथुर तहसील जगरायों ' (अन्तरक)

(2) मर्वशी

1. मुख्त्यार गिह
2. करतार सिह
3. दलबारा सिह
4. अवतार सिह
5. कपतान राह
6. गुरवण्ड सिह पुत्राण पूरन सिह
निवासी गांव रसूलपुर परगना हाथुर तहसील जगरायों, जिला लुधियाना

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

उपर्युक्त :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

163 कनाल 10 मरले भूमि का 1/3 भाग 54 कनाल 10 मरले जो कि गांव रसूलपुर परगना हाथुर तहसील जगरायों में स्थित है।

खाता नं० 971/1362-1363, 972/1364-1365, 973/1366-1367 974/1368, आयत नं० 144, किला नं० 24-24-4-56-7-8-9-12-14-15-19-13-18-3/2-17-15, आयत नं० 145 किलानं० 21/1, आयात नं० 119 किला नं० 18/1-24-25-16-17, जमाबन्दी साल 1972-73.

जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 1268 जून, 1975 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जगरायों के कार्यालय में लिखा है।

विवेक प्रकाश मिनोचा,
मक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़
तारीख 12 फरवरी, 1976
मोहर :

प्रूप्र आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कार्यालय चण्डीगढ़

चण्डीगढ़ दिनांक 11 फरवरी, 1976

निदेश नं० बी० जी० आर० /सी० डी० एल० आई० डी० /
1348/75-76—अतः मुझे, विवेक प्रकाश मिनोचा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० खाली प्लाट नं० 63 हैं तथा जो इण्डस्ट्री-
यल एरिया नं० 1, मथुरा रोड, फरीदाबाद में स्थित है (और
उससे उपावड़ अमृसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख जुलाई, 1975 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक
के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें मारकीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम',
या छन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) मै० डी० एल० आफ० युनाइटेड लिमिटेड 40 एफ०
कनाट प्लैस, नई दिल्ली - 110001
(अन्तरक)
(2) 1. श्री जी० एस० भल्ला
2. श्री डी० एस० भल्ला पुष्पाण बाबा संत सिंह भल्ला
मरान नं० डब्लू एच० 200, जी० टी० रोड जालन्धर
शहर
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या सत्सब्दी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा ;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृक्ष
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम' के अध्याय 20-क में
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अमृसूची

खाली प्लाट नं० 63, इण्डस्ट्रीयल एरिया नं० 1 मथुरा
रोड फरीदाबाद।

विवेक प्रकाश मिनोचा
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, चण्डीगढ़

तारीख : 11 फरवरी, 1976

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 11 फरवरी 1976

निदेश नं० बी० जी आर/(डी एल आई)/1336/75-76:—
अतः मुझे, विवेक प्रकाश मिनोचा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० खाली प्लाट नं० सी०-1/11 है, तथा
जो सैबटर -11 माउल टाउन, फरीदाबाद में स्थित है
(और इससे उपावद्ध प्रनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित है), रजि-
स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में, रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई,
1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्थ्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के
लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने
के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या
उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य अस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोगनार्थे अन्तरिती द्वारा प्रकट
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिये;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन
निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थत:—

(1) मै० डी० एल० अफ० युनाइटेड लिमिटेड, 40-अफ०
कनाट प्लैस नई दिल्ली -110001.

(अन्तरक)

(2) श्री सतीश कुमार नायर मकान नं० 1213 सैक्टर
8-सी, चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधीन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अधीन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अमृसूची

खाली प्लाट नं० सी०-1/11, सैक्टर-11, माउल टाउन
फरीदाबाद।

विवेक प्रकाश मिनोचा,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख : 11 फरवरी 1976।

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 27 जनवरी 1976

निर्देश सं० सी० आर० 4465/75-76/एक्य०/बी० :
यतः मुझे, आर० कृष्णमूर्ति

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 12/1 व 12/2 का भाग है, तथा जो बंगलूर (छिंवीजन नं० 38) में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, बसबंगुडी, बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 16 जून, 1975 को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी छन या अन्य वासितियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या छन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए;

यतः मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित, व्यक्तियों अर्थात् :—

1. (1) श्री एन० वेंकटेशलू नायडु उर्फ एन० बी० नायडु
सुपुत्र स्व० एस० नारायणस्वामी नायडु।

(2) श्री धी० श्रीमप्रकाश (अन्वयक) प्रतिनिधि पिता व
रक्षाकर्ता श्री एन० वेंकटेशलू नायडु नं० 73-कास
रोड, टी० आर० मिल के पास, 5 मैन रोड
चामराजपेट बंगलूर के निवासी ।

(अन्तरक)

2. श्री दयालु वैद्या सुपुत्र मूलशंकर वैद्या नं० 214 कास,
जय धाम राज रोड बंगलूर -2

(अन्तरिती)

यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोषिताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थायीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

[दस्तावेज सं० 1107/75-76 ता० 16-6-75] खाली जमीन का उत्तरी भाग—एस० नं० 12/1 व 12/2 जो अन्तरारा निम्नसान्देश, बंगलूर (छिंवीजन नं० 38) में स्थित।

अवस्थान खेत्रफल :

पूर्व से पश्चिम :	उत्तरी भाग 92'
Do	दक्षिणी भाग 94'
उत्तर से दक्षिण :	पूर्वी भाग 34'
Do	पश्चिमी भाग 40'

सीमाएँ :—

पूर्व :	सड़क
पश्चिम :	निजी सम्पत्तियां
उत्तर :	जमीन सं० नं० 9/1 खरीदने वाले का
दक्षिण :	सं० नं० 12/1 व 12/2 खेचने वाले का

आर० कृष्णमूर्ति,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 27 जनवरी, 1976

मोहर :

प्रकाश आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

[अर्जन रेज बंगलूरु]

बंगलूरु, दिनांक 27 जनवरी 1976

निर्देश सं० सी० आर० 62/4631/75-76/एस्य० / बी०:—

यतः मुझे, आर० कृष्णामूर्ति

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सकाम अधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० नं० 102 है, तथा जो के० जी०
बैदरहल्ली गांव, सिविल स्टेशन, बंगलूरु मै स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजि-
स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गांधी नगर, बंगलूरु मै रजि-
स्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 17-6- 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिल की
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पर्याप्त प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और
अस्तरिती (अस्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया
प्रतिक्रिया निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मै वास्तविक
रूप से किया नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा
के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या बन-कर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं
किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए ।

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मै उक्त अधिनियम, की धारा 269-ष की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों कथत् :—

- (1) श्री ए० अन्तोणी मैकल सुपुत्र स्व० सुब्रदार ए०
मैकलनं० 2 चिन्हस्वामी पिल्लै रोड जयभारती नगर,
बंगलूर-53 । (अन्तरक)
- (2) श्री जनाब के० अब्दुल बासीन खान, सुपुत्र स्व०
सत्तार खान, उपरोमजिल नं० 22 सर्कुलर स्ट्रीट,
बंगलूर । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया कस्ता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
वद्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्वाक्षरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और वदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभा-
षित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में
दिया गया है ।

अमुमूली

[दस्तावेज सं० 1279/75-76 ता. 17-6-75]—सं० नं०
102 के० जी० बैदरहल्ली, सिविल स्टेशन बंगलूरु मै जमीन-
1 एकड़ , 39 गुण्डास ।

सीधाएं :—

उत्तर: सं० नं० 79 मै जमीन जो खायाम गुट्टेदार की है
(अभी सङ्क मनिरेड्डिलायम से चिकिप्पा गार्डन को
जाने वाली

दक्षिण : ग्रामताना नामक खायाम गुट्टा भजेरे रामस्वामी पालय

पूर्व: सर्वे नं० 101 (अभी नन्दिदुर्ग कास रोड) व ग्राम-
ताना

पश्चिम: सं० नं० 103 जो के० जी० बैदरहल्ली विलेज
सिविल स्टेशन का है ।

आर० कृष्णामूर्ति,
सकाम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बंगलूर

तारीख : 27 जनवरी, 1976 ।

मोहर :

प्र० आई० टी० एम० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

ग्रंजन रेज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 22 जनवरी 1976

निर्देश सं० सी० आर० 62/4632/75-76/एक्य० /छी०:—

यतः मुझे, आर० कृष्णामूर्ति

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० पुराना नं० 96 नया नं० 115/220, 116/-219, 117/218 व 118/27 है, तथा जो कब्बन पेट, मैन रोड, बंगलूर में स्थित है (और इससे उपाध्य श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गांधी नगर, बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 18 जून, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-व की उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

- (1) श्री टी० सुब्बारायपा सुपुत्र तिम्मया, नं० 16-15
क्रास कब्बनपेट, बंगलूर-2 (अन्तरक)
(2) श्री बी० परमेश्वरराया सुपुत्र श्री बास्थ्या, मसर्ज
जनार्दना सिल्क हाउस पी० बी० नं० 6865, 4,
26 क्रास कब्बनपेट, बंगलूर, -2 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितदद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के ध्याय 20-क में परिभ्रमित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस ध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

[वस्तावेज सं० 1283/75-76 ता० 18-5-1975]

गृह नं० 96 (पुराना) नया नं० 115/220, 116/219, 117/218 व 118/27 का भाग जो कब्बनपेट में रोड बंगलूर में स्थित है।

अवस्थान क्षेत्रफल :—

पूर्व :	:14'
पश्चिम :	:33'
उत्तर :	:40'
दक्षिण :	:40'

940 वर्ग फीट

सीमाएँ :—

पूर्व : एल० आई० सी० मकान
पश्चिम : बेचने वाले की सम्पत्ति
उत्तर : बासपा पार्क रोड
दक्षिण : निजी सम्पत्ति

आर० कृष्णामूर्ति;
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रंजन रेज, बंगलूर

तारीख 22 जनवरी, 1976।

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 22 जनवरी, 1976

निर्देश सं० सी० आर० 62/4641/75-76/एक्य० /नी०:-
यतः मुझे आर० कृष्णमूर्ति

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है
और जिसकी सं० 208 है, तथा जो कब्बनपेट मेन रोड
बंगलूर-2 (डिवीजन 43) में स्थित है (और इससे उपावन
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण
अधिकारी के कार्यालय, गांधी नगर, बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 25-6-
1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तर-
रकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचते में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथान्:—

(1) कुमारी रीना दत्त सुपुत्री जी० एल० हट्ट० नं० 125,
किलारी रोड, बंगलूर सिटी।

(अन्तरक)

(2) श्री आर० चिक्क मुनियप्पा सुपुत्री पी० सी० राज-
पा, नं० 38 मोहिद्दीन साब लेन जूम्मा मजजिद
रोड क्रास, बंगलूर-2।

(अन्तरिती)

(3) आर० जे० अन्नोणी (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यशाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

[दस्तावेज सं० 1380/75-76 ता० 25-6-76]

मकान नं० 208, कब्बनपेट मेन रोड, बंगलूर-2 (डिवीजन
नं० 43)

अवस्थान क्षेत्रफल :—

पूर्व से पश्चिम : उत्तरी भाग -43'

Do : दक्षिणी भाग -47'

उत्तर से दक्षिण : पूर्वी भाग-46'

Do : पश्चिमी भाग-27'

$$\frac{43' + 47'}{2} \times \frac{46' \times 27'}{2} = 1642 \text{ वर्गफीट}$$

सीमाएँ :—

पूर्व : श्री राजमुदलियार का भवन

पश्चिम : 7 क्रास

उत्तर : कुमारी रीना दत्त का घर नं० 1/18

दक्षिण : कब्बनपेट मेन रोड

श्रीर० कृष्णमूर्ति
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 22 जनवरी 1976

मोहर :

प्र० आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 28 जनवरी 1976

निर्देश स० सी० आर० 62/4485/75-76/एक्य० / बी०:—
यतः मुझे आर० कृष्णामूर्ति
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी स० 133 है, तथा जो बिन्निमंगला ले-आउट (इन्डिरा नगर ले-आउट) बंगलूर-38 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में भी और पूर्णरूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शिवाजी नगर, बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 28-6-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के प्रत्युत्तर अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपशारा

(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

7—486GI/75

- (1) श्री नोरबेर्ट जोसफ किलिप वारा (2) श्रीमति क्रिस्टियन फिलोमिना वास पत्नी नोरबेर्ट जोसफ किलिप वास नं० 43 लिलिगटन स्ट्रीट, रिचमड टाउन, बंगलूर-25 में रहने वाले। (अन्तरक)
(2) श्री के० नारायण नं० 3/4 'बी०' केल्वलाड रोड, फैमर टाउन, बंगलूर-5। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितभूद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

[दस्तावेज स० 1124/75-76 ता० 28-6-75]

कोने का खाली अवस्थान नं० 133 बिन्निमंगला ले आउट में (अभी इन्डिरा नगर ले आउट में है), बंगलूर-38 में स्थित। अवस्थान क्षेत्रफल

पूर्व से पश्चिम	: 61'. 6"
उत्तर से दक्षिण	: 40'

सीमाएँ :—

उत्तर : अवस्थान नं० 134

दक्षिण : ले आउट रोड

पूर्व : अवस्थान नं० 172 व

पश्चिम : ले आउट रोड

आर० कृष्णामूर्ति
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बंगलूर

तारीख : 28 जनवरी, 1976

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एम०

(1) श्रो टॉ० एल० बी० राव पुत्र श्री लक्ष्मणराव, निवासी जहांगीरबाद भोपाल (म० प्र०)

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 12 फरवरी 1976

निदेश सं० आई० ए० सी० एक्वी० / भोपाल/76-77:—
अतः मुझे, बी० के० सिन्हा,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43), (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० मकान नं० 44 है, जो भोपाल में स्थित है (श्री इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भोपाल में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 25-6-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि आद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकें।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

मकान नं० 44 के दक्षिण का आधा भाग जो कि 44 नम्बर मालवीया नगर, भोपाल में स्थित है।

वी० के० सिन्हा
सभम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 12 फरवरी, 1976
मोहर :

प्र० आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 12 फरवरी 1976

निदेश सं० आई० ए० सी० एक्षी०/भोपाल.—अत ,
मुझे वी० के० सिन्हा०,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे
इसके पश्चात् ‘उक्त अधिनियम’ कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
और जिसकी स० कृषि भूमि है, जो तिधुरदी मे स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची मे और पूर्णरूप मे वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दुर्ग मे रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 10-6-75
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, ‘उक्त
अधिनियम’, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
मे कमी करने या उससे बचने मे सुविधा के लिए;
और /या

(ख) ऐसा किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या ‘उक्त अधिनियम’, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने मे सुविधा के लिए;

अतः अब, ‘उक्त अधिनियम’, की धारा 269-ग के अनु-
सरण मे, भी, ‘उक्त अधिनियम’, की धारा 269-घ की उप-
धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

(1) श्री कपामन, श्री पासाक, श्री रजीम पुत्र की दीनुनगौर
निवासी तिधुरदी दुर्ग ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती आशालता पति श्री रमेश कुमार श्रीमति प्रभा-
जैन पत्नी रावेन्द्र जैन श्रीमति पुष्पालता पति वी०
के० गुप्ता भिलाई नगर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध मे कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि पा तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मे
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों मे से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
मे किए जा मर्केंगे ।

स्पष्टीकरण :——इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जो ‘उक्त
अधिनियम’, के अध्याय 20-क मे
परिभार्पित है, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय मे दिया गया है ।

अनुसूची

2.85 एकड़ कृषि भूमि जमीन स्थिति तिधुरदी गांव
दुर्ग ।

वी० के० सिन्हा०
सक्षम प्राधिकारी
गहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भोपाल

तारीख : 12 फरवरी, 1976
मोहर :

प्रूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 12 फरवरी 1976

निवेश स० आई० ए० सी०एक्वी/भोपाल-76-77—अतः,
मुझे, बी० के० सिन्हा,

आयकर अधिनियम,

1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० एक मंजिल मकान है, जो

दुर्ग में स्थित है (श्रौर इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दुर्ग में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 2 जुलाई, 1975

फो पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है श्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे, दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है श्रौर अन्तरक (अन्तरकों) श्रौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन, कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए श्रौर/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री मुरेन्द्र प्रसाद अग्रवाल, निवासी गंगा, तह० व जिला, दुर्ग।
(अन्तरक)

2. श्रीमती बदामी बाई बेवा पत्नि सुख लाल जैन, निवासी जवाहर औक, दुर्ग।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी अक्षित द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताधीरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मंजिला मकान जो कि मैथलपारा में स्थित है। मारुति मन्दिर के पास, वा० नं० 23 पी० एच० नं० 78, आर० नं० 269 तह० व जिला, दुर्ग।

बी० के० सिन्हा,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भोपाल

तारीख : 12-2-76
मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 12 फरवरी, 1976

निदेश सं० ग्राई० ए० सी० एस्बी/भोपाल-७६-७७.—अतः,
मुझे, वी० के० सिन्हा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और
और जिसकी म० मकान है, जो कारबा मे॒ स्थित है (और इससे
उपावद्ध अनुसूची मे॒ और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
प्राधिकारी के कार्यालय, बिलासपुर मे॒ रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, 30-७-७५

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए, अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे वचन में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री ज्योति भूषण प्रताप सिंह निवासी प्रताप भवन, तिलक
नगर, चातापारा, बिलासपुर। (अन्तरक)

2. श्री मनोहर सिंह पुत्र केसर सिंह द्वारा दर्शन सिंह निवासी
रानी रोड, बिलासपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही प्रथम होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मंजिला मकान जो रानी रोड, कोरबा मे॒ स्थित है।

बी० के० सिन्हा
राक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भोपाल

तारीख : 12 फरवरी, 1976

मोहर :

प्र० आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर शायकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 12 फरवरी 1976

निवेश सं० आई० ए० मी० एक्वी०/भोपाल-76-77:—अतः, मुझे, बी० के० सिन्हा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम,' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी मं० कृषि व जर्मीन है, जो मुशर खालियर में स्थित है (और इससे उत्तरवद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, खालियर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 23-8-75 को पूर्योक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने वा धारण है कि यथापूर्योक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल न, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रतिफल का अन्तरित अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रतिफल में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:

(क) अन्तरण से तूर्छ किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री कैलाश प्रसाद पुत्र जगन्नाथ प्रसाद निवासी ठंडी सुल्क, मुरार, खालियर (अन्तरक)
2. मैमर्स ज्याम लेन्ड डीलर्स, नया बाजार, लक्ष्मण, खालियर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में शितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टाकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि व बिना कृषि वाली भूमि जो कि गोले के मन्दिर के पास मुरार में स्थित है।

बी० के० सिन्हा,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर शायकत (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 12 फरवरी, 1976

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269(च) (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 12 फरवरी 1976

निदेश सं० आई० ए० सी० एक्वी/भोपाल-76-77—अतः,
मुझे, बी० के० सिन्हा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् ‘उक्त अधिनियम’ कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- हू० से अधिक है

और जिसकी स० कृषि भूमि है, जो मुरार ग्वालियर, मे॒ स्थित है (और इसमे॒ उगाबढ़ अनुसूची मे॒ और पूर्ण रूप मे॒ वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ग्वालियर मे॒ रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 23-9-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे॒ वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व मे॒ कभी करने या उससे बचने मे॒ सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मे॒ सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे॒, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

1. श्री मुगारी लाल पुत्र श्री मुन्जी लाल गर्ग, निवासी ठंडी सड़क, मुगार (प्रस्तरक)
2. मैमर्स ग्याम लैड डीलर्स, दया बाजार, लखनऊ। (अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के निए कार्यवाहियां करता हू०।

उक्त सम्पत्ति के संबंध मे॒ कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र मे॒ प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मे॒ समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मे॒ से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मे॒ प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति मे॒ हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मे॒ किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमे॒ प्रयुक्त पान्डों और पदों को, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे॒ परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे॒ दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि व बिना कृषि वाली भूमि, जो कि गोले के मन्दिर के पास मुरार मे॒ स्थित है।

बी० के० सिन्हा
सदम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण),
अर्जन रेज, भ० १८

तारीख : 12 फरवरी 1976

मोहर :-

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेज 1, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 31 जनवरी 1976

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/१/एस० आर०-III/जून-१/२६/८ २४/७५-७६—यतः, मुझे, चं० वि० गुप्ते,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० डब्ल्यू-२७ है, जो ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाधद अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन ४-६-७५ को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के सिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के साथसे में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रफट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में, सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसारण में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. मै० डी० एन० पा० यू० यू० ई० टी० लि०, 40-एफ० कनाट पलैस, नई दिल्ली, (अन्तरक)
2. मै० हिन्दुस्तान नैशनल ग्लास एण्ड इन्डस्ट्री लि०, बाहदुरगढ़ (रोहतक)। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक प्लाट की भूमि जिसका क्षेत्रफल 152.2 वर्ग गज है और सं० डब्ल्यू-२७ है तथा जोकि निवासी कालोनी ग्रेटर कैलाश-II, बाहापुर गाव, दिल्ली की यनियन टैरीटरी, नई दिल्ली में है। यह प्लाट निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व—रोड,
पश्चिम—कालोनी की सीमा,
उत्तर—प्लाट नं० डब्ल्यू-२९,
दक्षिण—प्लाट नं० डब्ल्यू-२५।

चं० वि० गुप्ते,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 31 जनवरी, 1976
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेज-1, दिल्ली-1

4/14-ए०, आसफ अली रोड, नई दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 10 फरवरी, 1976

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यु/1/एस०आर०—111/8/8/
जून-1(20)/75-76—यतः मुझे, चं० वि० गुप्ते,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ष के अधीन सक्षम अधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० एस०-523 है, जो ग्रेटर कैलाश-11, नई दिल्ली
में स्थित है (और इससे उत्तरद अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता 'अधिकारी' के कार्यालय, नई दिल्ली में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
4-6-75 को पूर्णोक्त।

प्रतिफल के सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पश्चात् प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से बुझे किसी आय की बाबत
उक्त अधिनियम के अधीन कर
देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसके
बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आमितियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का
27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था,
ठिपाने में सुविधा के लिए।

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—
8-48601/75

1. मैसर्स डी० एस० एफ० यूनाइटेड लि०, 40-एफ०,
कनाट मर्क्स, नई दिल्ली। (अन्तरक)
2. श्रीमती शशी वाहल, पत्नी श्री के० एन० वाहल, निवासी
एन०-194, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम के अध्याय
20-क में पाया परिचायित हैं, उन्हीं अर्थ होगा,
जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनसूची

एक कोहोल्ड प्लाट की भूमि जिसका क्षेत्रफल 474.6 वर्ग
गज है और न० एस०-523 है, जो कि निवासी कालोनी ग्रेटर कैलाश-
11, नई दिल्ली में, बाहापुर गाव, दिल्ली की यूनियन टैरीटरी में
निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व—प्लाट न० एस०-525
पश्चिम—प्लाट न० एस०-523-ए०
उत्तर—रोड
दक्षिण—सर्विसलेन।

चं० वि० गुप्ते,
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 10 फरवरी, 1976

मोहर :

प्रख्य प्राइंटी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेज-1, दिल्ली-1

4/14 ए, प्रासफली मार्ग, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 फरवरी, 1976

निवेशन० प्राइंटी० ए० सी०/एक्य०/1/820(22)/75-76—
यत., मध्य, अ० वि० गुप्ते,
आयकर अधिनियम

1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० एम०-155 है तथा जो ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली में
स्थित है, रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 4-6-1975 को पूर्वोक्त
सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको)
और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य ग्रासियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनामें अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः प्रब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपष्ठारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्थत

1 म० डी० एल० एफ० यूनाइटेड लिं०, 40-एफ०, कनाट
पलैस नई दिल्ली। (अन्तरक)

2 श्री एस० जस्वीन्द्र सिंह, सुपुत्र एम० धर्म सिंह, निवासी
2-ए०/140, सफदरजग पत्तकलीव, नई दिल्ली। (अन्तरिती)
को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया शुरू करता हू।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबध में कोई भी ग्राक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति हारा, अधीहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण —इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक फीहोल्ड प्लाट की भूमि जिसका क्षेत्रफल 400 वर्ग
गज है और जिसका न० एम०-155 है, तथा जोकि निवासी कालोनी
ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली, बाहापुर गांव, शिल्ली कोर यूनियन
टैरीटरी में निम्न प्रकार से स्थित है—

पूर्व—सर्विस लेन

पश्चिम—रोड,

उत्तर—प्लाट न० एम०-153

दक्षिण—प्लाट न० एम०-157

च० वि० गुप्ते,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख 13 फरवरी 1976

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी०एन०एस०—

श्रावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, दिल्ली-1

4/14 ए, आसफ़ज़ली मार्ग, नई दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 13 फरवरी 1976

निर्देश स० आई० ए० सी०/एक्य०/1/821/जन-1/(23)/
75-76—पत., मुझे, चं० वि० गुप्ते,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् ‘उक्त अधिनियम’ कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी स० डब्लू०-19 है तथा जो प्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली
में स्थित है (प्रौर इससे उगाबद्ध अनुसूची में पूर्ण स्पष्ट संरित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
4-6-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत,
उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक
के बायित्व में कमी बरने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, मेरे, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मेरे, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मै० डी० एल० एफ० युनाइटेड लिं०, 40-एफ०, कनाट
पलैम, नई दिल्ली।
(अन्तरक)

2 श्रीमती चरणजीत कौर बेदी, पत्नी श्री विवाह मित्र
बेदी, निवासी 15/14-ए०, तिलक नगर, नई दिल्ली-18
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्रधानित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करना है।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आश्रेष्टः—

(क) दग युचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
15 दिन की अवधि या तत्त्वांधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताधीरी
के पास लिखित में किया जा सके।

स्पष्टीकरण——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक फ्रीहोल्ड प्लाट की भूमि जिसका क्षेत्रफल 1005 वर्ग गज
है और नं० डब्लू०-19 है, तथा जोकि निवासी कालोनी प्रेटर कैलाश
II, नई दिल्ली, बाहापुर गांव, दिल्ली की यूनियन टैरीटरी में निम्न
प्रकार से स्थित है :—

पूर्व—प्लाट नं० डब्लू०-17

पश्चिम—प्लाट नं० डब्लू०-21

उत्तर—रोड़ी

दक्षिण—कालोनी सीमा।

चं० वि० गुप्ते,
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख . 13 फरवरी 1976
मोहर .

प्रस्तुप ग्राई० टी० एन० एस०---

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन रेंज 1, दिल्ली-1

4/14 ए, आसकली मार्ग, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 फरवरी 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी० /एक्यु०/1/857/जन-11/(30)/
75-76:—अतः, मुझे, चं० वि० गुप्ते,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा
गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० प्लाट न० 9 तथा 10 का 1/3 भाग एन० डी०
एस० सी० पार्ट-I, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावड्ह
अमूसूबी में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 25 जून, 1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए क्षय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से कुई किसी आय की नावत, 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के
अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने
में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या 'उक्त अधिनियम', या क्षम-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः यद्य 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री रामाधर, सुपुत्र श्री गयाद्वीन प्रसाद, रामाधर एण्ड
क० का हिस्सेदार, 35, हतुमान गोड, नई दिल्ली। (अन्तरक)
2. श्री राजीन्द्र सिंह, सुपुत्र श्री सूरजमल, निवासी बहादुरगढ़;
(हरयाणा) (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति तरा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथा-
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अमूसूबी

प्लाट न० 9 तथा 1० का 1/3 हिस्सा जिसका क्षेत्रफल 67 1/2
है, और जोकि एन० डी० एस० सी० पार्ट-I, नई दिल्ली, को-आप-
रेटिंग, कालोनी में निम्न प्रकार से स्थित है —

पूर्व—प्लाट न० 8 पर मकान,
पश्चिम—प्लाट न० 11 पर मकान
उत्तर—सर्विस लेन, 15' चौड़ी
दक्षिण —रिंग रोड।

चं० वि० गुप्त,
सक्रम प्राधिकारी,
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जेन रेंज 1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 12 फरवरी, 1976

मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, दिल्ली-1
4/14-ए, आसफ अली रोड, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 फरवरी 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/11/2153/1073/
75-76---यतः, मझे, एस० एन० एल० अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और
जिसकी सं० फ्लैट नं० 9 है, जो मुन्सिपल मार्किट, रमेश नगर,
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाधान अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
जून, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री सुभाष चन्द्र सेठ, सुपुत्र श्री देवकी नन्दन सेठ, निवासीं
8901, नया मोहला पुल बंगला, दिल्ली । (अन्तरक)

2. श्रीमती सत्तोष बाल बग्गा, पत्नी श्री सुदेश कुमार बग्गा,
निवासी 17/4, वैस्ट पटेन नगर, नई दिल्ली । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्य वाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आधेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवढ़
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

फ्लैट नं० 9, जिसका क्षेत्रफल 865.12 वर्ग फूट है और जोकि
मुन्सिपल मार्किट, रमेश नगर, नई दिल्ली में स्थित है ।

एस० एन० एल० अग्रवाल
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 12 फरवरी 1976

मोहर :

प्र० रुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली-1

4/14 ए, आसफ अली रोड, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 फरवरी 1976

निवेश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/11/2123/1074/
75-76:—यतः, मुझे, एस० एन० एल० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जि.से इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),

की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि रथादृ रवृद्धि जिवा। उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० फ्लैट नं० 19 को पहली मंजिल है, जो लहना सिह मार्किट, सज्जी मण्डी, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनु-सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रेकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जून, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह ग्रामीण अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिहे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रहणिः—

1. (1) श्री जगत राम, (2) ओम प्रकाश (3) मोती लाल, मुपुत्र श्री गिरधारी लाल, निवासी फ्लैट नं० 19, लहना सिह मार्किट, सज्जी मण्डी, दिल्ली-1 इनके जरनल अटारनी श्री दिलबाग राय बोहरा के द्वारा, मुपुत्र श्री एल० भगत राम बोहरा, निवासी 19, लहना सिह मार्किट, सज्जी मण्डी, दिल्ली। (अन्तरक)

2. श्रीमती सन्तोष बोहरा, पत्नी श्री दिलबाग सिह बोहरा, निवासी फ्लैट नं० 19, लहना सिह मार्किट, सज्जी मण्डी, दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

अनुसूची

फ्लैट नं० 19 की पहली मंजिल जोकि 116 वर्ग गज क्षेत्रफल के प्लांट पर बना हुआ है, जोकि लहना सिह मार्किट, सज्जी मण्डी, दिल्ली में है। यह फ्लैट निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व—फ्लैट नं० 18

पश्चिम—फ्लैट नं० 20

उत्तर—रास्ता

दक्षिण—मार्किट का खुला मैदान।

एस० एन० एल० अग्रवाल,
सभन प्राधिकारी

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 12 फरवरी 1976

मोहर :

प्रस्तुत आई० ई० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली-1

4/14 ए, आसफ शरी रोड, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 फरवरी 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एम्य०/11/2107/1075/

75-76:—यसः, मुझे, एस० एन० एल० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० एफ०-25, है, जो राजीरी गार्डन, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीवर्ती अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून, 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के

उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ 'की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती लाजवत्ती, विद्वा पत्नी श्री भगवान दास, निवासी ए०-5/55, मोती नगर, नई दिल्ली। अपने लिए, माताजी के लिए तथा अपने सुपुत्र के लिए प्राकृतिक संरक्षक (1) जगमोहन (2) सुरीन्द्र मोहन (3) श्रीमती प्रोमिला, निवासी (4) चन्द्र मोहन (5) विनिंद्र मोहन (6) सुशील मोहन। (अन्तरक)

2. श्रीमती हरबंस कौर सूरी, पत्नी एस० अर्जन सिंह सूरी, निवासी ए०/2-59, राजीरी गार्डन, नई दिल्ली-27। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप.—

*

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पार्टीकरण:—हस्ते प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फीहोल्ड प्लाट जिसका क्षेत्रफल 262 वर्ग गज है और नं० 25, बलाक नं० "एफ०" है, राजीरी गार्डन कालोनी, नई दिल्ली, बसाए धारापुर गांव के क्षेत्र, दिल्ली में स्थित है। यह प्लाट निम्न प्रकार से स्थित है।

पूर्व—प्लाट नं० एफ०-38 पर मकान

पश्चिम—प्लाट नं० एफ०-39 पर मकान

उत्तर—रोड़

दक्षिण—प्लाट नं० एफ०-65 पर मकान।

एस० एन० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 12 फरवरी 1976

मोहर :

प्रख्युप श्राई० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

वार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, दिल्ली-1

4/14 ए, आसफ शर्ली रोड़, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 फरवरी 1976

निदेश सं० श्राई० ए० सी०/एव्य०/11/2132/1076/
75-76:—यतः, मुझे, एस० एन० एल० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु० से अधिक है और जिसकी सं० 17/2581 है, जो गली मन्दिर वाली, रन्जीत नगर, शादीपुर, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनूसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जून, 1975 को,

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देते के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री अमरभी, सुपुत्र श्री मोतीबाई, निवासी 17/2581, रन्जीत नगर, शादीपुर, दिल्ली-8 (अन्तरक)

2. श्रीमती अनीता देवी, पत्नी श्री पारम राम, निवासी 2373/1ए, शादी खामपुर, नई दिल्ली-8 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से, किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभ्रषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मकान जोकि प्लाट की भूमि पर जिसका क्षेत्रफल 100 वर्ग गज है, और नं० 17/2581 है, गली मन्दिर वाली, रन्जीत नगर, शादीपुर, दिल्ली में स्थित है। यह मकान निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व—अन्य जायदाद,
पश्चिम—आर्य समाज मन्दिर
उत्तर—रास्ता
दक्षिण—अन्य जायदाद।

एस० एन० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 12 फरवरी 1976

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०————

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रीजन रेज-2, दिल्ली-1

4/14 ए, आसफगढ़ी रोड, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 फरवरी 1976

निर्देश मं० आई० ए० सी०/पक्ष्य०/11/359/1077/75-76:—
यतः, मुझे, एस० एन० एल० अग्रवाल,
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है
और जिसकी स० ए०-१३ है, जो आजाद नगर, शाहदरा, दिल्ली
में स्थित है (अग्र इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
जून, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
के पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत
'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के
अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे
बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11), या 'उक्त अधिनियम',
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपषारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

9—486GI/75

1. श्रीमती बिल्ली, विधवा पत्नी श्री पदम सौन, निवासी
ई०-१५/१०, कृष्ण नगर, दिल्ली-५१, स्वयं के लिए तथा अपने सुपुत्र
नाथा गपुत्री (नावालिंग) (1) कुमारी पूराम (2) कुमारी गिशानो
(3) और शान्तनु दत्त (4) श्री मनोज कुमार।
(ग्रन्तरक)

2. श्री राम अवतार (2) श्री अणवनी कुमार, सुपुत्र श्री
गोरी लाल निवासी ४६/३-वी०/२, ईम्ट आजाद नगर, दिल्ली-५१।
(ग्रन्तरिंगी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रीजन के
लिए कार्यान्वयी करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के श्रीजन के सम्बन्ध में कोई भी आश्रेष्ट :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
भास्त्र होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक जमीन का टुकड़ा जिसका 'क्षेत्रफल 200 वर्ग गज है और
प्लाट नं० १३ है, खसरा नं० १९७४/२८७/१, ब्लाक नं० 'ए०'
है, और जोकि गोदली गांव, आजाद नगर की आबादी, शाहदरा,
दिल्ली में है। यह प्लाट निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व—गली,

पश्चिम—रोड़

उत्तर—प्लाट नं० ११

दक्षिण—प्लाट नं० १५

एस० एन० एल० अग्रवाल,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रीजन रेज-2, दिल्ली-१

तारीख : 12 फरवरी, 1976।

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रोज़-2, दिल्ली-1

4/14 ए, आसफाबाली रोड, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 फरवरी 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/11/2159/1078/
75-76:—यतः, मुझे, एस० एन० एल० अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 39/14 है, जो रामेश नगर, दिल्ली में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून, 1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई
है और पुष्ट यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-
पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रति-
फल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत,
'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी स्वन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ग
के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा
269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित
व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री सोहन लाल, सुपुत्र श्री राम प्यारा, निवासी 39/14,
रामेश नगर, नई दिल्ली।
(अन्तरक)

2. श्रीमती सन्तोष कुमारी, पत्नी श्री मत पाल दुबल, निवासी
एफ०-509, दग्गुबाहा, नई दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्बद्द किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में व्या-
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो
उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक प्लाट 116 वर्ग गज है और नं० 39/14 है, रामेश
नगर, नई दिल्ली में है। यह प्लाट निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व—प्लाट नं० 39/13

पश्चिम—प्लाट नं० 39/15

उत्तर—रोड

दक्षिण—सर्विस लैन।

एस० एन० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज़-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 13 फरवरी 1976

मोहर :

प्रूप आईटी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-2, दिल्ली-1
4/14 ए, आसफगढ़ी रोड, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 13 फरवरी 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/11/2116/1079/
75-76:—यतः, मुझे, एन०एल० अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' बहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है।

और जिसकी सं० डी०-49 है, जो बाली नगर, नई दिल्ली में स्थित
है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून, 1975 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि वथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
सायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ऋब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री राम लाल, सुपुत्र श्री साहिब राम, निवासी 2/51 ए०,
मोती नगर, नई दिल्ली। (अन्तरक)
2. श्री राजीन्द्र सिंह, सुपुत्र एस० लाभ सिंह, निवासी डी०-
27, कीर्ति नगर, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—दसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक मकान जोकि 126 वर्ग गज क्षेत्रफल के प्लाट पर बना हुआ
है, जिसका नं० डी०-49 है, बाली नगर, नई दिल्ली में है। यह प्लाट
निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व—प्लाट नं० डी०-50
पश्चिम—प्लाट नं० डी०-48
उत्तर—रोड 30'
दक्षिण—लेन 15'

एस० एन० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 13 फरवरी 1976

मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एस०————
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज II दिल्ली-1

4/14 क, आसफगढ़ी मार्ग, नई दिल्ली।

नई दिल्ली, दिनांक 13 फरवरी, 1976

निर्देश स० आई० ए० सी०/एक्यु०/II/2084/1080/
75-76--अतः, मुझे, एस० एन० एल० अग्रबाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सभाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी स० ई०-10 का 1/4 भाग है तथा जो बाली नगर, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जन, 1975।

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाथा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में मैं, उक्त अधिनियम, वी धारा 269-घ की उपषारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्,—

1 श्रीमती सामुरती देवी, पत्नी श्री राजिन्द्र कुमार (2)
श्रीमती घोगरी, पत्नी श्री रामा नन्द चौधरी, निवासी बसाए दारापुर
गाव, दिल्ली। (अन्तरक)

2 श्री गियान चन्द, सुपुत्र श्री सत लाल, निवासी ए०-106,
शारदापुरी, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सब्दी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

रपब्लीकरण —इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम,' के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक प्लाट का 1/4 अविभाजित भाग जिसका क्षेत्रफल 312 वर्ग गज है, और न० ई०-10, बाली नगर, गाव बसाए दारापुर, दिल्ली में है। यह प्लाट निम्न प्रकार से स्थित है —

पूर्व —प्लाट न० 11

पश्चिम—प्लाट न० 9

उत्तर—गोड तथा पार्क,

दक्षिण—गली 15'

एस० एन० एल० अग्रबाल,
सशम प्राधिकारी,
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख 13 फरवरी 1976।

मोहर:

प्र० ग्र० आई० टी० एन० एस०————

ग्राम्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेज II, दिल्ली-1

4/14 ए, आसफाबाली भार्ग, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 फरवरी, 1976

निदश स० आई० ए० सी०/एक्य०/II/1081/360/75-
76.—यतः, मुझे, एस० एन० एल० अग्रवाल,

ग्राम्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 25-6/सी० है तथा जो ईस्ट आजाद नगर, शाहदरा,
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावड़ अनूसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख जून, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के सिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको)
और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वार्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रन्त: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री जीवन पुरी, पत्नी श्री देवी दयाल पुरी, निवासी बी०-
बैंक पटियाला। श्री गोपाल कृष्ण के द्वारा, सुपुत्र श्री देवी दयाल
पुरी, निवासी बी०-बैंक, पटियाला (जनरल पावर आफ अटारनी)
(अन्तरक)

2. श्री बाबू दया किशन, सुपुत्र श्री रामजी दास, निवासी
109/7, तिलक बजार, खारी बावली, दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितवड़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण ——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

एक मजिला मकान जोकि 210 वर्ग गज क्षेत्रफल के प्लाट पर
बना हुआ है, जिसका खमरा नं० 734/152-153 है, और नं०
25/6-सी० है, ईस्ट आजाद नगर, शाहदरा, दिल्ली में स्थित है।

एस० एन० एल० अग्रवाल,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 13 फरवरी 1976

मोहर।

प्रस्तुप० आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II दिल्ली-1
4/14 क, आसफाबद्दली मार्ग, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनाक 13 फरवरी, 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी० प्र०य०/II/2179/1082/
75-76:—अतः, मुझे, एन० एन० एल० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 4/82 है तथा जो रामेश नगर, नई दिल्ली में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख जून, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के
लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय के बावजूद उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया आना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अनुसूची

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, भै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री मोहिन्द्र लाल, सुपुत्र श्री बालमुकन्द, निवासी 4/82,
रामेश नगर, दिल्ली। इनके जरनल पावर आफ अटारनी श्री अमर^१
सिंह के द्वारा, सुपुत्र श्री, परमुमन सिंह निवासी, 4/82, रामेश्वर
नगर, नई दिल्ली।
(अन्तरक)

2 श्रीमती जीत कौर, पत्नी श्री अमर सिंह, निवासी 4/82
रामेश नगर, नई दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर
मूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभ्राप्ति हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

एक प्लाट जिसका क्षेत्रफल 100 वर्ग गज है, और नं० 4/82
है, रामेश नगर, दिल्ली में स्थित है।

एस० एन० एल० अग्रवाल,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 13 फरवरी, 1976

मोहर :

प्रस्तुप्राई० टी० एन० एस०---

(1) श्री ग्राम० दामोदरन

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

(2) श्री ग्राम० किष्णन

(अन्तरिती)

भारत गवर्नर

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज II मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 फरवरी, 1976

निवेदन सं० एफ० 2550/75-76—यतः मुझे, जी० वी०
शाबक,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है) की धारा 269-व
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-०
से अधिक है

और जिसकी सं० डोर सं० 16/110 से 112 तक और
डोर सं० 17/113 से 116 तक है तथा जो नावाब हक्म
रोड और इसमैल राऊतर स्ट्रीट ने दिया है (और इसमें उपावड
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, जे० एस० ग्राम० 1, कोयम्बत्तूर ('डाकु-मेण्ट'
2578/८५) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख 26-6-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उसमें बदलने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः श्रब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-व की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी अविक्षियों
पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त अविक्षियों में से किसी अविक्षियां द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति
में हितबद्ध किसी अन्य अविक्षियां द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित गंभीर जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो 'उक्त
अधिनियम' के अध्याय 20-क में परि-
भाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कोयम्बत्तूर टाउन, नवाब हक्म रोड और इस्मायिल
गाऊतर स्ट्रीट डोर सं० 16/110 से 112 तक, डोर सं०
17/113 में 116 तक (भूमि और मकान) जिसका टी०
एस० सं० 618, 619 वार्ड० स०२ ।

जी० वी० शाबक,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज II मद्रास

तारीख : 6-2-1976

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री के० एस० बैद्यनातन

(अन्तरक)

आधिकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) प्रिमियर मिल्स (मि० वि० इ०) निमिटेड
(अन्तरिती)

भारत सरकार

वार्षिक सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज II, गद्वारा

मद्रास, दिनांक 7 फरवरी 1976

निवेदण सं० एफ० 2558/75-76—यतः मुझ, जी० वी०
ज्ञानक, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० टी० एस० सं० 10/1776/1 है तथा जो
रामनातपुरम, कोयम्बतूर (23½ सेण्ट) में स्थित है
(और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्न अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर०
I, कोयम्बतूर ('डाकुसेण्ट' 2215/75) में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
4-6-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए

अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया
है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के साधित्य
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को
जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या 'उक्त अधिनियम' या छन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रन्तः श्रब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रन्तातः—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में मे किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

कोयम्बतूर टाऊन, रामनातपुरम में 23½ सेण्ट
जिसका टी० एस० सं० 10/1776/1।

जी० वी० ज्ञानक,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज II, मद्रास

तारीख : 6-2-1976

मोहर :

प्रारूप आई०टी०एन०एस०

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 फरवरी 1976

निदेश सं० एफ० 2558/75-76- यत् मुझे, जी० वी० ब्लाक,

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43), (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० टी० एस० स० 10/1776/1 है तथा जो रामनातपुरम, कोयम्बतूर (23-1/2 सेण्ट) में स्थित है (और इससे उपाबंध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर० I, कोयम्बतूर ('डाकुमेण्ट' 2216/75) म, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 4-6-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रन्त: अब 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ग के अनुसरण में, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

10—486GI/75

- (1) 1. के० एस० रामनातन ;
- 2. के० आर० सुरेशनियन ;
- 3. आर० रामसूर्त ;
- 4. के० एस० चन्द्रसेकरन ;
- 5. के० एस० रामरत्नम (मैनर) (अन्तरक)

- (2) प्रिमियर मिल्स (सि० वि० इ०) लिमिटेड
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्वारा कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षित द्वारा, अधीक्षित द्वारा के भीतर समाप्त होने के लिये किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

कोयम्बतूर टाऊन, रामनातपुरम में 23-1/2 सेण्ट की भूमि जिसका टी० एस० स० 10/1776/1।

जी० वी० ब्लाक
सक्षम प्राधिकारी
सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज II मद्रास

तारीख : 6-2-1976

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 9 फरवरी 1976

निदेश सं. IX/1/46/75-76—यतः मुझे, जी०
रामनाथन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं. 44 है, जो पारीश बेंकटाजल अथर स्ट्रीट,
मद्रास में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
मद्रास (पत्र सं. 4915/75) में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून,
1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य
से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत
विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में, वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम,' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
और / या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या 'उक्त अधिनियम,' या घन कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण
में, भौं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा

(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री एस० ए० एम० शमसुदीन एस० ए० एन० फरुख
और एस० ए० एम० जमालदीन (अन्तरक)

(2) श्री बी० पी० मुत्तुकुमारसामि और आदि, 10,
कस्तुरी रंग अयंगार रोड, मद्रास-18। (अन्तरिती)

(3) सर्वश्री 1. बी० स्वामनियम और ए० आर० एस०
सतुरामन 2. एच० एम० [नियामुदीन, 3. हन्दीया
टेक्स्टेलस 4. मद्रास गिलास और फैक्ट्री डेपो, 5.
एस० जानी पाशा 6. एन० पी० साहुल हमीद, 7.
मुजावर और को। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
को यह सूचना जारी करके पूर्ववित सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों
पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति
में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
'उक्त अधिनियम,' के अध्याय 20-क में
परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो
उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास-1 पारीश बेंकटाजल अथर स्ट्रीट डोर सं. 44
(आर० एस० सं. 5529/2) में 1974 स्क्युर पीट की
भूमि (मकान के साथ)।

जी० रामनाथन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, मद्रास

तारीख : 9-2-1976

मोहर :

प्रह्लप आई० ई० एन० एस०——
 बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 धारा 269-प (1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रजन रेज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 9 फरवरी 1976
 निदेश सं IX/1/51/जून/75-76—यत्, मुझे, जी०
 रामनातन,
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के
 अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
 स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रु० से
 अधिक है।
 और जिसकी म० 73 है, जो नारायण मुदली स्ट्रीट मद्रास-1 में
 स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
 है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास (पत्र सं
 4188/75) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
 (1908 का 16) के अधीन, 9-6-1975
 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँझे यह विश्वास करने का
 कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
 दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से
 अधिक है और अस्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
 (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
 निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
 से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
 कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
 और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
 को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर
 अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
 अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
 जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
 में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के
 अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री टी० बी० बालस्वरमनिय, चट्टी, मद्रास-1
 (अन्तरक)
 (2) श्री बी० वेदाचलम, मद्रास-1 (अन्तरिती)
 (3) श्री पान्ड्या अ०ड को; मीरान स्टोरस, मनमल,
 बनसाली, रूपचन्द्र और रघुन
 (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
 कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास, नारायण मुदली स्ट्रीट डोर सं (पट्टा सं 10802) में 1890 स्क्युयर फीट की मूमि (मकान के साथ)।

जी० रामनातन
 सक्षम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 श्रजन रेज-1, मद्रास।

तारीख . 9-2-1976
 मोहर .

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 9 फरवरी 1976

निवेद सं० IX/1/55/(जून)/75-76—पत्र, मुझे,
जी० रामनातन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 3 है, जो राजरत्नम स्ट्रीट मद्रास-10
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित,
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास (पत्र सं०
4538/75) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, 21-6-1975 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का फन्दह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई आय की बाबत उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री एम० सेलवरामन और आदि, मद्रास-10
(अन्तरक)

(2) श्री ए० के० श्रीनीवासन 3, राजरत्नम स्ट्रीट,
मद्रास-10
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो
उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास-10, राजरत्नम स्ट्रीट डोर सं० 3(आर०
एस० 156) में 4 ग्राउन्ड्स और 322 स्क्युर फीट की
भूमि (मकान के साथ)।

जी० रामनातन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, मद्रास

तारीख : 9-2-1976

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, मद्रास

मद्रास, विनांक 9 फरवरी, 1976

निदेश सं० IX/4/14(जून)/75-76—पतः, मुझे, जी०
रामनाथन,
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा
गया है) की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० 4 है, जो पेस्माल मुदली स्ट्रीट मद्रास-1
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास
(पत्र सं० 500/75) म रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन 30-6-1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक
(अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के
लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कर्ता करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और /या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-व
के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की
उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्री पी० एस० सेरवर, मद्रास-1 (अन्तरक)
- (2) श्री रामलाल और लक्मीचन्द मद्रास-1
(अन्तरिती)
- (3) श्री रंका अन्ड को० के० बाबुलाल
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षित अधीक्षित के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

मद्रास-1 पेस्माल मुदली स्ट्रीट डोर सं० 4 में 666
स्क्युर फीट की भूमि और मकान (आर० एस० सं०
10684/2, 10684/3 आर० 10683/1)।

जी० रामनाथन,
सभस प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, मद्रास

तारीख: 9-2-1976

मोहर:

प्रूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 9 फरवरी 1976

निदेश सं० IX/4/15/75-76—पतः, मुझे, जी० रामनाथन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-घ के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 3 है, जो पेस्टमाल मुदली स्ट्रीट, मद्रास-1 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास (पत्र सं० 499/75) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 30-6-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या भन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या छनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) पी० एस० दुरै और आदि, मद्रास-10 (अन्तरक)

(2) कुन्टनमल और सीताराम, मद्रास-1 (अन्तरिती)

(3) श्री रंका अन्ड को बीर चन्द, कुन्टनमल वसराज रमेश ट्रेडर एस० कम्पनी पिल्लै अन्ड को०।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बद्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

उपलेख:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास-1 पेस्टमाल मुदली स्ट्रीट डोर सं० 3 में 666 स्कुधर फीट की भूमि और मकान (आर० एस० सं० 10683/2)।

जी० रामनाथन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, मद्रास

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं 'उक्त अधिनियम,' की धारा 269-घ की उपधारा

(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 9-2-1976

मोहर :

प्रकृष्ट आई० टी० एन० एस०————

(1) श्री रामकप्तन और श्राद्धि, नादूरसनकाटे
(अन्तरक)आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना(2) श्री चेल्लम, सुरक्षलम
(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 11 फरवरी, 1976

निवेश सं० IX/9/1 (जून)/75-76—यतः, मुझे,
जी० रामनातन,आयकर अधिनियम, 1961 (1961
का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम'
कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० एस० सं० 452, 454, 456, 458,
460, 465, 466, 467 और 468 है, जो विलयनोडे गावों
में स्थित हैं (और इससे उपावढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, माना-
मदुरै (पत्र सं० 764/75) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, जून, 1975 के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
को भीष्म ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, मिम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी छन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या 'उक्त अधिनियम' या छन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, या छिपाने में
सुविधा के लिए;को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सुरक्षलम, विलयनोडे गाव, एस० सं० 452, 454,
456, 460, 465, 466, 467 और 468 में
71.60 एकर की भूमि।जी० रामनातन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, मद्रासअतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 11-2-1976

मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 11 फरवरी 1976

निदेश स० X/4/74(जून)/75-76—यतः, मुझे,
जी० रामनाथन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् ‘उक्त अधिनियम’ कहा गया है) की धारा 269-ए के अधीन स्थावर प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है, कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी स० एस० स० 82/3ए०१ है, जो अलगापूरि गाव में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चिन्नमनूर (पत्र स० 2189/75) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 27-6-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से वर्णित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, ‘उक्त अधिनियम’ के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या ‘उक्त अधिनियम’ या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थी अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, ‘उक्त अधिनियम’ की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, ‘उक्त अधिनियम’ की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रन्थतः:—

(1) श्री एम० एस० राजू और आदि (अन्तरक)

(2) श्री बी० मोहन पन्नैपूरम (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंजन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंजन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अलगापूरि गाव मरवे स० 82/3ए०१ मे 5.20 एकर खेती की भूमि।

जी० रामनाथन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-I, मद्रास

तारीख : 11-2-1976
मोहर .

प्रलृप आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 11 फरवरी, 1976

निदेश सं० X/4/76 (जून)/75-76—यतः, मुझे,
जी० रामनातन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० एस० सं० 82/3ए० 1 है, जो अलगापूरि गांव
में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चिन्नमन्तूर
(पत्र सं० 2191/75) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, 27-6-1975 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की भावत 'उक्त अधिनियम',
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी भन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम,
1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम',
या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं
किया गया या या किया जाना चाहिए था,
छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब 'उक्त अधिनियम' की घारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की घारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

11—486GI/75

(1) श्री एम० पृ० राजू और आदि, रायपुरपट्टी
(अन्तरक)

(2) श्री पी० टी० वडीवेल गौडर पैशैपुरम
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति, द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अलगापूरी (ग्रामपट्टी) एस० सं० 82/3ए० 1 में 5.20
एकर खेती की भूमि।

जी० रामनातन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज I, मद्रास

तारीख : 11-2-1976

मोहर :

प्रलेप धाई० टी० एन० एस०—————

(1) श्री एम० एस० राजू और आदि (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ए (1) के प्रधीन सूचना

(2) श्री बी० विजय कुमार, पश्चिमपुरम (अन्तरित)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 11 फरवरी, 1976

निवेश सं० X/4/76 (जून)/75-76—यतः, मुझे,
जी० रामनातन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-ए के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसवा
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० एस० 82/3 ए० 1 है, जो अलगापूरी गांव
में स्थित है (और इससे उपावन्द अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चिन्नमनूर
(पत्र सं० 2190/75) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, 27-6-1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त

सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल के, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत के अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत 'उक्त
अधिनियम', के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों, को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या 'उक्त अधिनियम', या घमकर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ए
के अनुसरण में, मैं 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ए की
उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित अवक्तियों अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितीय किसी
प्रान्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

अलगापूरी गांव एस० सं० 82/3 ए० 1 मै 5.20
एकर खेती की भूमि।

जी० रामनातन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, मद्रास

तारीख : 11-2-1975

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०————

(1) श्री एन० रामानुजम दिन्हुक्कल

(अन्तरक)

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-I, मद्रास
मद्रास, दिनांक 12 फरवरी, 1976

निवेश सं० VI/1/106 (जून)/75-76—यतः, मुझे,
जी० रामनातन,
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० टी० एस० सं० 356/1 बी० है, जो दिन्हुक्कल
में स्थित है (और इससे उपायद्वा अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
दिन्हुक्कल (पन्न सं० 471/75) में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 13-6-
1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के
लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के प्रन्तरक के वायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपषारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

(2) श्रीमती बी० बीमला, दिन्हुक्कल (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20 के
यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दिन्हुक्कल वार्ड 2 टी० एस० सं० 365/1 बी० में
5600 स्कुयर फीट की भूमि (मकान के साथ)।

जी० रामनातन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-I, मद्रास

तारीख : 12-2-1976

मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-I, मद्रास

मद्रास, विनाक 12 फरवरी, 1976

निवेश स० IX/6/12(जून)/75-76—यत., मुझे,
जी० रामनातन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी स० आर० एस० स० 455/2 है, जो पूनमल्ली
है रोड मद्रास मे स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
मे और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, मद्रास (पत्र स० 613/73) मे रजिस्ट्री-
करना अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
जून, 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए रजिस्ट्रीकूत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे
वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको)
और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के
लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृद्दि किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व मे कमी
करने या उससे बचने मे सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियो
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम'
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मे
सुविधा के लिए;

अन: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे,
मे 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन
निम्नलिखित व्यक्तियो, अर्थात् :—

(1) श्रीमती (1) पी० टी० कलयानी अम्मा, अक्करा
पोस्ट, श्रीमती पी० टी० श्री देवी अम्मा के द्वारा 1 और पी०
टी० श्रीमती श्रीदेवी अम्मा
(अन्तरक)

(2) सी० अब्दल रहमान और को० मदरास-3
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियो करता हू।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध मे कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद मे समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों मे से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित मे किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण .—इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम' के अध्याय 20-क मे
परिभ्राष्ट हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय मे दिया गया है।

अमृत्सूची

मद्रास, पूनमल्ली है रोड, आर० एस० स० 455/2
(भाग) मे 2 ग्रन्ड और 1725 स्क्युयर फीट की भूमि।

जी० रामनातन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-I, मद्रास

तारीख . 12-2-1976
मोहर .

प्रूप शाई० टी० एन० इस०—————

(1) श्रीमती मल्लीकाम्बाळ, मध्यरास-4 (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री जे० राजेश मदरै-2 (अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 फरवरी, 1975

निदेश स० X/12/74(जून)/75-76—यतः मुझे,
जी० रामनातन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
और जिसकी स० प्लाट सं० 2, टी० एस० 2782 है, जो
चोकीकुलम मदरै में स्थित है (और इससे उपावढ़ अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
तल्लाकुलम (पत्र स० 1910/75) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जून,
1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दूरी किसी आय की बाबत 'उक्त
अधिनियम,' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,' या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

यतः प्रब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में;
मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अवित्तियों, अर्जातः:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जम के
लिए कार्यकारी होता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जम के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
'उक्त - अधिनियम,' के प्रधाय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
प्रधाय में दिया गया है।

मुमुक्षु

मदरै, चोकीकुलम, वार्ड 6, टी० एस० 2782 मे
16-1/4 सेन्ट की खाली भूमि।

जी० रामनातन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-I, मद्रास

तारीख : 12-2-1976

मोहर :

प्रखण्ड आई० टी० एन० एस०

(1) श्रीमती मल्लीकाम्बाल मैसापूट मद्रास-4।
(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 फरवरी 1976

निवेद सं० X/12/80(जून)/75-76—यतः, मुझे,
जी० रामानाथन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० प्लाट सं० 2, टी० एस० 2782 है, जो
चोक्कीकुलम मदरै में स्थित है (इससे उपावड़ में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्टीर्ड अधिकारी के कार्यालय,
तल्लाकुलम (पत्र सं० 1943/75) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 21-6-75 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी ब्रन या अन्य आस्तियों
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या ब्रन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ब के
अनुसरण में, मैं 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ब की
उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(2) श्रीमती गीता जगदीसन मदरै-2।
(प्रत्तिरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यान्वयिता करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किये जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मदरै, चोक्कीकुलम, वार्ड 6, टी० एस० 2782 प्लाट
सं० 2 में 16 सेन्ट्स की खाली भूमि।

जी० रामानाथन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख : 12-2-76

मोहर :

प्र० र० प्र० श्री ई० टी० एन० एस० -----

(1) श्री कुलनं साम्बान, और आदि ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 फरवरी 1976

निदेश सं० XVII/6/100(जून)/75-76—यतः, मझे
जी० रामनाथन

1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिस की सं० आर० एस० सं० 73/2 है, जो नारेकिनर गंव
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नामगिरिपट्टै में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
16-6-1975 को पूर्वोक्त

सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृष्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और

" ",

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

प्रतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपस्थाता
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजन के
लिए कार्यवाहिया शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबध में कोई भी अधिक्षेप --

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में
45 दिन की अवधि या ताम्बन्धी व्यक्तिया पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, ने अध्याय 20-ए में यथा-
परिभासित है, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सेलम जिल्ला, नारेकिनर गाँव रिवेस्ट सर्वे सं० 73/2
में 6. 16 एकर खेती की भूमि में आधा भाग।

जी० रामनाथन,
सभी प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, मद्रास

तारीख : 12-2-1976
मोहर :

प्रत्येक वार्षिक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 फरवरी 1976

निवेद्य सं. XVI/6/101 (जून)/75-76—पत्र: मुझे,
जी० रामानाथन,

1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें उसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व(1) के प्रधीन सभी प्राधिकारी को, यह विषयाप करने का कारण है कि स्वादर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० आर० एस० सं० 73/2 है, जो नारेकिनर गांव सेलम जिला में स्थित है (और इससे उपावड़ ग्रन्तुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नामगिरिपट्ट (पत्र सं० 651/7) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) अधीन, 16-6-1975 को पूर्वोक्त

• सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और उसे यह विषयाप करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(५) अन्तरण से हुई किसी आय की सालक उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कठीन या उससे बचने में सुविधा के लिए; और

(६) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य प्राप्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

प्रत: ग्रन्त उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व(1) के प्रमुख सरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व(1) की उपकारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों परायत

(1) श्री कुलसम साम्बान और आदि।

(अन्तरक)

(2) श्री चिन्नसामि नायुहु नारेकिनर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबध में बोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की प्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभावित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सेलम जिला नारेकिनर गांव आर० एस० सं० 73/2 में 6 16 एकड़ छोरी की भूमि में आधा भाग।

जी० रामानाथन
सभी प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख : 12 फरवरी 1976

मोहर :

प्र० श्राविंदी० प० एन० एस०

(1) अप्पर ट्रस्ट 19, चेलमान स्ट्रीट, मद्रास, 29।
(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1 मद्रास

मद्रास, दिनांक 13 फरवरी 1976

निदेश स० IX/6/17(जून)/75-76--यत्, मुझे जी०
रामानाथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिमकी म० आर० एस० म० 231 है, जो पूनगल्ली है रोड,
गढ़ाम में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास (एन०
639/75) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन 1 जून 1975 को
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निखित म वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधि-
नियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और / या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः श्रब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

12-486GI/75

(2) श्री एस० तिरुनारुकरम० 42, वेल्लाल स्ट्रीट, मद्रास-
29।
(अन्तरिती)

(3) श्री पार० वी० भाव० नारेमग्रन०
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन का
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मंबंध में कोई भी श्राद्धेषः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास, पूनगल्ली है रोड आर० एस० 231 में एक ग्राउन्ड
और 1434 स्क्युयर फौट की भूमि।

जी० रामानाथन
मक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1 मद्रास

दिनांक : 13 फरवरी 1976

मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस०———

(1) अपर इस्ट मद्रास-29।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री एम० तिल्लावुकरसु, मद्रास-29।

(अन्तर्गत)

जागत मण्डप

(3) श्री गार० बी० भाव जामेश्वरन।

(वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग गे गतिहासित हैं)

कायलिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1 मद्रास

गदाग, दिनांक 13 फ़रवरी, 1976

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के नियंत्रणवाहिया करता है।

निवेश सं० IX/6/18 (जून)/75-76—यतः, मुझे,
जी० रामानाथन,

आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० आर० एस० 231 है, जो नयी आवडी रोड मद्रास में स्थित है (और इसमें उत्तरद्वारा अनुमूल्यी में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कायलिय, मद्रास (पत्र सं० 640/75) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) जून, 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अनुसूची

मद्रास, नयी आवडी रोड आर० एस० सं० 231
में एक ग्राउन्ड और 1800 स्क्युयर फीट की भूमि।

जी० रामानाथन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1 मद्रास

अतः श्रव उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

तारीख : 13-2-1976

मोहर :

प्रैलप आई० टी० एन० एस०——

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनाक 5 फरवरी 1976

निर्देश स० आई० 1/118 7-C/जून, 75—ग्रत. मुझे
वी० आर० ग्रमिन

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961

का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने वा कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी स० सी० पृ० न० 1075 (अण), 1076 (अण), 1077 (अण) 1078 (अण) लोअर परेल डिवीजन है, जो फायल प्लाट न० 1091 न्यू प्रभादेवी रोड में स्थित है (और इससे उगाबद्ध अनुसूची में श्री पूर्ण स्पृष्टि से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 10 जून 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपस्थारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री दत्तात्रेय राजाराम बेलहाल (अन्तरक)

(2) श्री रामाराम आर० गेनरल (गणराजी)

(3) किरणदार
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के सबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण.—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बम्बई जिले के रजिस्ट्रेशन उपाजिले दादर में न्यू प्रभादेवी रोड पर स्थित एवं अवास्थित जमीन अथवा मैदान (ग्राउण्ड) का वह तमाम भाग जो कि माप में 3087 वर्गमीटर अथवा उसके समकक्ष है तथा जो 2580 43 वर्गमीटर अथवा उसके लगभग है (भू-खण्ड पर अब बनी हुई सरचनाओं को छोड़कर) उस पर वनी गृहाटिकाओं, आवासीय भवनों (टोनामेट्स ड्वेलिंग हाउस) फैक्टरी इमारतों सहित, जिसका टाउन प्लानिंग स्कीम-4, न्यू प्रभादेवी रोड, बम्बई की फाइल प्लाट स० 1091 है तथा जिन पर कल्यटर की पुरानी मख्याएँ 468 और 374 तथा नई सख्याएँ 1ए/2470 और 4118 तथा पुरानी मर्केशन स० 559 तथा 561 आर नई सबे सख्याएँ 1ए/1698 तथा 2/1698 अक्तिल हैं, और लाघर पर्सनल डिवीजन की केंज्रेट्रल मर्केशन सख्याएँ 1075 (अण) 1076 (अण), 1077 (अण), 1078 (अण) अंकित हैं, तथा जिसका निर्धारण म्युनिसिपल दर आर कर, (रेट्स एण्ट टैक्सेस) अस-सर और कलक्टर द्वारा 'जी' वार्ड मख्याएँ 2983 (1), 2983 (3) और 2983 (4) और स्ट्रोट सख्याएँ 1138, 109-109ए तथा 111-113 के अधीन किया गया है, वह इस प्रकार से घिरा हुआ है कि उत्तर में अथवा उत्तर की ओर 90 फुट चौड़ी सड़क है, दक्षिण में अथवा दक्षिण की ओर भेमन नूरमहमद हाजी सुलेमान की प्रामटी है, अणत. स्टैण्डिंग मिल्स लिमितेड की प्रापटी है, पूर्व में अथवा पूर्व की ओर उपरोक्त न्यू प्रभादेवी रोड और पश्चिम में अथवा पश्चिम की ओर जमीन का वह खण्ड है जो कि पहले विक्रेता और क्रेता (वेडर और पर्सनल) की थी और उसके बाद हरिश्चन्द्र धनजी की भूमि है।

वी० आर० ग्रमिन

मक्षम प्राधिकारी

महायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, बम्बई

तारीख . 5-2-1976

मोहर .

प्र० आई० टी० एस०—
प्र० आई० टी० एस०—

(1) श्री पी० पी० पी० वधवानो ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-I, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 फरवरी 1976

निर्देश सं० आई 1/1192-11/जून 75—अत. मुझे वी०
आर० अर्मिन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सी० टी० एस० नं० एफ० 1128 'ए' है, जो बाल्दा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में आंग पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 2 जून 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने से सुविधा के लिए;

अत. अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षात् :—

(2) श्री घनश्याम दास बालचन्द्र और अन्य ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मंबंध में ओई भी आक्षेप ---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बद्ध व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति गे हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, बड़ी अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बम्बई उपनगर जिले के रजिस्ट्रेशन जिले बाल्दा के साउथ सालसेट तालुका में टर्नर रोड पर स्थित अविभाज्य जमीन या मैदान और उसपर बनी इमारत सहित वह भाग जो कि मात्र में 51.18 वर्गमीटर (56 वर्गगज) है, तथा ब्लाक 'ए' के ग्राउण्ड फ्लोर की शोप सं० 17 और फ्लेट स० 31 है, उस समूचे भूमि के प्लाट की पुरानी सर्वे स० 235-ए हिस्सा न० 1 और सर्वे स० 235-ए और एन० ए० एस० न० 235/2 तथा सी० टी० एस० न० एफ० 1128 ए है।

वी० आर० अर्मिन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
गवर्नर रेज-I, नम्बर
दिनांक 5 फरवरी 1976
मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रंजन रेज-I, वम्बई

वम्बई, दिनाक 9 फरवरी, 1976

निर्देश स० आई०-1/1208-12/जून 75—अतः, मुझे,
बी० आर० अमिन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा
गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी स० सी० टी० एस० नं० पी० 1128-ए० है, जो
टनर रोड, वान्द्रा मे स्थित है (और इससे उपावद्ध ग्रन्तिसूची मे और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, वम्बई
मे भारतीय रजिस्ट्रीकर्ता अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, 28-6-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हूई किसी आय की वापत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व मे कभी करने या उससे बचने मे सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तित्वों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11), या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने मे सुविधा के लिये;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे,
मै उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

1. श्री धनश्याम दास बालचंद और अन्य। (अन्तरक)

2. श्रीमती हमीना एम० पारकर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मे कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद मे समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
मे से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास
लिखित मे किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क मे परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया गया है।

अनुसूची

वम्बई उपनगर जिले के रजिस्ट्रेशन जिले वान्द्रा के साऊथ
गालसेट तालुका मे टनर रोड पर स्थित अविभाज्य जमीन या मैदान
प्रीर उस पर बनी दमारतों सहित वह भाग जो कि माप मे 51. 18
वर्ग मीटर (56 वर्ग गज) है तथा ब्लाक 'ए' के प्राउंड फ्लोर की
माप स० 17 और फ्लेट स० 31 है। इस समूचे भूमि के प्लाट की
पुरानी सर्वे स० 235-ए०, हिस्सा स० 1 सी० एस० टी० स० 20 और
सर्वे स० 235-बी० हिस्सा स० 2, सी० एस० टी० स० है।

बी० आर० अमिन,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

ग्रंजन रेज-I, वम्बई

तारीख : 9 फरवरी, 1976

माहौर :

प्रूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रंजन रेज-I, वम्बई

वम्बई, दिनाक 13 फरवरी 1976

निर्देश स० आई०-1/1193-12/जून-75 —अतः, मुझे,
बी० आर० अमिन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
श्री जिसर्हा गं० री० एस० न० 217 मान्दार गोरांगांगा द्वा
र्थ छिन्हीजन है जो रिंग रोड, मे स्थित है (और इससे उपावद्ध
अनुसूची मे और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के

कार्यालय, बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908

(1908 का 16) के अधीन, 7-6-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार

मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और सुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्ननिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1 श्री प्रबीण कुमार रवीलाल ठक्कर। (अन्तरक)

2 श्रीमती कमलिनी चपक लाल मोदी और अन्य। (अन्तरिती)

3 किरणदार।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अषोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के गे परिभाषित हैं, अहों अर्थे होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची-1

बम्बई द्वीप, बम्बई रजिस्ट्रेशन उपजिले में रिज रोड के पश्चिम में अवस्थित लगभग 1336 वर्गमीट्रि 1117 02 वर्ग मीटर या उसके आसपास का पेशन और करमुक्त वह समूचा भू-भाग अथवा भूखण्ड या भूस्थल उसपर वनी गृहवाटिकाओं और रिहायशी मकानों समेत जो भू-राजस्व समाहर्ता की पुस्तकों में न्यू नं० 2711 न्यू मर्वे नं० 7186 (प्रश्न) दर्ज है और पालिका दर और कर समाहर्ता की पुस्तकों में 'डी०' वार्ड नं० 3196 (2) और 3196 (2-ए) और स्ट्रीट नं० 36 रिज रोड और नं० 1 विटर रोड के अधीन दर्ज है और जिसका मलबार और कबाला प्रभाग केंडस्टरल सर्वे नं० 247 है और जिसकी सीमाएँ इस प्रकार घिरी हुई हैं, अर्थात् पूर्व में या पूर्व दिशा की ओर रिज रोड से, पश्चिम में अथवा पश्चिम की ओर किशन लाल मगनलाल हण्डोविन्दिदास की सम्पत्ति में, उत्तर में अथवा उत्तर की ओर विटर रोड और दक्षिण में अथवा दक्षिण की ओर कबाली डूगरसी और जाधवजी डूगरसी की सम्पत्ति में जो अब गोरधनदास जाधवजी रूपरेल तथा अन्य से सम्बद्ध है।

अनुसूची-2

बम्बई नगर और रजिस्ट्रेशन उपजिले में रिज रोड स्थित एवं एवं अवस्थित पेशन और टेक्स टेन्योर (धारण मुक्त) का वह समूचा भूखण्ड अथवा भू-भाग जो क्षेत्रफल में 1005 वर्ग गज अर्थात् 840 28 वर्ग मीटर अथवा भू-भाग जो क्षेत्रफल में 1005 वर्ग गज अर्थात् 840 28 वर्ग मीटर अथवा उसके आसपास है, पर उसमें में 55 वर्ग गज अर्थात् 45 95 वर्गमीटर या उसके करीब मुजरा करके 950 वर्ग गज अर्थात् 784 29 वर्ग मीटर अथवा उसके करीब रह गया है, और जिसे समाहर्ता का नया नं० 2711 (प्रश्न) नया सर्वेक्षण सं० 7186 (प्रश्न) और मलबार तथा कबाला हिल प्रभाग का सीं० एम० नं० 247 (प्रश्न) दिया गया है—उम पर वनी गृहवाटिकाओं इमारत समत जिसकी 'डी०' वार्ड नं० 3196 (2) स्ट्रीट नं० 36 रिज रोड दिया है तथा जिसकी सीमाएँ इस प्रकार घिरी हुई हैं पूर्व में अथवा पूर्व की ओर रिज रोड से, पश्चिम में अथवा पश्चिम की ओर कान्ती रतीलाल टल्लर की सम्पत्ति और वहा बने 'आरती' नामक भवन से, उत्तर में या उत्तर की ओर टेक्स टेन्योर का वह समूचा भू-भाग और भूखण्ड।

वी० आर० अमिन,
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, बम्बई

तारीख 13 फरवरी, 1976
मोहर

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत गवर्नर

कार्यालय, गहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेज 1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 फरवरी 1976

निर्देश सं० आई०-1/1206-10/जून-75:—अतः, मुझे,
वी० आर० अमिन,

1961 (1961 का 43)

(जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० सी० एम० नं० 1219 लोअर परेल छिह्नीजन है, जो ओल्ड प्रभादेवी रोड में स्थित है (और इससे उपावद्र अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 28-6-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबस उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती रेना रोक्सरिमो। (अन्तरक)
2. वैभव आपार्टमेंट्स को० आ० हाऊसिंग सोमायटी लि०। (अन्तरिता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख गे 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख मे 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बम्बई रजिस्ट्रेशन के उप जिले एवं जिले में ओल्ड प्रभापवी रोड, दादर में वह समूचा भू-भाग अथवा भूखंड या पैतृक भू-स्थल एवं परिसर जिसका नगर नियोजन योजना बम्बई नगर सं० 4 (माहिम झेत्र) (फाइनल) का फाइनल प्लाट नं० 877 और लोअर परेल छिह्नीजन का केंडेस्ट्रूल सर्वे नं० 1219 है—उस पर बने परिगृह और 3 वाह्य गृहों समेत म्युनिसिपल 'जी' (उत्तरी) वार्ड नं० 2750-51, 2752 और 2752 (1ए) और स्ट्रीट नं० 215-216-27 वी०, 27 वी० ए० ओल्ड प्रभादेवी रोड और माप लगभग 2120 वर्ग गज यानि लगभग 1772. 595 वर्ग मीटर के समकक्ष है और जिसकी सीमाएँ इस प्रकार हैं, अर्थात् :—

उत्तर में था उत्तर की ओर : उक्त योजना के फाइनल प्लाट नं० 876 के परिसंपत्ति।

दक्षिण में या दक्षिण की ओर : उक्त योजना के फाइनल प्लाट नं० 878 की परिसंपत्ति।

पूर्व में या पूर्व की ओर : ₹ 40 फीट चौड़ी प्रस्ताविक सङ्क से।

पश्चिम में या पश्चिम की ओर : अंशतः ओल्ड प्रभादेवी रोड और अंशतः उक्त योजना के फाइनल प्लाट नं० 879।

वी० आर० अमिन
सक्षम प्राधिकारी,
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज 1, बम्बई

तारीख : 13-2-1976
मोहर .

प्रस्तुत आईटी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

गोपनीय मंत्रालय

कार्यालय, गोपनीय आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज 1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 फरवरी, 1976

निर्देश सं० आईटी०एन०एस०-1/1306-17/जून-75—अतः, मुझे,
बी० आर० अमिन,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उत्तर अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सकाम प्राधिकारी
को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और
और जिसकी सं० 280 हिस्सा नं० 3 सर्वे नं० 281, हिं० नं० 8,
सर्वे नं० 281, हिं० 10 है, जो बान्द्रा में स्थित है (और इसमें
उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, 6-6-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति

के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रति-
फल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के धायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उत्तर अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—1. सेन्ट विन्सेन्ट डि पाल्स को० आप० हा० सौ० लिमि०,
गार्डन हाउस नं० 2, 1 रोड, खार बम्बई-52। (अन्तरक)2. ग्लैक्सो स्टाफ को० आप० हा० सौ० लिमि० बरली,
बम्बई-25। (अन्तरिती)

3. श्री राम चन्द्र जाधव

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की नामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पारा निश्चिन्ता
में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभासित
हैं, वही अर्थ होगा, तो उस अध्याय में दिया
गया है।

अमुसूची

बहुत बम्बई में बम्बई उपनगर के जिला बान्द्रा के रजिस्ट्रेशन
उपजिले बान्द्रा में स्थित एवं अवस्थित कृषि भूमि का वह तमाम भाग
प्रथम खण्ड जो कि भाष में सी० टी० सर्वे रिकार्ड के अनुसार
13477.27 वर्ग गज (अर्थात् 11268.17 वर्ग मीटर) है
तथा जिसका सर्वे सं० 280 हिस्सा सं० 3, सर्वे सं० 281 हिस्सा
सं० 8, और सर्वे सं० 281 हिस्सा सं० 10 और सी० टी० सर्वे
संख्याएँ बी०/1038, बी०/1046 तथा बी०/1041 अंकित है तथा
जिसका निर्धारण म्युनिसिपल दर और कर के अमेसर और कलक्टर
में 'एच' वार्ड सं० 1130(1) तथा (1ए) स्ट्रीट संख्याएँ
27 डी० और 27 डी०ए० माऊंट मेरी रोड के अधीन किया है
तथा जो इस प्रकार से सीमाबद्ध है कि उत्तर में प्रथम उत्तर की ओर
और अंशतः सर्वे सं० 281 हिस्सा नं० 7 (पार्ट) है जो कि पहले
स्वर्गीय श्रीमती शिरीनबाई एन० जे० डेंडी की थी, अंशतः सर्वे
सं० 281 हिस्सा सं० 9 और हिस्सा नं० 7 (पार्ट) है जो कि पहले
जोन एडवर्ड डि'मेलो की थी, अंशतः सर्वे सं० 281 हिस्सा नं० 5
है, जो कि पहले अग्नेस फरीदा तथा अन्य से संबंधित है और अंशतः
सर्वे सं० 281 हिस्सा सं० 6 है जो कि उपर लिखित स्व० श्रीमती
शिरीनबाई एन० जे० डेंडी की थी, दक्षिण में प्रथम दक्षिण की
ओर अंशतः एन० १० नं० 195 है जो कि माऊंट मेरी चेपेल की है
और अंशतः सर्वे सं० 280 हिस्सा सं० 4 (पार्ट) है जो कि पहले
स्व० श्री ई० जे० रिवेलो की थी तथा अंशतः सर्वे सं० 280 हिस्सा
सं० 4 (पार्ट) जोकि पहले मार्किबाई और होरमसजी मीटी
की थी अंशतः सर्वे सं० 281 हिस्सा नं० 11 है जो कि पहले बेहराम
खोदाबद ईरानी की थी तथा अंशतः सेन्ट जोन वाप्टस्ट रोड है
और पश्चिम में प्रथम पश्चिम की ओर सर्वे सं० 280 हिस्सा सं०
2 है जो कि डा० सेसिल डिमोन्टे से संबंधित है।

बी० आर० अमिन,

सकाम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेज 1, बम्बई

तारीख . 13 फरवरी, 1976

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—
श्रावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक श्रावकर श्रावक (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-IV बम्बई
बम्बई, दिनांक 11 फरवरी, 1976

निर्देश सं० ए० आर० IV-ए० पी०/211/75-76:—
अतः, मुझे, श्री जी० ए० जेम्स,
श्रावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक और जिसकी सं० सर्वे शीट नं० 15, चालता नं०
16, सर्वेक्षण नं० 60, हिस्सा नं० 1 जो माप में 7617 वर्ग गज
(6371.6 वर्ग मीटर)। है जो, नर सोग गाव में स्थित
है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 17-6-75
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकर्ता विलेख के अनुसार अन्तरित की
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के शीत
ऐसे अन्तरण के लिए तथ याया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त
अधिनियम,' के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम,
1922 (1922 का 11) या 'उक्त
अधिनियम' या घनकर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

1. (1) श्रीपद शामराव मदन,
2. कुमारी कालीनदी शामराव मदन,
3. कुमारी प्रमोदिनी शामराव मदन,
4. कुमारी शालीनी शामराव मदन।
5. श्रीमती सरोज श्रावासीगर अजी (पूर्व कुमारी
सरोजिनी मदन)।
6. श्रीमती सुबोध नागराज (पूर्व कुमारी सुबोधिनी मदन)।

7. श्रीमती बीलासीनी मन्दाकुमार दादारकर (पूर्व कुमारी
बीलासीनी मदन)।

सभी, 101 'रीटा' बी०, हरसापार्क, चंदावरकरलेन, बोरीविली
(पश्चिम) बम्बई-400092।

2. अनंजुमन-आई-ईसलाम 92 डा० बादाभाई नवरोजी
रोड, बम्बई-400001।

1 और 2—श्रीवरानजी और प्रीयदरशीनी

(नाबालक लड़किया, श्रीपद शामराव मदनके, उनके पालक
श्रीपद शामराव, मदन और उनके पत्नी उमा)।

3. श्रीमती उमा मदन, श्रीपद शामराव मदन की पत्नी
सभी—101 'रीटा' बी०, हरसापार्क, चंदावरकर लेन, बोरीविली
(पश्चिम), बम्बई-400092।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में
अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितबद्ध है।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45
दिन की अवधि तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

बम्बई सबरबन, बम्बई सीटी और जिला और उपजिला में
रजिस्टर्ड और बरसोवा ग्राम में स्थित वह तमाम भूमि या जमीन का
टुकड़ा जो माप में लगभग 7617 वर्ग गज या 6371.6 वर्ग
मीटर के समकक्ष है, जिसका सर्वेशीट नं० 15, चलता नं० 16,
सर्वेक्षण नं० 60, हिस्सा नं० 1, सी० टी० सर्वेक्षण नं० 1114
है और जिसका निर्धारण बम्बई मुनसीपल कारपोरेशन के बांड नं०
7118 और अम्बोली रोड के स्ट्रीट नं० 60 के अधीन किया गया है,
और जो इस प्रकार से घिरा हुआ है, पूर्व की ओर पब्लिक रोड है
पश्चिम की ओर रास्ता है, उत्तर की ओर कासम जान अहमद का
हिस्सा है, और दक्षिण की ओर हाजी गुलाम हुसेन का हिस्सा है।

जी० ए० जेम्स,
सक्षम प्राधिकारी,

सहायक श्रावकर श्रावक (निरीक्षण),
तारीख : 11 फरवरी, 1976। अर्जन रेंज 4, बम्बई
मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 7 फरवरी, 1976

निर्देश स० गज/सहा० आ० अर्जन/309—यत्, मुझे,
मी० एस० जैन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह,
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी स० मुरब्बा न० 29, है तथा जो 15 बी० बी०, पदम-
पुर में स्थित है (और इससे उग्रबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पदमपुर में,
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 17 जन, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको)
और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/ या

(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियो
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरको द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने से सुविधा
के लिए,

अतः, अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियो, अर्थात् :—

1 श्री करम सिंह पुत्र श्री सुरेन। मह निवासी ग्राम 15 बी०
बी०, त० सील पदमपुर जिला श्री गगानगर। (अन्तरक)

2 श्री हरीचन्द्र पुत्र श्री दूनीचन्द्र अरोड़ा, निवासी चकमडी
पदमपुर जिला श्री गगानगर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सवधि व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अमृसूची

ग्राम 15 बी० बी०, तहसील पदमपुर में स्थित मुरब्बा न०
29 में से 6 1/4 बीचा मिन्चित क्षयि भूमि जो कि उप पजीयक,
पदमपुर द्वारा 17-८-1975 को पजीवद्ध विश्वय पत्र में और अधिक
विस्तृत रूप में विवरणित है।

मी० एस० जैन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जयपुर

तारीख 7 फरवरी, 1976
मोहर .

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 7 फरवरी, 1976

निर्देश स० राज०/महा० आ० अर्जन/310—यत्, मुझे,
सी० एस० जैन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
और जिसकी स० मुरब्बा न० 29 है तथा जो पदमपुर में स्थित है,
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, पदमपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 17 जून, 1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए,

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1 श्री करम सिंह पुत्र श्री सुरेन मिह निवासी ग्राम 15 वी०
बी०, तहसील पदमपुर जिला श्री गगानगर। (अन्तरक)

2 श्री रामदित्तामल पुत्र श्री दूनीचन्द्र अरोडा, निवासी
चकमडी पदमपुर जिला श्री गगानगर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

उपलब्धीकरण.—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ग्राम 15 वी० बी०, तहसील पदमपुर में स्थित मुरब्बा न० 29
में से 6 1/4 वीघा सिंचित कृषि भूमि जो कि उप पजीयक पदमपुर
द्वारा 17-6-75 को पजीबद्ध विक्रय पत्र में और अधिक विस्तृत
रूप से विवरणित है।

सी० एस० जैन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जयपुर

तारीख . 7 फरवरी, 1976
मोहर.

प्रृष्ठा आई० टी० एन० एस०---

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 7 फरवरी, 1976

निर्देश सं० राज०/सहा०/अर्जन/311:—यतः, मुझे, सी० एस० जैन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० मुरब्बा नं० 29 है तथा जो 15 बी० बी० पदमपुर में स्थित है (और इससे उपावद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पदमपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 17 जून, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(क्ष) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या अनन्तकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-व के अनुसरण में, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री करम सिंह पुत्र श्री सुरेन सिंह निवासी ग्राम 15 बी० बी०, तहसील पदमपुर, जिला श्री गंगानगर। (अन्तरक)

2. श्री बालकिशन पुत्र श्री हूनीचन्द अरोड़ा निवासी चकमड़ी पदमपुर, जिला श्री गंगानगर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तक्सांबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ग्राम 15 बी० बी०, तहसील पदमपुर में स्थित मुरब्बा नं० 29 में से 6 1/4 बीघा सिंचित कृषि भूमि जो कि उप पंजीयक पदमपुर द्वारा 17-6-1975 को पंजीबद्ध विक्रय-पत्र में और अधिक विस्तृत रूप से विवरणित है।

सी० एस० जैन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जयपुर

तारीख : 7 फरवरी, 1976

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना**

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 7 फरवरी, 1976

निर्देश मं० राज०/सहा० ग्रा० अर्जन/312:—अतः, मुझे,
सी० एस० जैन,

आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् ‘उक्त अधिनियम’ कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी स० मुरब्बा नं० 18 है तथा जो 15 बी० वी० पदमपुर, में स्थित है, (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय पदमपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 17 जून, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11), या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था; छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री करम सिंह पुत्र श्री सुरेन सिंह निवासी ग्राम 15 बी० बी०, तहसील पदमपुर जिला श्री गंगानगर। (अन्तरक)

2. श्री मुरारीलाल पुत्र श्री दूनीचन्द्र अरोड़ा निवासी चकमड़ी पदमपुर-जिला, श्री गंगानगर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंजन के लिये कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंजन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ग्राम 15 बी० बी०, तहसील पदमपुर में स्थित मुरब्बा न० 18 में से 5 बी०धा 8 बिस्ता सिंचित छुपि भूमि जो कि उप परिवार पदमपुर द्वारा 17 जून, 1975 को पंजीबद्ध विक्रय पत्र में और अधिक विस्तृत रूप में विवरणित है।

सी० एस० जैन,
सक्षम ग्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जयपुर

तारीख : 7 फरवरी, 1976

मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 7 फरवरी, 1976

निर्देश स० राज०/सहा० आयु अर्जन/313 —यत, मुझे,
सी एस० जैन,

आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम'
कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी स० मुरब्बा न० 18 है तथा जो 15 बी० बी०, पदमपुर
मे स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मे और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पदमपुर मे रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 17 जून,
1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति

के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व मे कमी करने या उससे बचने मे सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियो को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मे धुविधा के लिए,

श्रतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे,
मे उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)के अधीन
निम्नलिखित व्यक्तियो, अर्थात् —

1 श्री करम सिंह पुत्र श्री मुरेन मिह निवासी ग्राम 15 बी० बी० तहसील पदमपुर जिला श्री गगानगर। (अन्तरक)

2 श्री ओम प्रकाश पुत्र श्री दूनीकन्द अरोड़ा निवासी नक्कमी० पदमपुर जिला श्री गगानगर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मे कोई भी आक्षेप.—

(क) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मे समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियो मे से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मे किए जा सकें।

स्पष्टीकरण—इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क मे परिभाषित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया गया है।

अनुसूची

ग्राम 15 बी० बी० तहसील पदमपुर मे स्थित मुरब्बा न० 18 मे से 8 बोधा 10 बिम्बा सिंचित कृषि भूमि जो कि उप पंजियक, पदमपुर द्वारा 17-6-1975 को पंजीयक विक्रय पत्र मे और विस्तृत रूप से विवरणित है।

सी० एस० जैन,
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जयपुर

तारीख 7 फरवरी, 1976
मोहर।

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 7 फरवरी, 1976

निर्वेश स० राज०/सहा० आ० अर्जन/314—य०, मुझे,
सी० एस० जैन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी स० मुरब्बा न० 29 है तथा जो 15 बी०वी० पदमपुर,
में स्थित है (और इससे उपावढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पदमपुर में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 17 जून,
1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य
से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वाग प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः शब्द 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उप-
धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री कर्मसिंह पुत्र श्री सुरेन मिह निवासी ग्राम 15 बी०
बी० तहसील पदमपुर जिला श्री गगानगर। (अन्तर्क)

2. श्री हसराज पुत्र श्री दूनीचन्द्र अरोड़ा निवास चकमी
पदमपुर, जिला श्री गगानगर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्परवानी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

ग्राम 15 बी०वी० तहसील पदमपुर में स्थित मुरब्बा न० 29
में से 6 बीघा 5 विस्ता सिंचित झप्पि भूमि और आवासीय अहाता
जो कि उप पञ्चायत, पदमपुर द्वारा 17-6-1975 को पञ्चीवड़
विक्रय-पत्र में और विम्तृत रूप से विवरणित है।

सी० एस० जैन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जयपुर

तारीख 7-2-75
मोहर .

प्रलेप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज 60/61

एरडवना, कर्वे रोड, पूना-411004

पूना-411004, दिनांक 7 फरवरी, 1976

निर्देश स० सी० ए० 5/हवेली-I/जून 75/265/75-76.—
यतः, मुझे, एच० एस० औलख,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी स० सी० एस० क्र० 1940, सदाशिव पेठ, पूना-30
है तथा जो पूना में स्थित है (और इससे उपावन्द अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हवेली-I,
पूना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 12 जून, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य

से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम,
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती विमल ग्रन्थ मादुसवर धर क्र० 303, सदाशिव
पेठ, पूना-30। (अन्तरक)

2 (i) श्री रवीन्द्रकुमार चंद्रलाल शहा,
(ii) श्री रणजीत कुमार चंद्रलाल शहा,
468 (नया), सदाशिव पेठ, पूना-30। (प्रत्यक्षिती)

3 (i) श्री डी० ब० देशपांडे,
(ii) श्री मधुकर के० वलसभकर,
(iii) श्रीमती मधुराबाई लिहोने,
सी० एस० न० 1940, सदाशिव पेठ, पूना-30।

(वह व्यक्ति जिसके अधियोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।

उपलेक्षण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

हाउस प्राप्टरी, सी० ए० न० 1940, सदाशिव पेठ, पूना-30,
घेत्रफल-195 वर्ग मीटर्स,

1 ला० मजला—900 वर्ग फीट

2 ला० मजला—900 वर्ग फीट

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख क्र० 1463 जून 75 में
सब रजिस्ट्रार, हवेली-I, पूना के दफ्तर में लिखा है)।

एच० एस० औलख,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, पूना

तारीख 7-2-1976

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जेंज रेज, पूना

पूना-411004, शिनाक 13 फरवरी, 1976

निदश सं० सी० ए०/५/जून/हवेली-II/पूना/266/75-76:—
यत्, मुझे, एच० एस० औलख, आयकर अधिनियम

1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की
धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राप्तिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी
सं० सर्वे क्रमांक 37 हिस्सा क्रमांक 2 अ और 2 ब,
है तथा जो खाड़ी (पूना) मे॒ स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
हवेली-II (पूना), मे॒ रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख 21 जून, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निम्नलिखित मे॒ वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधि-
नियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व
में कमी करने या उससे बचने मे॒ सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम'
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मे॒
सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनु-
सरण मे॒, मे॒, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

14—486GI/75

1. श्री (1) मोहन राज देवराज चोपडा, 219, सोलापुर
बाजार, पुना (2) मे॒ व्ही० प्रकाश एड कं० उसके पाठ्नरस्
श्री मिठालाल बी० ओसवाल श्री बिनराज बी० ओसवाल श्रीमती
कलावती एस० ओसवाल, 501, व्ही० पी० स्ट्रीट, पुना (3)
श्री अनिल कुमार सोहनराज, ओसवाल अज्ञान, पालनकर्ता श्रीमती
कलावती (4) श्री नागराज डब्लू. राका 1182, रविवार पेठ
पुना-2, (5) श्री अबु बंकर इब्राहीम 546, व्ही० पी० स्ट्रीट,
पुना-1। (अन्तरक)

2. श्री मे॒ शिरीन गार्डन्स बिल्डर्स, रिलेटर्स इस्टेट एजेन्ट्स
रजिस्टर्ड पाठ्नरशिप उसके आठ पाठ्नरस रजिस्टर्ड आफीस,
53 लास पामास लिरत गिर्झ रोड, बंबई-6। (अन्तरिती)
को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी शाक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों मे॒ से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अमृसूची

फी होल्ड बिगर खेती का जमीन का, खुला टुकडा जिसका सर्वे
क्रमांक 37 हिस्सा क्रमांक 2 ए०, 2 वी० है।

जो खाड़ी देहात मे॒ खराड़ी, ग्राम पचायत के टोम्बे, पुना,
म्युनिसिपल कार्पोरेशन के क्षेत्र मे॒ बाहर है। सब रजिस्ट्री क्षेत्र
हवेली जिला पुना है।

क्षेत्रफल—5 एकर 4 गुण्ठे

और

7 एकर 2 गुण्ठे।

(जैसी की रजिस्ट्रीकृत विलेख क्रमांक 1357 जून, 1975
मे॒ सब रजिस्ट्रार हवेली II पुना के दफ्तर मे॒ लिखा है।)

एच० एस० औलख,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंज रेज, पुना

तारीख: 13-2-76

मोहर:

प्रेरूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
प्राचा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना-411004, दिनांक 13 फरवरी 1976

निर्देश सं० सी० ए०/५/जूत/७५/बंबई (पूना)/२६७/७५-७६:—
यतः मुझे, एच० एस० औलख,
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-व के अधीन सक्रम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और
जिसकी सं० प्लाट नं० 17 कोरेगांव पार्क रोड, पूना है तथा और
जो कोरेगांव पार्क, (पूना) में स्थित है (प्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची
में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय,
बम्बई में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16),
के अधीन, तारीख 14-6-75
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
अधिक है और यह कि अन्तरक (प्रस्तरको) और अन्तरिक्ष
(प्रस्तरिक्षो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धार्य की बायत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए और/या

आय या किसी दून या अन्य आमितयों
उक्त शारीरी आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिक्ष द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, लिपाने में
सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्राप्ति :—

1. श्री भालचन्द्र तुलसीदास नागपाल, तुलसी निवास मरीन
लाईन डी० रोड, बम्बई नं० 400002। (अन्तरक)

2. (1) श्री हरीप्रसाद लोहीया (2) श्री जे० जी०
तज्जरी, (3) माँ० आनन्द मिरा (4) श्री प्रविन डी० देसाई
(5) श्री जयन्त लाल एम० ठाकेर (6) श्री धनपति टी०
हिरण्यी (7) श्री मानेकलाल विश्वंद बामना (8) श्री धनपति
राई करनाने (9) माँ० योगलक्ष्मी (10) श्री के० जी० चैनानी
(11) श्री ईश्वरलाल नारानन्जी शहा, सब द्रस्टी जीवन जागृति,
केन्द्र के द्वारा मैसर्स अंबूभाई एंड खानजी सालीसिटरस
लन्टीन चेंबर्स, दलाल स्ट्रीट फोर्ट, बम्बई-1। (अन्तरिक्ष)
को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
दो तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोक्षताकारी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

परपेक्षुअप्रति लिख होल्ड प्लाट जिसका क्रमांक 17 कोरेगांव
पार्क रोड विभाग में पूना शहर में रजिस्ट्रेशन सब डिस्ट्रिक्ट हैवेली
में है।

कोतफल—6016.33 वर्ग यार्ड्स याने 5029.33
वर्ग मीटर्स, ग्राउंड फ्लोर, 3026 वर्ग फीट फ्लर्ट फ्लोर 2307
वर्ग फीट, बंगला 1953-54 में बांधा हुआ, निम्न प्रकार से घिरा
हुआ।

पूर्व के तरफ:—प्लाट सं० 33 कोरेगांव पार्क रोडका,

पश्चिम के तरफ:—40 फिट का रास्ता,

दक्षिण के तरफ:—प्लाट नं० 16 कोरेगांव पार्क रोडका,

उत्तर के तरफ:—प्लाट सं० 18 कोरेगांव पार्क रोडका।

(जैसी की रजिस्ट्रीकृत विलेख क्रमांक 862 जून, 1975
सब रजिस्ट्रार बंबई के दफ्तर में लिखा है।)

एच० एस० औलख,
सक्रम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

तारीख: 13 फरवरी, 1976।

मोहर:

प्रूप आई० टी० एन० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भारताड़

भारताड़, दिनांक 13 फरवरी 1976

निर्देश सं० 109/75-76/ए० सी० क्य०:—यतः, मुझे
पी० सत्यनारायणराव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० है, जो प्लाट 'सिमांचेम तोल्लेम मिटो' कहा जाता है जो अंदेशी, पाले ग्राम, तालुक विचोली, पाले ग्राम पंचायत के हृद मे स्थित है (और इससे उपावस्थ अनुसूची और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय विचोली मे, डाकुमेन्ट नं० 134 अंतर्गत 15-6-1975 के दिन मे भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ याया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे धास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के धायित्व मे कमी करने या उसके बचने मे सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या श्रन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मे सुविधा के लिए :

अतः आब उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण मे, मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री जन शंकर गावडो और उनकी पत्नी सत्यघती जन गावडो कई और जो डाकुमेन्ट मे लिखा गया है। (अन्तरक)

2. मेसर्स राजाराम बांदेकर (पाले) मैन्स, वास्को-डा-गामा (गोवा)। (अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध मे कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मे समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मे से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हिस्ब किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मे किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट जो "सिमांचेम तोल्लेम मिटो" कहलाया जाता है जो अंदेशी पाले ग्राम, तालुक विचोली, पाले ग्राम पंचायत के हृद मे स्थित है 46500 चवर मीटर और सीमाएं

पूर्व—ग्रेका गार्डन—सिमांचेम तोल्लोम गोडेस,

पश्चिम—जाकादेविथो पत्थर

उत्तर—ग्रेका गार्डन, 'सिमांचेम तोल्लेम गोडेस का भाग दक्षिण—सालगांवकर के जायदाद ।

पी० सत्यनारायणराव,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भारताड़

तारीख : 13 फरवरी 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, कानपुर
कानपुर, दिनांक 17 फरवरी 1976

निदेश सं० 461/अर्जन/कानपुर/75-76/2618:—अतः,
मुझे, एफ० जे० बहादुर,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसके पश्चात् ‘उक्त अधिनियम’ कहा गया है), की
घारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- ह० से अधिक है
और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कानपुर में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 17
जून, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई
है और मूँहे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
फथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ह्रृद किसी आय की बाबत, ‘उक्त
अधिनियम’ के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या ‘उक्त अधिनियम,’
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना थाहिए
था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अस: अब, ‘उक्त अधिनियम’, की घारा 269-व
के अनुसरण में, मैं, ‘उक्त अधिनियम’ की घारा 269-व की
उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्रीमती लक्ष्मी देवी पत्नी गुरुमुख दास निवासी 120/
85 साजपत नगर, कानपुर (2) श्रीमती कौशल्या देवी पत्नी श्री
शेर चन्द भाटिया नि० 119/555-ए० दर्शन पुरवा, कानपुर।
(अन्तरक)

2. श्रीमती सन्तोष रानी पत्नी श्री सत्यपाल निवासी 118/
177, कौशल पुरी, कानपुर। (अन्तरिती)
को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीर्वन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबंध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो ‘उक्त
अधिनियम’, के प्राद्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस प्राद्याय म
दिया गया है।

अनुसूची

एक अचल सम्पत्ति मकान नं० 119/555-ए का आधा भाग
जो 80 फीट रोड दरशन पुरवा में कानपुर में स्थित है इसका हस्तात्त-
रण 5,000/- रुपये में हुआ है।

एफ० जे० बहादुर,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 17 फरवरी, 1976
मोहर :

प्रूल्प आई० टी० एन० एस० ——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 17 फरवरी 1976

निदेश सं० 469/ग्रजन/कानपुर/74-76/2619:— यतः,
मुझे, एफ० जे० बहादुर,

अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कानपुर में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 17 जून,
1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और उक्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
शायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

प्रतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् ---

1. श्री चिमनलाल (2) गोविन्द राम पुत्रगण स्व० श्री
बालाराम निं० 119/555-ए०, दर्शनपुरवा, कानपुर।
(अन्तरक)

2. श्री वरकत राम पुत्र श्री सन्तराम पुत्र श्री सन्तराम निं०
118/177, कौशलपुरी, कानपुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति जिसका नं० 119/555-ए० का आधा भाग
जो 80 फीट रोड दर्शनपुरवा कानपुर में स्थित है इसका हस्तान्तरण
रु० 45,000/- में किया गया है।

एफ० जे० बहादुर,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेज, कानपुर

तारीख : 17 फरवरी 1976।

मोहर :

प्रस्तुत आई०टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, ज्योती बिल्डिंग,

गोपाल प्रभु रोड, एरनाकुलम, कोचीन-11,

दिनांक 5 फरवरी, 1976

निदेश सं० एल० सी० 51/75-76:—यतः, मूल्य, एम०
एम० कुरुप, आयकर अधिनियम

1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त
अधिनियम' कहा गया है), की धारा

269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, महे विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो आन्विहाल रोड,
कालिकट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोविकोड
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 28-6-1975 को पूर्वोक्त

सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अनुरित की गई है और मूल्य यह विश्वास
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि घन्तरक (घन्तरको)
और घन्तरिती (घन्तरितियो) के बीच देशे घन्तररूप के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, मिम्मिलित उद्देश्य से उक्त घन्तरण
मिलित से वास्तविक रूप से छहिं नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाक्स उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के घन्तरक के दायित्व में कभी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनावाले घन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जायें चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, घन्तरित:

1. मै० ए० पी० चिरकंडन, 8 सन्स, कालिकट, द्वारा पार्टनर्स
ए० पी० शंकरन, ए० पी० वसन्तकुमार) । (अन्तरक)
2. श्री हसन कुट्टी (ii) अवरान कुट्टी, (iii) मुहम्मद
सेरिफ (IV) महबूब (v) अकबर (द्वारा हसनकुट्टी) ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के घर्जन के
लिए कार्यावाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के घर्जन के सबूध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या उत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(द) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताधारी के
पास लिखित में किए गए सकेंगे।

स्पष्टीकरण ——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में
परिभासित है, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूचि

1/5th right over 25 Cents of land with
buildings Known as Hotel Ratnagiri in Anne Hall
Road, Calcutta

एम० एम० कुरुप,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, एरनाकुलम, कोचीन

तारीख : 5 फरवरी, 1976

मोहर :

प्रकृष्ट आई० टी० एन० एस०— — —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 12 फरवरी 1976

निवेश सं० ए० सि० 41/आर०-II/कल०/75-76.—अतः,
मुझे, आर० मि० लालमोया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० खतियान 464, दाग 321 है तथा जो मौजा, रामदासहाटी पी० एस० मेदियाब्रुज में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, डिंरे जिस्ट्रार, 24-परगनास आलीपुर में, रजिस्ट्रीकरण, अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 5-6-75 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिये तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से वर्णित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः श्रव उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मेडर-सेस असिवर (2) खलिसा विवि (3) साखिना वि० वि० (4) श्रीमती आजमिश वि० वि० रामदासहाटी, मेदियाब्रुज । (अन्तरक)

2. मेडि (2) शर्फिउद्दिन मोल्ला, (2) मोहर्रतउद्दीन मोल्ला, (3) साराउद्दीन मोल्ला, (4) निजामुद्दीन मोल्ला, (5) ईसलामुद्दीन मोल्ला, (6) कुतुबुद्दीन मोल्ला, (7) नासिरुद्दीन मोल्ला, (8) सुजाउद्दीन मोल्ला, (9) पाताउद्दीन मोल्ला, (10) साहा आलाम भाँगी और (11) जयमाल आवेदीन माझी, रामदासहाटी, पी० एस० मेदियाब्रुज, 24 परगनास । (अन्तरिती)

3. भेंडी और भेंडर ।

(वह व्यक्ति, जिसके प्रधिमोग में सम्पत्ति है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आझेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रथम व्यक्ति द्वारा, घबोइस्ताकरी के पास लिखित में किये जा सकें।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मौजा रामदासहाटी, पी० एस० मेदियाब्रुज, खतियान न० 464, दाग न० 321 में 14 कदा जमिन का पर बास्तु और पुकुर है ।

आर० मि० लालमोया,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज II, कलकत्ता
54, रफी अहमद किलवाई रोड,
कलकत्ता-16

तारीख . 12 फरवरी, 1976
मोहर :

प्रख्य आई० टी० एन० एस०—

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 फरवरी 1976

सं० ग्रार० ए० सी० 257/75-76:—ग्रतः, मुझे, के० एस० वेंकट रामन,

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 5-5-291 सरोजीनी देवी नगर है, जो तीरुपति में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, त्रिशूल में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 4-6-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से ह्रौं किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती सी० जी० प्रेमावती भासकर, पति डाक्टर सी० टी० भासकर, मद्रास रेस क्लब, गुनडी, मद्रास-32। (अन्तरक)

2. श्रीमती जे० एम० सरोजीनी राममूर्ति कैग्रर ग्राफ डाक्टर सी० जी० राममूर्ति, ने 5-5-291 टी० एस० पी० 60/1 सरोजीनी देवी नगर त्रिशूल, चीतूर जिला। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यवितयों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति डोर नं० 5-5-291 टी० एस० नं० 60/1 और 59/1 सरोजीनी देवी नगर त्रिशूल-तलूक, चीतूर जिला।

के० एस० वेंकट रामन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 10 फरवरी, 1976

मोहर :

SUPREME COURT OF INDIA

New Delhi, the 6th February 1976

F. 6/76-SCA(I).—The Hon'ble the Chief Justice of India has been pleased to appoint Shri R. C. Gandhi, Stenographer as Officiating Court Master with effect from 23 January 1976, until further orders, vice Shri A. S. V. Raghavan, who was appointed to officiate as Assistant Registrar.

R. SUBBA RAO, Dy Registrar (Admn.).

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 6th February 1976

No. A. 12022/2/74-Admn.I.—The Union Public Service Commission has been pleased to allow to continue Shri D. R. Kohli, a permanent officer of the Selection Grade of the CSS and officiating as Controller of Examinations, Union Public Service Commission as Secretary of the Committee on Recruitment Public and Selection Methods, set up under the Chairmanship of Dr. D. S. Kothari for a further period with effect from the forenoon of 1st January, 1976 to 29th February, 1976.

The 7th February 1976

No. P/197-Admn.II.—The Chairman, Union Public Service Commission, is pleased to grant extension of service to Shri P. Chatterjee, Director (Data Processing) in the office of the Union Public Service Commission, for a period of one year with effect from 1-2-1976.

This has the approval of the Minister of State in the Department of Personnel and Administrative Reforms.

The 10th February 1976

No. P-1765/Admn.II.—In continuation of Union Public Service Commission's notification of even number dated 4-4-75, Shri K. N. Vohra, an officiating Section Officer of the Office of the Director General of Posts & Telegraphs, New Delhi, has been allowed to continue to officiate as Research Officer, on deputation basis, in the office of the Union Public Service Commission for a further period of two months w.e.f. 1-1-1976 or until further orders, whichever is earlier.

No. P-1763/Admn.II.—In continuation of Union Public Service Commission's Notification of even number dated 4-4-1975, Shri G. B. Mathur, a permanent Assistant of the C.S.S. cadre of the Ministry of Works, Housing and Urban Development has been allowed to continue to officiate as Research Officer, on deputation basis, in the office of the Union Public Service Commission for a further period of two months with effect from 1st January 1976 or until further orders, whichever is earlier.

P. N. MUKHERJEE
Under Secretary
for Chairman
Union Public Service Commission.

New Delhi-110011, the 10th February 1976

No. A-11013/2/74-Admn.II.—In continuation of the Union Public Service Commission Notification of even number dated 17-11-75, the Secretary, Union Public Service Commission, hereby appoints the following three officials of the CCS cadre of the Union Public Service Commission to officiate, on an ad hoc basis, as Section Officer (Special) in the Commission's Office for further period of two months with effect from 1-1-76 or until further orders, whichever is earlier:—

S. No. Name and Post held in CSS cadre

1. Shri B. S. Kapur—Section Officer.
2. Shri B. N. Arora—Section Officer.
3. Shri K. L. Katyal—Section Officer.

The appointment of the aforesaid officers as Section Officer (Special) will be on deputation and their pay will be regulated in accordance with the provisions contained in the Ministry of Finance O.M. No. F.10(24)-E.III/60, dated the 4th May, 1961, as amended from time to time.

P. N. MUKHERJEE, Under Secy.
for Secretary U.P.S.C.

15—486GI/75

NOTICE

Special Class Railway Apprentices' Examination, 1976

New Delhi-110011, the 6th March 1976

No. F. 5/2/75-E.I.(B).—In the Union Public Service Commission Notice No. F. 5/2/75-E.I.(B), dated the 10th January, 1976, relating to the Special Class Railway Apprentices Examination, 1976, published in the Gazette of India Part III, Section 1, dated the 10th January, 1976, the following amendments shall be made:—

- (i) For the word "discussion" occurring in line 1 of para 2 of Annexure I to the Notice, the word "discretion" shall be substituted.
- (ii) For the word "prescribed" occurring in lines 1 and 2 of Annexure I to the Notice, the word "prescribed" shall be substituted.
- (iii) For the words and figures "Rule 5(b)(vii)" occurring in line 2 of para 5(iv) of Annexure II to the Notice, the words and figures "Rule 5(b)(viii)" shall be substituted.

B. S. JOLLY, Under Secy.
Union Public Service Commission

CENTRAL VIGILANCE COMMISSION

New Delhi-110001, the 3rd February 1976

No. 2/20/75-Admn.—The Central Vigilance Commissioner hereby appoints Shri G. G. Tulsi, Executive Engineer, D.G.P. & T., as Technical Examiner in the Central Vigilance Commission, in an officiating capacity, with effect from the forenoon of 15th January, 1976, until further orders.

No. 2/34/74-Adm.(i).—The Central Vigilance Commissioner hereby appoints Shri Rajendra Nath Gupta, an Executive Engineer of the Central Public Works Deptt., as Technical Examiner in the Central Vigilance Commission, in an officiating capacity, with effect from the afternoon of 12th January, 1976, until further orders.

No. 2/34/74-Adm.(ii).—The Central Vigilance Commissioner hereby appoints Shri B. S. Khatwani, an Executive Engineer of the Central Public Works Department, as Technical Examiner in the Central Vigilance Commission in an officiating capacity, with effect from the forenoon of 15th January, 1976, until further orders.

No. PF/G/14-G.—Consequent on his selection for appointment in the Natioal Fertilisers Ltd., Shri K. G. Gupta, an Executive Engineer of the Central Public Works Department and working as Technical Examiner in the Central Vigilance Commission relinquished charge of the post in the Commission on the afternoon of 12-1-1976.

SHRI NIVAS, Under Secy. (Admn.)
for Central Vigilance Commisioner

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

Directorate General, C.R.P. Force

New Delhi-110001, the 7th January 1976

No. O.II-1276/75-Estt.—Consequent on his reversion to I.B. (MHA) Shri T. K. Naik, Dy SP, CRPF relinquished charge of his office on the afternoon of 11th Oct., 1975.

The 11th February, 1976

No. P. VII-4/75-Estt.—The President is pleased to appoint on promotion, the following Subedar Majors/Subedars of CRP Force to the post of Deputy Superintendent of Police (Company Commander/Quarter Master) in a temporary capacity until further orders.

2. They took over charge of the posts in the Battalions/ Group Centres on the dates noted against each :—

S. No.	Name of the officer	Bn/GC to which posted	Date of taking over charge
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	Shri Birpal Singh	12th Bn	15-10-75 FN
2.	Shri S. P. Singh	1st Bn	20-10-75 FN
3.	Shri M. M. Bawa	2nd Bn	29-10-75 AN
4.	Shri Sumer Singh	3rd Bn	15-10-75 FN
5.	Shri Amar Nath	7th Bn	15-10-75 FN
6.	Shri K. Raghavan	8th Bn	20-11-75 AN
7.	Shri Ishwar Singh	10th Bn	22-10-75 FN
8.	Shri V. P. S. Gautam	15th Bn	27-10-75 FN
9.	Shri Sohan Lal Budakoti	9th Bn	22-10-75 AN
10.	Shri P. K. Rohila	16th Bn	1-11-75 FN
11.	Shri O. P. Yadav	23rd Bn	10-11-75 FN
12.	Shri P. H. Pandey	16th Bn	25-10-75 FN
13.	Shri Jaiwant Survey	10th Bn	6-12-75 AN
14.	Shri Shambhu Nath Ojha	37th Bn	18-10-75 AN
15.	Shri Ranjit Singh	30th Bn	15-10-75 AN
16.	Shri Sohan Lal	24th Bn	31-10-75 AN
17.	Shri Krishna Prakash Kala	47th Bn	29-10-75 FN
18.	Shri Satyapal Singh Mann	34th Bn	15-10-75 FN
19.	Shri N.S. Verma	40th Bn	28-10-75 AN
20.	Shri Hari Singh	28th Bn	17-10-75 FN
21.	Shri Bhanwar Singh	37th Bn	17-10-75 AN
22.	Shri Mahal Singh Rana	43rd Bn	3-11-75 AN
23.	Shri Phara Singh	17th Bn	31-10-75 FN
24.	Shri Raghbir Singh	46th Bn	1-11-75 FN
25.	Shri Kaka Ram	GC Ramput	27-10-75 FN
26.	Shri Rampat Yadav	60th Bn	25-10-75 AN
27.	Shri Mehal Singh Multani	RTC-I	8-11-75 FN
28.	Shri Balbir Singh	57th Bn	15-10-75 FN
29.	Shri Sher Singh	14th Bn	15-10-75 FN
30.	Shri Jagir Singh	30th Bn	10-11-75 FN
31.	Shri Akshaibar Misra	56th Bn	25-10-75 AN
32.	Shri Zile Singh	27th Bn	23-10-75 FN
33.	Shri P. S. Negi	44th Bn	25-10-75 FN
34.	Shri Raghunath Singh	48th Bn	18-10-75 AN
35.	Shri Chaman Lal	29th Bn	10-11-75 FN
36.	Shri Jagat Rain	18th Bn	22-10-75 FN
37.	Shri Harnaran Singh	54th Bn	23-10-75 FN
38.	Shri Sultan Singh	55th Bn	15-10-75 AN
39.	Shri Ganga Singh Rawat	60th Bn	27-10-75 FN
40.	Shri Satya Dev	51st Bn	20-10-75 AN

A. K. BANDYOPADHYAY
Assistant Director (Adm)

Office of the Inspector General
Central Industrial Security Force

New Delhi-110003, the 31st February 1976

No. E-38013(3)/1/76-Ad.I.—On transfer from Naini (Allahabad) Shri Sheoraj Singh, assumed the charge of the post of Assistant Commandant Central Industrial Security Force, Bombay Airport with Headquarters at New Delhi with effect from the forenoon of 27th January, 1976.

The 4th February 1976

No. E-31013(2)/3/75-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri Shyamal Roy to officiate as Assistant Commandant Central Industrial Security Force Unit, Heavy Engineering Corporation Ltd. Ranchi with effect from the forenoon of

3rd January, 1976, until further order and he assumed the charge of the post at Ranchi with effect from the same date.

L. S. BISHT, Inspector General

Office of the Registrar General, India

New Delhi, the February 1976

No. 2/2/76-Ad.I.—Shri H. Ranbir Singh relinquished charge of the office of the Director of Census Operations, Manipur held by him in ex-officio capacity with effect from the forenoon of 9th February, 1976.

No. 25/82/72-RG (Ad. I).—Shri P. L. Sondhi, an officer of the Indian Administrative Service, relinquished charge of the post of the Director of Census Operations and ex-officio Superintendent of Census Operations, Punjab held in an ex-officio capacity with effect from the afternoon of the 31st January 1976 on his retirement on attaining the age of superannuation.

The 11th February 1976

No. 12/5/74-RG(Ad. I).—In continuation of this office notification No. 12/5/74-RG(Ad. I), dated the 7th November 1975, the President is pleased to extend the ad-hoc appointment of Smt. Krishna Chaudhuri as Linguist in the office of the Assistant Registrar General (Language) with effect from the 8th January, 1976 upto the 11th July, 1976 or till the post is filled on a regular basis, whichever is earlier.

BADRI NATH, Dy. Registrar General & Ex-Officio Dy. Secy.

DIRECTORATE OF PRINTING

New Delhi-11, the 13th February 1976

No. V(3)/AI.—The President is pleased to appoint Shri I. S. Virdi, Assistant Manager (Tech), Government of India Press, Minto Road, New Delhi to officiate as Works Manager, Government of India Press, Nasik, with effect from 31-1-76(TN) until further orders.

S. M. JAMBHOLKAR, Director of Printing

MINISTRY OF FINANCE

(DEPT. OF ECONOMIC AFFAIRS)

INDIA SECURITY PRESS

Nasik Road, the 29th January 1976

No. 1834/A.—In continuation of Notification No. 651/A, dated 21st July 1975 the ad hoc appointment of Shri R. D. Kulkarni as Administrative Officer is extended up to 31st March, 1976 on the same terms and conditions or till the post is filled on a regular basis, whichever is earlier.

V. J. JOSHI
General Manager.

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPTT.

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL,
UTTAR PRADESH

Allahabad, the 4th February 1976

No. Admn.I/11-144(xi)/J17.—The Accountant General, Uttar Pradesh-I Allahabad has appointed the following Section Officers to officiate as Accounts Officers in this office with effect from the dates noted against each :—

S/Shri

1. Kapoor Chand Srivastava—7th January 1976.
2. Raj Kumar Soni—15th January 1976.

U. RAMACHANDRA RAO
Sr. Deputy Accountant General (A).

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL.

WEST BENGAL

(LOCAL AUDIT DEPARTMENT)

Calcutta-1, the 1st October 1975

Office Order No. LA/14-(Admin Series).—The Accountant General, West Bengal, has been pleased to appoint Shri Sukumar Bhattacharyya a permanent Section Officer of the Local Audit Department of this office to officiate as Asstt. Examiner of Local Accounts, West Bengal in temporary capacity with effect from the forenoon of 1st October 1975 until further orders.

Sd./- ILLEGIBLE
Examiner of Local Accounts, West Bengal.

OFFICE OF THE CHIEF AUDITOR, EASTERN RAILWAY

Calcutta, the 3rd February 1976

No. L/8/74.—On his attaining the age of superannuation Shri A. K. Das, Audit Officer of the office of the Chief Auditor, E. Rly., Calcutta has retired from service with effect from the mid-night of 31st January, 1976.

N. G. SEN
Chief Auditor,
Eastern Railway, Calcutta.

MINISTRY OF COMMERCE

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS

New Delhi, the 6th February 1976

IMPORT & EXPORT TRADE CONTROL
(ESTABLISHMENT)

No. 6/396/56-Admn(G)/1008.—On retirement from Government service under clause (j) of rule 56 of the Fundamental Rules, Shri B. V. Sabnis relinquished charge of the post of Controller of Imports and Exports in the office of the Jt. Chief Controller of Imports and Exports, Bombay on the afternoon of the 15th December, 1975.

No. 6/645/61-Admn(G)/1014.—On retirement from Government service under clause (j) of rule 56 of the Fundamental Rules, Shri H. T. Atmaramam relinquished charge of the post of Controller of Imports and Exports in the office of the Jt. Chief Controller of Imports & Exports, Bombay on the afternoon of the 15th December, 1975.

No. 6/706/63-Admn(G)/1020.—On retirement from Government service under clause (j) of rule 56 of the Fundamental Rules, Shri A. N. Kapuria relinquished charge of the post of Controller of Imports and Exports in the office of the Jt. Chief Controller of Imports and Exports, Madras on the afternoon of the 15th December, 1975.

No. 6/844/68-Admn(G)/1028.—On retirement from Government service under clause (j) of rule 56 of the Fundamental Rules, Shri H. R. Sud relinquished charge of the post of Controller of Imports and Exports in the Office of the Jt. Chief Controller of Imports and Exports, Bombay on the afternoon of the 15th December, 1975.

The 7th February 1976

No. 6/594/60-Admn(G)/1034.—On retirement from Government service under clause (j) of rule 56 of the Fundamental Rules, Shri J. E. Shaikh relinquished charge of the post of Controller of Imports and Exports in the office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports, Bombay on the afternoon of the 15th December, 1975.

The 10th February 1976

No. 6/652/62-Admn(G)/1069.—On retirement from Government service under clause (j) of rule 56 of the Fundamental Rules Shri D. P. Varerkar relinquished charge of the post of Controller of Imports and Exports in the Office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports, Bombay on the afternoon of the 15th December, 1975.

P. K. KAUL
Chief Controller of Imports and Exports.

New Delhi, the 6th February 1976

No. 6/1040/74-Admn(G)/906.—The Chief Controller of Imports and Exports hereby appoints Shri S. K. Misra, Assistant Director of Industries, Office of the Director of Industries, U.P., Kanpur as Controller of Imports and Exports Class II (Non-CSS) in the Office of the Dy. Chief Controller of Imports and Exports, (Iron and Steel) Faridabad, in an officiating capacity with effect from the forenoon of 6th January, 1976, until further orders.

2. As Controller of Imports and Exports Shri S. K. Misra will draw pay according to the rules in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200.

A. T. MUKHERJEE
Dy. Chief Controller of Imports and Exports
for Chief Controller of Imports and Exports.

OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER

Bombay-400020, the 8th February 1976

No. EST.I-2(576).—Shri R. J. Chitalia, Assistant Enforcement Officer, Grade J in the office of the Textile Commissioner, Bombay, retired voluntarily from Government service with effect from the forenoon of the 13th January, 1976

R. P. KAPOOR
Textile Commissioner.

Bombay, the 31st January 1976

No. CER/2/76.—In exercise of the powers conferred on me by Clause 20 of the Cotton Textiles (Control) Order, 1948, I hereby make the following amendment to the Textile Commissioner's notification No. CER/2/75, dated the 16th December, 1975, namely :—

In the said Notification for the words, figures and marks "This Notification shall take effect from the First day of February 1976.", the words, figures and marks "This Notification shall take effect from the First day of March, 1976", shall be substituted.

A. K. CHANDRA
Joint Textile Commissioner.

DEPARTMENT OF SUPPLY
DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES AND DISPOSALS

(Administration Section A-1)

New Delhi-1, the 6th February 1976

No. A-1/1(630).—Shri S. D. Chatterjee permanent Superintendent and officiating as Assistant Director (Grade II) in the office of the Director of Supplies and Disposals, Calcutta retired from Government service with effect from the afternoon of 31st December, 1975 on attaining the age of superannuation (58 years).

No. A-1/1(994).—The Director General of Supplies and Disposals hereby appoints Shri A. V. S. P. Sinha, Superintendent (Supervisory Level II) in the office of the Deputy Director of Inspection, Kanpur to officiate on local *ad hoc* basis as Assistant Director (Administration) (Grade II) in

the office of the Director of Supplies and Disposals, Kanpur with effect from the forenoon of 6th January, 1976 and until further orders.

The appointment of Shri Sinha as Assistant Director (Administration) (Grade II) is a purely *ad hoc* basis and will not confer on him any right of regular appointment to that post.

The 10th February 1976

No. A-1/1(971).—In para 1 of this Dir. General notification of even number dated 2nd January 1976 for 'has been relieved of his duties with effect from the afternoon of 14th December, 1975' please *read* 'has been relieved of his duties with effect from the afternoon of 4th December 1975'.

K. L. KOHLI
Deputy Director (Administration),
for Director General of Supplies and Disposals.

SURVEY OF INDIA

Surveyor General's Office

Dehra Dun, the 6th February, 1976

No. C-5043/707.—The undermentioned officers are appointed to officiate as Officer Surveyor (Group 'B' posts), Survey of India in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from the date as shown against each :—

Name and designation	Unit/ Office	With effect from
1. Shri D. K. Mandal, Surveyor Sel. Gd.	No. 11 Party (EC)	29-12-75(FN)
2. Shri Satyendra Mohan Dutt, Surveyor Sel. Gd.	No. 38 Party(PMP)	6-1-76(FN)

The 9th February 1976

No. C-5044/718-A.—Shri R. N. Sharma, Officiating Superintendent, Surveyor General's Office, who was appointed to officiate as Establishment and Accounts Officer, Map Publication Office, Survey of India, Dehra Dun on an *ad hoc* basis in a short term leave vacancy *vide* this office Notification No. C-5031/718-A dated the 9th December, 1975, is appointed to officiate as Registrar, Surveyor General's Office on an *ad hoc* basis on pay of Rs. 840/- p.m. in the scale of pay of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 with effect from 21st January 1976 (*AN*) *vice* Shri Hari Dev, Registrar, Surveyor General's Office proceeded on leave preparatory to retirement.

HARI NARAJN
Surveyor General of India
(Appointing Authority)

NATIONAL ARCHIVES OF INDIA

New Delhi-1, the 10th February 1976

No. F. 20(C-3)1/61-A.1.—Shri B. R. Sharma, Superintendent is appointed to officiate as Administrative Officer (Class II Gazetted) on purely *ad hoc* basis with effect from the forenoon of the 9th February 1976 and until further orders (*vice* Shri L. D. Ajmani, Administrative Officer on leave). The *ad hoc* appointment will not confer any right or claim for regular appointment and will not count for the purpose of seniority and for eligibility for promotion to next higher grade.

Sd./- ILLEGIBLE
Director of Archives.

DIRECTORATE GENERAL A.I.R.

New Delhi, the 9th February 1976

No. 4/107/75-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri N. M. A. Khampti as Programme Executive, All India Radio Tezu in a temporary capacity with effect from the 30th December, 1975 and until further orders.

No. 4/114/75-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri Panna Lal as Programme Executive, All India Radio, Simla in a temporary capacity with effect from the 24th January, 1976 and until further orders.

No. 4/20/75-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri Sunil Kumar Saha as Programme Executive, All India Radio Calcutta in a temporary capacity with effect from the 5th December, 1975 and until further orders.

P. K. SINHA,
Deputy Director of Administration
for Director General.

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 5th February 1976

No. 30-10/74C-GHS.I.—The Director General of Health Services has been pleased to accept the resignation of Dr. Surendra Bahadur Singh, Homoeopathic Physician under the Central Government Health Scheme Delhi with effect from the afternoon of 25th January 1975. Dr. Singh relinquished the charge of the post on the afternoon of 25th January, 1975.

K. VENUGOPAL
Deputy Director Administration (CGHS).

New Delhi, the 6th February 1976

No. 6-7/75-DC.—The President is pleased to appoint Shri Bimalakasha Mandal to the post of Pharmaceutical Chemist in the Central Drugs Laboratory, Calcutta with effect from the forenoon of the 2nd January, 1976 in an officiating capacity and until further orders.

S. P. JINDAL
Deputy Director Administration.

New Delhi, the 11th February 1976

No. 12-7/73-Admn.-I.—On attaining the age of superannuation, Shri N. R. Sharma, a permanent Section Officer in the Directorate General of Health Services retired from service on the afternoon of 31st January, 1976.

S. P. JINDAL
Deputy Director Administration (O&M).

INDIAN POSTS AND TELEGRAPHS DEPARTMENT

OFFICE OF THE GENERAL MANAGER :

MADRAS TELEPHONES

Madras-600001, the 11th February, 1976

No. AST/AO/1.—The General Manager, Telephones, Madras is pleased to appoint the undermentioned Senior Accountants to officiate as Accounts Officers in local arrangement in Madras Telephone District with effect from the date mentioned against each :—

Name of the Senior Accountant & Date of promotion to AO's grade.

1. Sri R. Rajagopalan.—20-12-75 Forenoon.
2. Sri G. Nilakantan—12-1-76 Forenoon.

No. AST/AE-5/2.—The General Manager, Telephones is pleased to appoint the undermentioned Junior Engineers to officiate as Assistant Engineers in local arrangement in Madras Telephone District for the periods mentioned against each :-

Sl. No.	Name	Date of promotion to TES Group 'B'	Date of reversion to parent cadre
1.	Sri V. Nagalingam . . .	13-8-75 Forenoon	6-12-75 F.N.
2.	Sri N. S. Kandaswamy . . .	12-9-75 Forenoon	31-10-75 A.N.
3.	Sri P. S. Srinivasan . . .	27-9-75 Forenoon	31-12-75 A.N.
4.	Sri P. Nemarajan . . .	3-10-75 Forenoon	21-11-75 A.N.
5.	Sri S. Nageswaran . . .	24-10-75 Forenoon	10-12-75 A.N.
6.	Sri N. S. Kandaswamy . . .	4-11-75 Forenoon	31-12-75 A.N.
7.	Sri D. Parimalasekaran . . .	12-11-75 Forenoon	31-12-75 A.N.
8.	Sri M. Sornapalam . . .	13-11-75 Forenoon	
9.	Sri P. Nemarajan . . .	27-11-75 Forenoon	12-1-76 F.N.
10.	Sri V. Nagalingam . . .	15-12-75 Forenoon	31-1-76 A.N.
11.	Sri V. Nagalingam . . .	4-2-76 Forenoon	
12.	Sri N. S. Kandaswamy . . .	5-2-76 Forenoon	

No. AST/AE-5/3.—The undermentioned Assistant Engineers who are officiating in local arrangement stand reverted to their parent cadre with effect each :-

Name of the officer and Date of reversion to the parent cadre	
1.	Sri B. Rajagopal Naidu—9-7-75 Forenoon.
2.	Sri C. V. Natarajan—28-6-75 Afternoon.
3.	Sri T. S. Naganathan—30-6-75 Afternoon.

(V. RAMAMOORTHY)
ASST. GENERAL MANAGER (ADMIN).

MINISTRY OF AGRICULTURE & IRRIGATION
(DEPARTMENT OF RURAL DEVELOPMENT)
DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION
(HEAD OFFICE)

Faridabad, the 10th February 1976

No. F. 4-6(105)/75-A.III.—On the recommendations of the Union Public Service Commission, New Delhi, Shri Manickam Kurralnathan has been appointed by the Agricultural Marketing Adviser to the Government of India, to officiate as Assistant Marketing Officer, Group I, in the Directorate of Marketing and Inspection at Vishakhapatnam, with effect from 8th January 1976 (AN) until further orders.

No. F. 4-5(66)/75-A.III.—On the recommendations of the Union Public Service Commission, Shri N. C. Halder, has been appointed by the Agricultural Marketing Adviser to the Government of India as Marketing Officer, Group I, in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200, on the officiating basis in the Directorate of Marketing and Inspection at Faridabad, with effect from 29th January 1976 (FN), until further orders.

The 11th February 1976

No. F. 4-6(104)/76-A.III.—On the recommendations of the Union Public Service Commission, Shri N. C. Halder has been appointed by the Agricultural Marketing Adviser to the Government of India, to officiate as Assistant Marketing Officer, Group I, in the Directorate of Marketing and Inspection at Gauhati, with effect from the January, 1976 (F.N.) until further orders.

V. P. CHAWLA
Director of Administration.

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY
Bhabha Atomic Research Centre
PERSONNEL DIVISION

Bombay-400085, the 10th February 1976

No. 5/1/75/Estd.II/99.—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre hereby appoints Shri Anant Kashinath Katre, Assistant to officiate as Assistant Personnel Officer in a temporary capacity in this Research Centre for the period from 4th December 1975 to 9th January, 1976

S. KRISHNAMURTHY
Dy. Establishment Officer.

POWER PROJECTS ENGINEERING DIVISION

Bombay-400005, the 22nd January 1976

No. PPED/3(235)/75-Adm.1022.—Director, Power Projects Engineering Division, Bombay hereby appoints Shri T. S. Aswal, a permanent Assistant in the Secretariat of the Department of Atomic Energy, as Assistant Personnel Officer in Power Projects Engineering Division in a temporary capacity on an initial pay of Rs. 650/- p.m. in the revised scale of pay of Rs. 650—30—740—35—880—EB—40—960 with effect from November 12, 1975 (FN), until further orders.

No. PPED/3(235)/75-Adm.1023.—Director, Power Projects Engineering Division, Bombay hereby appoints Shri R. P. de Souza, a permanent Upper Division Clerk and officiating Assistant in the Bhabha Atomic Research Centre, as Assistant Personnel Officer in Power Projects Engineering Division in a temporary capacity on an initial pay of Rs. 650/- p.m. in the revised scale of pay of Rs. 650—30—740—35—880—EB—40—960 with effect from November 15, 1975 (FN), until further orders.

No. PPED/3(235)/75-Adm.1024.—Director, Power Projects Engineering Division, Bombay hereby appoints Shri A. H. Punwani, a quasi-permanent Upper Division Clerk and officiating Selection Grade Clerk in this Division as Assistant Personnel Officer in the same Division in a temporary capacity on an ad hoc basis with effect from the afternoon of October 4 to the forenoon of November 15, 1975, on an initial pay of Rs. 650/- p.m. in the revised scale of pay of Rs. 650—30—740—35—880—EB—40—960.

No. PPED/3(235)/76-Adm.1021.—Director, Power Projects Engineering Division, Bombay hereby appoints Shri P. B. Nair, a permanent Stenographer in the Bhabha Atomic Research Centre, as Assistant Personnel Officer in Power Projects Engineering Division in a temporary capacity on an initial pay of Rs. 650/- p.m. in the revised scale of pay of Rs. 650—30—740—35—880—EB—40—960 with effect from November 12, 1975 (FN), until further orders.

N. G. PARULEKAR
Administrative Officer.

MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION
INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi-3, the 10th February 1976

No. E(I)/04155.—On attaining the age of superannuation Shri K. M. Biswas, Officiating Assistant Meteorologist, office of the Director, Regional Meteorological Centre, Calcutta, retired from Government service with effect from the afternoon of 31st December 1975.

The 11th February 1976

No. E(I)/04234.—On attaining the age of superannuation, Shri S. Balakrishnan Officiating Assistant Meteorologist, Office of the Director, Regional Meteorological Centre, Madras, retired from Government service with effect from the afternoon of 31st December, 1975.

No. E(I)/06548.—On attaining the age of superannuation, Shri Charan Das, Officiating Assistant Meteorologist, office of the Dy. Director General of Observatories, (Instruments), New Delhi, retired from Government service with effect from the afternoon of 31st December, 1975.

The 12th February 1976

No. E(I)/04207.—On voluntary termination of his officiating appointment of Assistant Meteorologist, Shri J. Nandy, relinquished charge of that office on the afternoon of the 31st December, 1975 in the office of the Director, Regional Meteorological Centre, Calcutta and reverted to his substantive post of Professional Assistant in the Department.

M. R. N. MANIAN
Meteorologist
for Director General of Observatories.

OFFICE OF THE
DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 30th January 1976

No. A-32013/8/75-EC.—In continuation of this office notification No. A-32013/8/75-EC, dated the 27th June, 1975, the President is pleased to allow Shri G. Govindaswamy, Assistant Director of Communication in the Civil Aviation Department to continue to officiate as Controller of Central Radio Stores Depot, New Delhi, for a further period from 1st August, 1975, to 31st March, 1976 or till the selection to the post is made on regular basis whichever is earlier.

H. L. KOHLI
Deputy Director of Administration
for Director General of Civil Aviation.

New Delhi, the 31st January 1976

No. A-38012/1/76-ES.—On attaining the age of superannuation Shri B. K. Ghosh, officiating Senior Aircraft Inspector, in the office of the Regional Director, Calcutta, relinquished charge of his duties in the afternoon of the 31st December, 1975.

No. A-32013/9/74-ES.—The President is pleased to appoint Shri Madhusudan Lall, Aircraft Inspector, Office of the Regional Director, Calcutta to officiate as Senior Aircraft Inspector in the same office on a regular basis and until further orders, with effect from 5th January, 1976.

H. L. KOHLI
Deputy Director of Administration

OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

Bombay, the 6th February 1976

No. 1/400/76-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri H. S. Shanbag, Supervisor, Bombay Branch, as Dy. Traffic Manager, in an officiating capacity in the same Branch for the period from the 15th December, 1975 to 31st December 1975 (both days inclusive) against a short-term vacancy.

The 7th February 1976

No. 1/99/76-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri Rajender Kapoor, Technical Assistant, New Delhi Branch, as Assistant Engineer in an officiating capacity in the same Branch for the period from the 1st December, 1975 to 31st December, 1975 (both days inclusive) against a short-term vacancy.

M. S. KRISHNASWAMY
Administrative Officer
for Director General

COLLECTORATE OF CUSTOMS & CENTRAL EXCISE

Shillong, the 7th February 1976

No. 47/76.—Shri N. N. Bora, an officiating Office Superintendent, Customs Central Excise, Shillong Collectorate was appointed to officiate as Administrative Officer (Class-II) Customs & Central Excise until further orders. Shri Bora assumed charge as Administrative Officer, Customs & Central Excise, Collectorate Hqrs. Office, Shillong on 6th January 1976 (FN).

S. C. NIYOGI
Collector of Customs & Central Excise
Shillong.

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi-22, the 10th February 1976

No. A-12017/4/76-Adm.V.—In continuation of this Commission's notification No. A-12017/1/72-Adm.V, dated 16th October 1975, the Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri T. P. Yegnan, to officiate in the grade of Assistant Research Officer (Scientific-Mathematics Group) in the Central Water and Power Research Station, Poona, in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200, on a purely temporary and *ad hoc* basis, upto 16th May 1976 or till the reversion of Shri D. K. Vaid whichever is earlier.

K. P. B. MENON
Under Secy.,
for Chairman, C. W. Commission.

MINISTRY OF RAILWAYS

(RAILWAY BOARD)

New Delhi, the 5th February 1976

No. 74/RE/161/1.—It is hereby notified for the general information of all concerned that the 132 KV double circuit transmission line constructed by Northern Railway starting from Railway's Switching Station at Aligarh to Hathras Jn. Sub-Station (Km. 1331 to Km. 1297) running parallel to the railway track in the vicinity of the nearby villages will be energised on 132 KV AC 50 cycles per second from 5th February 1976. On and from the same date the overhead transmission line shall be treated as live at all times and no unauthorised person shall approach or work in the proximity of the said overhead line.

A. L. GUPTA
Secretary, Railway Board.

NORTH-EAST FRONTIER RAILWAY

Pandu, the 2nd February 1976

No. E/55/III/95-PII(O).—The following officers of the Stores Department are confirmed as Assistant Controller of Stores with effect from the date noted against each :—

Sl No., Name & Date from which confirmed

1. Shri M. M. Halder—9th December 1969.
2. Shri A. B. Das—30th April 1974.
3. Shri J. K. Dey—23rd March 1975.

No. E/55/III/92(O).—Shri S. K. Bose is confirmed in Class II service as Assistant Singnal and Telecommunication Engineer with effect from 6th April 1974.

H. L. VERMA
General Manager.

DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS
OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

Bombay-40000, the 9th February 1976

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of**
M/s. Nanubhai Export Private Limited

No. 9820/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Nanubhai Export Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

S. NARAYANAN
Addl. Registrar of Companies,
Maharashtra, Bombay.

Madras-6, the 11th February 1976

No. 1742/S-247/Liqn/76.—Whereas, "The Madukarai Jananukoola Nidhi Limited" having its registered office at Madukarai Post, Coimbatore District is being wound up;

And whereas the undersigned has reasonable cause to believe that no liquidator is acting the affairs of the company have been completely wound up and that the statutory returns required to be filled by the liquidator have not been made for a period of six consecutive months.

Now, therefore, in pursuance of the provisions of sub-section (4) of Section 247 of the Indian Companies Act, 1913, notice is hereby given that at the expiration of three months from the date of this notice the name of "The Madukarai Janaankoola Nidhi Limited" will, unless cause is shown to the contrary, be struck off the register and the company will be dissolved.

P. ANNAPURNA
Addl. Registrar of Companies.
Tamil Nadu.

**OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX
NEW DELHI**

New Delhi, the 23rd October 1975

INCOME-TAX

No. JUR-DLI/II/75-76/16382.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 124 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and of all other powers enabling him in this behalf and in partial modifications of all the earlier orders on the subject, the Commissioner of Income-tax Delhi-II, New Delhi hereby directs that Income-tax Wards/Districts VI(4), VI(7), VI(8), VI(11) and VI(14) shall be abolished.

This order shall have effect from 1st November 1975.

The 25th October 1975

No. JUR-DLI/II/75-76/17585.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 124 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and of all other powers enabling him in this behalf and in partial modification of all the earlier orders on the subject, the Commissioner of Income-tax, Delhi-II, New Delhi hereby directs that the Income-tax Officers mentioned in column No. 2 of the Schedule appended hereto shall perform their functions in respect of areas, persons, or classes of persons, incomes or classes of income and cases or classes of cases falling as on 31-10-1975 in the jurisdiction of Income-tax wards/Districts mentioned in column 3 of the said Schedule :—

SCHEDULE

1	2	3
1. Income-tax Officer, Distt. VI(1), New Delhi.	Distt. VI(1), VI(7) & Distt. VI(8), New Delhi	
2. Income-tax Officer, Distt. VI(2), New Delhi	Distt. VI(2) & Distt. VI(11) New Delhi.	
3. I.T.O. Distt. VI (3) New Delhi.	Distt. VI(3) & Distt. VI (4) New Delhi.	
4. I.T.O. Distt. VI(13), New Delhi.	Distt. VI(13) & VI(14), New Delhi.	

This order shall take effect from 1-11-75.

The 6th December 1975

No. JUR-DLI/II/75-76/28178.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 124 of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) and of all other powers enabling him in this behalf, the Commissioner of Income-tax, Delhi-II, New Delhi hereby directs that the Lawyers' Circle, Delhi, shall be bifurcated into two Circles as under :—

1. Lawyers Circle—I,
2. Lawyers Circle—II,

This order shall come into force wef 9th December, 1975.

No. JUR-DLI/II/75-76/28280.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 124 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and in supersession of all previous orders/notifications on the subject, the Commissioner of Income-tax, Delhi-II, New Delhi, /column 2 of the Schedule hereinbelow shall perform, their functions in respect of persons or classes of persons, incomes or classes of income and cases or classes of cases specified in column 3 of the said schedule other than the persons or classes of persons, income or classes of cases which have been assigned or may be reafter the assigned u/s 127 of the said Act to any other Income tax Officer :—

S. No.	Designation of the ITO	Jurisdiction
1	2	3
1.	Income-tax Officer, Lawyers' Circle-I, New Delhi.	(a) All persons or classes of persons, incomes or classes of income and cases or classes of cases falling within the jurisdiction of the Income-tax Officer, Lawyers' Circle, Delhi, where the last assessed or returned income is Rs. 1,00,000/- and above, as on 8-12-75.
2.	Income-tax Officer, Lawyers' Circle-II, New Delhi	(b) All persons being partners of firms falling in item (a) above.
		(a) All persons or classes of persons income or classes of income and cases or classes of cases falling within the jurisdiction of the Income-tax Officer, Lawyers' Circle, New Delhi, other than those assigned to the I.T.O., Lawyers' Circle-I, New Delhi.
		(b) All persons being partners of firms falling in item (a) above.

This notification shall take effect from 9-12-1975.

JAGDISH CHAND
Commissioner of Income-tax,
Delhi-II, New Delhi.

New Delhi, the 22nd November 1975

No. JUR-DLI/V/75-76/21490.—In modification of all previous orders u/s 124 or 127 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), in respect of the jurisdiction of the Income-tax officer, Distt. VII (4), New Delhi and in exercise of the powers conferred by section 124 of the said Act and all other enabling powers in this behalf, the Commissioner of Income-tax Delhi-V, New Delhi Directs that as from the date on which this order takes effect, the Income-tax officer, Distt. VII(5), New Delhi shall and the Income-tax Officer Distt. VII(4), New Delhi shall not exercise his functions as

an Income-tax officer in respect of assessees whose names commence with the alphabet M. No. and who were within the jurisdiction of the Income-tax officer, Distt. VII(4), New Delhi prior to 1st December 1975.

Provided that this order shall not effect the existing jurisdiction of the Income-tax officer Distt. VII (4), New Delhi in respect of assessees whose names commencing with any alphabet other than M.N.O. where such firm is within the jurisdiction of the said Income-tax Officer as on the date of this order.

This order shall take effect from 1st December 1975.

No. JUR-DLI/V/75-76/21789.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 124 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and of all other powers enabling him in this behalf, the Commissioner of Income-tax, Delhi-V, New Delhi hereby directs that the following Income-tax Circle should be created with effect from 1st December 1975.

1. Distt. VII(5).

New Delhi, the 24th November, 1975

ORDER

No. JUR-DLI/V/75-76/21755.—In modifications of this office order No. JUR-DLI/V/75-76/25 dated 15-7-75 on the subject and in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 124 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and of all other powers enabling him in this behalf, the Commissioner of Income-tax, Delhi-V, New Delhi hereby directs that the Income-tax officers mentioned in column 2 of the schedule appended hereto shall perform their functions in respect of the persons or classes of persons, incomes or classes of incomes and cases or classes of cases specified in column 3 of the said Schedule other than person or classes of persons, incomes or classes of incomes and cases or classes of cases which have been or may hereafter be assigned under sub-section (1) of Section 124 or Section 127 of the said Act to any other income-tax officer.

This notification shall have effect from the 19-11-75.

SCHEDULE

S. No.	Designation of the Income-tax Officer	Jurisdiction	Area
1	2	3	4
1.	Income-tax Officer, Distt. II (12), New Delhi.	(a) Every person carrying on a business or profession or having its principal place of his business or profession in any of the area specified in column No. 4 of this Schedule or residing in any such area whose name commences with any of the alphabets from A to F (both inclusive) (b) All persons being partners of firms falling in item (a) above.	The area comprised in wards No. 1, 59, 60, 61, 62, 63, 64, & 65 & 66 (viz Timarpur Sohan Ganj) Aryapura, Ext. and Vijay Ngr) of the Municipal Corp. Delhi.
2.	Income-tax Officer, Distt. II(13) New Delhi.	(a) Every person carrying on business or profession or having its principal place of his business or profession in any of the area specified in column No. 4 of this Schedule or residing in such area whose name commences with any one of the alphabets K to O (both inclusive).	Do.
3.	Income-tax Officer, Distt. II(2) New Delhi.	(a) Every person carrying on a business or profession or having its principal place of his business or profession in any of the area specified in column No. 4 of this Schedule or residing in any such area, whose name commences with any of the alphabets from G to J (both inclusive). (b) All persons being partners of firms falling in item (a) above.	The area comprised in wards No. 1, 59, 60, 61, 62, 63, 64, & 65 and 66 (viz. Timarpur Sohan Ganj, Aryapura, Ext. and Vijay Ngr.) of the Municipal Corp. Delhi.

A. C. JAIN
Commissioner of Income-tax,
Delhi-V, New Delhi.

FORM ITNS

(1) Smt. Lila Wati w/o Sh. Inder Singh,
R/o Chachowal, Teh. Jullundur.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE
JULLUNDUR

Jullundur, the 6th February 1976

Ref. No. AP 1449.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing As per Schedule situated at V. Chachowal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in June, 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

16—486 GI/75

(2) Sh. Makhan Singh s/o Jarnail Singh,
R/o Raipur, Teh. Jullundur.

(Transferee)

(3) At S. No. 2.

[Person in occupation of the property]

(4) Anybody interested in the property.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE48 K 18 M land at V. Chachowal as registered *vide* Deed No. 3323 dated 24-6-75 in the office of S.R. Jullundur.

RAVINDER KUMAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 6-2-1976

Seal .

FORM ITNS

(1) Shri Gurdip Singh s/o Lal Singh,
R/o Chachowal, Teh. Jullundur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Baldev Singh s/o Jarnail Singh,
R/o Raipur, Teh. Jullundur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 6th February 1976

Ref. No. AP 1450.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

As per Schedule

situated at V. Chachowal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Jullundur in June, 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (3) At S. No. 2.
[Person in occupation of the property]
(4) Anybody interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

48 K 18 M land as registered vide Deed No. 3322 dated 24-6-75 of S. R. Jullundur.

RAVINDER KUMAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.
Date : 6-2-1976
Seal :

FORM ITNS

(1) Mrs. Puran Devi w/o Dr. Gurbaksh Singh,
20-Tuglak Road, New Delhi.
(Transferor)

(2) Dr. Sohan Lal s/o Dr. Punnu Lal, S/Sh. Sudesh
Kumar & Mohinder Kumar S/o Dr. Sohan Lal,
50, Vijay Nagar, Jullundur.
(Transferee)

(3) At S. No. 2.
[Person in occupation of the property]

(4) Anybody interested in the property.
[Person whom the undersigned knows
to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing No. NK-67, G.T. Road, Jullundur as
registered *vide* Deed No. 779 of July, 1975 in the office of
S.R. Delhi.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said ct, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957).

RAVINDER KUMAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act I hereby initiate proceedings for the acquisition
of the aforesaid property by the issue of this notice under
sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the
following persons, namely :—

Date: 6-2-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Mangat Ram s/o Sai Dass,
c/o Lakshmi Cinema, Jullundur.

(Transferor)

(2) Smt. Shakuntla Devi w/o Sh. Roshan Lal Bhalla,
R/o Govindgarh, Jullundur.

(Transferee)

(3) At S. No. 2.

[Person in occupation of the property]

(4) Anybody interested in the property.

[Person whom the undersigned knows
to be interested in the property]

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 9th February 1976

Ref. No. AP 1452.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

As per Schedule

situated at Jullundur

(and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at Jullundur in June, 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said I hereby initiate proceedings for the acquisition of the said property by the issue of this notice under sub-section of Section 269D of the Said Act to the following person namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 522 at Green Park, Jullundur as registered *vide* Regd. Deed No. 3302 of June, 1975 in the office of S R Jullundur.

RAVINDER KUMAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 9-2-1976

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE.
JULLUNDUR

Jullundur, the 9th February 1976

Ref. No. AP 1454.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing As per Schedule situated at Bharwain Road

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hoshiarpur in July, 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Amar Nath s/o Shri Amin Chand s/o Shri Gokul Chand, Caste Khatri Sethi, R/o Model Town, Hoshiarpur. (Transferor)
- (2) Sh. Vijay Roasin and Turpentine Factory, Bharwain Road, Hoshiarpur through Sh. Om Parkash s/o Sh. Sita Ram partner of factory. (Transferee)
- (3) At S. No. 2. [Person in occupation of the property]
- (4) Anybody interested in the property. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 3 K. 5 M at Bharwain Road, Hoshiarpur as registered *vide* Regd. Deed No. 1834 of July, 1975 in the office of S.R. Hoshiarpur.

RAVINDER KUMAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 9-2-1976
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Ghasita Ram s/o Sh. Bhagwan Das s/o Gopal Dass,
R/o Mohalla Krishan Nagar,
Hoshiarpur.

(Transferor)

(2) Smt. Chander Kanta w/o Shri Abhey Kumar s/o
Shri Chaman Lal Jain C/o Jain Jewellers,
Partap Bazar, Hoshiarpur.

(Transferee)

(3) At S. No. 2,

[Person in occupation of the property]

(4) Anybody interested in the property.

[Person whom the undersigned knows
to be interested in the property]

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR.

Jullundur, the 9th February 1976

Ref. No. AP 1455.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

As per Schedule

situated at V. Naloyan

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hoshiarpur in June, 1975 for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the Service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 5 K 2 M on Hariana Road of Village Naloyan as registered vide Regd. Deed No. 1372 of June, 1975 in the office of S.R. Hoshiarpur.

RAVINDER KUMAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 9-2-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Gurdial Kaur w/o Mohinder Singh,
s/o Bishan Singh,
R/o V. Badshahpur.

(Transferor)

(2) M/s Sanjha Cold Store, Jullundur through
Pradip Nayak, Jullundur.

(Transferee)

(3) At S. No. 2.

[Person in occupation of the property]

(4) Anybody interested in the property.

[Person whom the undersigned knows
to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

Jullundur, the 9th February 1976

Ref. No. AP 1453.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing As per Schedule situated at Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer Jullundur in June, 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

18 Kanal land at V. Badshahpur as registered vide Regd. Deed No. 3081 of June, 1975 in the office of S.R. Jullundur.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the 'said Act' or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

RAVINDER KUMAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 9-2-1976

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

FORM ITNS

(1) Sh. Darbara Singh s/o Sh. Narain Singh,
588-R, Model Town, Jullundur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,

JULLUNDUR

Jullundur, the 9th February 1976

Ref. No. AP 1456.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As p.t Schedule situated at Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in July, 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(2) 1. Sh. Piara Singh s/o Sh. Harnam Singh,
2. Smt. Mohinder Kaur w/o Sh. Piara Singh,
588-R, Model Town, Jullundur.

(Transferee)

(3) At S. No. 2.

[Person in occupation of the property]

(4) Anybody interested in the property.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Kothi No. 588-R, Model Town, Jullundur City as registered *vide* Regd. Deed No. 4717/July, 1975 in the o/o S.R. Jullundur.

RAVINDER KUMAR
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 9-2-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Sh. Darbara Singh s/o Sh. Narain Singh,
588-R, Model Town, Jullundur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 9th February 1976

Ref. No. AP 1457.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Jullundur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in June, 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

(2) 1. Sh. Piara Singh s/o Sh. Harnam Singh.

2. Smt. Mohinder Kaur w/o Sh. Piara Singh,
588-R, Model Town, Jullundur.

(Transferee)

(3) At S. No. 2.

[Person in occupation of the property]

(4) Anybody interested in the property.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Kothi No. 588-R, Model Town, Jullundur City as registered *vide* Regd. Deed No. 4745/July, 1975 in the o/o S.R., Jullundur.

RAVINDER KUMAR
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 9-2-1976

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Shri Dalip Singh s/o Mihan Singh,
R/o Nahal, Teh. Jullundur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Pritam Singh s/o Dalip Singh,
s/o Mihan Singh,
R/o Nahal, Teh. Jullundur.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 9th February 1976

Ref. No. AP 1458.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule

situated at V. Nahal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jullundur in June, 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely :—

(3) At S. No. 2.
[Person in occupation of the property](4) Anybody interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at village Nahal as registered *vide* Regd. Deed No. 3513 of June, 1975 of S.R. Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 9-2-1976

Seal :

FORM ITNS—

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR.**

Jullundur, the 11th February 1976

(1) Smt. Devinder Kaur w/o Iqbal Singh & Harnam Kaur w/o Shri Pritam Singh, R/o Kushoo Chahal.

(Transferor)

(2) S/Sh. Gurdial Singh, Pal Singh, Santokh Singh and Jaswant Singh S/o Shri Pritam Singh, s/o Sh. Ram Singh, R/o Samrai Tehsil, Jullundur.

(Transferee)

(3) At S. No. 2,

[Person in occupation of the property]

(4) Anybody interested in the property.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. AP 1459.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per Schedule situated at Jullundur

situated at Jullundur
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in June, 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd portion of plot No. 16, Defence Colony, Jullundur v/d Regd. Deed No. 2355/June, 1975 of S.R. Jullundur.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

RAVINDER KUMAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date: 11-2-1976

Seal :

FORM ITNS—

- (1) Smt. Harnam Kaur w/o Shri Pritam Singh,
R/o Kushu Chahal, Distt. Kapurthala.
(Transferor)
- (2) S/Sh. Gurdial Singh, Pal Singh, Santokh Singh and
Jaswant Singh S/o Shri Pritam Singh s/o
Sh. Ram Singh,
R/o Samrai Teh., Jullundur.
(Transferee)

- (3) At S. No. 2.
[Person in occupation of the property]
- (4) Anybody interested in the property.
[Person whom the undersigned knows
to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Jullundur, the 11th February 1976

Ref. No. AP 1460.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-, and bearing No.

as per Schedule

situated at Jullundur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jullundur in June, 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

1/3rd portion of plot No. 16, Defence Colony, Jullundur
vide Regd. Deed No. 2356/June, 1975 of S.R. Jullundur.

RAVINDER KUMAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 11-2-1976

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269B of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-****SIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE,****JULLUNDUR**

Jullundur, the 12th February 1976

Ref. No. AP 1461.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per Schedule situated at Jullundur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in August, 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Balbir Singh s/o Sh. Pritam Singh of Kasso Chahal, Distt. Kapurthala. (Transferor)
- (2) S/Sh. Gurdial Singh, Pal Singh, Santokh Singh and Jaswant Singh S/o Shri Pritam Singh, R/o Samrai Dist. Jullundur. (Transferee)
- (3) At S. No. 2 [Person in occupation of the property]
- (4) Anybody interested in the property. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

1/3rd portion of Plot No. 16, Defence Colony, Court Road, Jullundur *vide* Regd. Deed No. 5210/August, 1975 of S. R. Jullundur.

RAVINDER KUMAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 12-2-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Sh Sidh Mal s/o Sh Guftar Mal,
R/o Ranik Bazar,
Jullundur City
(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) Sh Jagdish Kumar s/o Sh Amrit Lal Bhalla,
R/o E M No 41, Ratta Mohalla,
Jullundur City
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR**

(3) At S No 2
[Person in occupation of the property]
(4) Anybody interested in the property
[Person whom the undersigned knows
to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

Jullundur, the 12th February 1976

Ref No AP 1462—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No as per Schedule

situated at Jullundur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in June, 1975 for an apparent consideration

which is less than the fair market value

of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957),

THE SCHEDULE

Plot No 62 (1 K 1M 153 Sft), Rajender Nagar, Jullundur
Regd vide Dced No 2855/June, 1975 of S R Jullundur.

RAVINDER KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax
Acquisition Range, Jullundur

Now, therefore, in pursuance of Section 269 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

Date 12-2-1976
Seal

FORM ITNS

(1) S/Sh. Vir Singh & Buta Singh S/o
Sb. Hari Singh S/o Shri Hakim Singh,
K/o Kurala, Teh. Jullundur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 12th February 1976

Ref. No. AP 1463.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per Schedule situated at V. Kurala (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in June, 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(2) Shri Guabachan Singh s/o Shri Lakha Singh,
s/o Shri Gulab Singh,
R/o Vill. Reru now
R/o Kurala, Teh. Jullundur.

(Transferee)

*(3) At S. No. 2.

(Person in occupation of the property).

*(4) Anybody Interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

60 K 17 M land at V. Kurala as registered *vide* Deed No. 2655/June, 1975 in the office of the Sub-Registrar, Jullundur.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

RAVINDER KUMAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date . 12-2 1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Shahdev s/o Rajeshwar,
Civil Lines, Jullundur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 12th February 1976

Ref. No. AP 1464.—Whereas, I RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule
situated at Jullundur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in June, 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) S/Sh. Vijay Kumar, Ajay Kant S/o Dharam Pal C/o R. L. Aggarwal, Advocate, Jullundur.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2.
[Person in occupation of the property]
(4) Anybody interested in the property.
[Person which the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

5 M land at Civil Lines, Jullundur as registered vide Deed No. 3360/Junc, 1975 of S.R. Jullundur.

RAVINDER KUMAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date . 12-2-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Shahdev Singh S/o Shri Rajeshwar Singh,
Civil Lines, Jullundur.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 12th February 1976

Ref. No. AP. 1465.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under Section, 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Jullundur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in June, 1975. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) of the Said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act'. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely :—
18—486GI/75

(2) Shri Dharam Pal S/o Isher Dass C/o R. L. Aggarwal, Advocate, Jullundur.
(Transferee)

*(3) At S. No. 2.
(Person in occupation of the property).

(4) Anybody interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the Said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

5 M Land at Civil Lines, Jullundur registered vide Deed No. 3361/June, 75 O/O S. R. Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisition Range, Jullundur

Date : 12-2-1976.

Seal :

FORM ITNS

(1) S/Shri Sardara Singh Girdhara Singh S/o Shri Shiv Singh R/o Bal Teh. Jullundur.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 12th February 1976

Ref. No. AP. 1466.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Vill. Bal
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Jullundur in June, 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(2) S/Shri Mewa Singh, Dalbir Singh S/o Shri Gian Singh, Shri Tirath S/o Avtar Singh, S/o Shri Gurbachan Singh R/o V. Bal Teh. Jullundur.
(Transferee)

"(3) At S. No. 2.
(Person in occupation of the property).

"(4) Anybody interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

30 K and 12½ Marlas land at V. Bal Registered vide Deed No. 2158/June, 1975 of S. R. Jullundur.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax,
Acquisition Range, Jullundur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 12-2-1976
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Birinder Singh S/o Shri Charanjit Singh S/o
Shri Narain Singh R/o Basti Bawa Khel Jullundur.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 12th February 1976

Ref. No. AP. 1467.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Jullundur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Jullundur in June, 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the 'Said Act,' to the following persons, namely :—

(2) Shri Gurdial Singh Dhillon S/o Shri Sant Singh Dhillon R/o Nangal, Kararkhan.
(Transferee)

(3) At S. No. 2.
(Person in occupation of the property).

(4) Anybody interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act,' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

7 Kanal 15 3/4 Marla land at Basti Bawa Khel, Jullundur vide Regd. Deed No. 2330/June, 1975 of Registering Authority, Jullundur

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisition Range, Jullundur

Date : 12-2-1976.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Maghar Mal S/o Lala Gurditta Mal S/o Shri Ganga Ram R/o Mukerian Teh. Dasoya.
(Transferor)

(2) Shri Swaran Kumar S/o Hakim Gurdas Ram S/o Hakim Rala Ram, Main Bazar, Mukerian Teh. (Transferee)

(3) At S. No. 2,
(Person in occupation of the property).

(4) Anybody interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. AP. 1468.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Mukerian (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mukerian in June, 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely :—

THE SCHEDULE

One Shop in Main Bazar, Mukerian Regd. Deed No. 816/ June, 1975 of S. R. Mukerian.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisition Range, Jullundur

Date : 12-2-1976.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shrimati Narain Kaur Wd/o Shri Makhan Singh
S/o Shri Kanhiya Singh R/o Barnala Kalan,
(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) The Vishal Co-operative House Building Society
Limited, Nawanshahr.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 12th February 1976

Ref. No. AP. 1469.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Barnala Kalan (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nawanshahr in June, 1975.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(3) At S. No. 2,
(Person in occupation of the property).

(4) Anybody interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

(b) facilitating the concealment of any income or of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or;

THE SCHEDULE

6 Kanal land at Baranala Kalan Registered vide Deed No. 1692/June, 1975 of Registering Authority, Nawanshahr.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisition Range, Jullundur

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act' to the following persons namely :—

Date : 12-2-1976.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Mahesh Chander Satish Kumar S/o Shri Jagan Nath, Banga.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 12th February 1976

Ref. No. AP. 1470.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Banga, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Nawanshahr in June, 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Shrimati Santosh Rani w/o Shri Raj Kumar, Banga.
(Transferee)

(3) At S. No. 2.
(Person in occupation of the property).

(4) Anybody interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

6 Kanal 3 Marlas land at Banga registered vide Deed No. 1116 of June, 1975 of Registering Authority, Nawanshahr.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisition Range, Jullundur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 12-2-1976.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Jawala Singh S/o Shri Sewa Singh R/o Village
Gole Pind.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 12th February 1976

Ref. No. AP. 1471.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at V. Gole Pind, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in June, 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (2) Shri Harjinder Singh S/o Swarn Singh R/o Village Kandola Teh. Jullundur.
(Transferee)
- (3) At S. No. 2,
(Person in occupation of the property).
- (4) Anybody interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

40 Kanal 19 Marlas land at V. Gole Pind, Registered vide Deed No. 2386/June, 1975 of Registering Authority, Jullundur.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisition Range, Jullundur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

Date : 12-2-1976.
Seal .

FORM ITNS

(1) Shri Gurdip Singh S/o Shri Piara Singh S/o Shri Inder Singh, R/o Goraya Tch. Phillaur,
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Gurbux Finance P. Ltd. Phagwara C/o Shri Sadha Singh, Mg. Director.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

- (3) At S. No. 2.
(Person in occupation of the property).
(4) Anybody interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Jullundur, the 12th February 1976

Ref. No. AP. 1472.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Goraya (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Phillaur in June, 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated.

in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act,' in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Property at Goraya as registered vide Deed No. 1558/ June 1975 of S. R. Phillaur.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

Date : 12-2-1976.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE
JULLUNDUR

Jullundur, the 12th February 1976

Ref. No. AP. 1473.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per Schedule situated at Goraya, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phillaur in June, 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

19—486GI/75

- (1) Shri Kirpal Singh S/o Piara Singh R/o Goraya Teh. Phillaur.
(Transferor)
- (2) M/s Gurbux Finance P. Ltd. Phagwara.
(Transferee)
- (3) At S. No. 2.
(Person in occupation of the property)

- (4) Anybody interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Goraya as registered vide Deed No. 1266/ June, 1975 of S. R. Phillaur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 12-2-1976,

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Raghubir Kaur w/o Shri Piara Singh,
R/o Goraya.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

JULLUNDUR

Jullundur, the 12th February 1976

Ref. No. AP/1474.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Goraya (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phillaur in June, 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely :—

(2) Gurbux Finance P. Ltd. Phagwara.

(Transferee)

(3) At S. No. 2.
(Person in occupation of the property).(4) Anybody interested in the property
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Goraya as registered vide Deed No. 1198/ June, 1975 of S. R. Phillaur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 12-2-1976.

Seal :

FORM ITNS(1) Smt. Raghbir Kaur w/o Shri Piara Singh,
R/o Goraya.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Gurbux Finance P. Ltd. Phagwara,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,

JULLUNDUR

Jullundur, the 12th February 1976

Ref. No. AP. 1475.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Goraya (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phillaur in June, 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

(3) As S. No. 2.
(Person in occupation of the property).(4) Anybody interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Goraya as registered vide Deed No. 843/June, 1975 of S. R. Phillaur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 12-2-1976.

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME****TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,**

ACQUISITION RANGE, JULIUNDUR

Jullundur, the 13th February 1976

Ref. No. AP. 1476.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Jullundur, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in June, 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons namely :—

- (1) Shri Om Parkash S/o Shri Amin Chand, N. A. 355, Krishan Pura, Jullundur City.
(Transferor)
- (2) S/Shri Gurdial Singh S/o Shri Darbara Singh S/o Shri Trilok Singh and
(2) Shri Surjit Singh S/o Trilok Singh s/o Khazana R/o Bye Pass, Jullundur.
(Transferee)
- (3) At S. No. 2.
(Person in occupation of the property).
- (4) Anybody interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Jullundur City as registered vide Deed No. 2699/ June, 1975 of S. R. Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 13-2-1976
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Sunder Singh, s/o Shri Boota Singh Munakha,
R/o Village Jhoraran, Tehsil Jagraon.
(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH
156, SECTOR 9-B,

Chandigarh, the 12th February 1976

Ref. No. JGR/1304/75-76.—Whereas, I, V. P. MINOCHA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land, measuring 87 kanal and 2½ marla, situated at Village Jhoraran, Tehsil Jagraon, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jagraon in July, 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the 'said Act' or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

(2) Sarvshri
(1) Ajai Singh.
(2) Mohinder Singh.
(3) Joginder Singh, S/o Shri Santa Singh,
R/o Village Malak, Tehsil Jagraon, District Ludhiana
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 87 kanal and 2½ marla :
Land 13½ marla 3/4th share of land 18 marla,
Khata No. 376/432, Khasra No. 199/1-256/1 Jamabandi for the year current of Village Malak,
Land 86 kanal 9 marla, Khata No. 328/423, 329/424, Rect. No. 46, Killa No. 16/1-16/2-16/3-25, Rect. No. 47, Killa No. 2/1-3/1-7/2-8/2-9-11-12/1-12/2-22-19'-19' 2-20-21 Jamabandi for the year 1971-72 of Village Jhoraran, Tehsil Jagraon.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 2145 of July, 75, of the Registering Officer, Jagraon).

V. P. MINOCHA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisition Range, Chandigarh

Date : 12-2-1976.
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Dial Singh S/o Shri Mall Singh, R/o Village Rasulpur Pargana Hathur, Tehsil Jagraon.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH

156, SECTOR 9-B,

Chandigarh, the 12th February 1976

Ref. No. JGR/1367/75-76.—Whereas, I, V. P. MINOCHA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land measuring 54K and 10M situated at Village Rasulpur Pargana Hathur, Teh. Jagraon, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jagraon in June, 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely :—

Sarvshri
 (2) (1) Mukhtiar Singh,
 (2) Kartar Singh,
 (3) Dalbara Singh,
 (4) Avtar Singh,
 (5) Kaptaan Singh,
 (6) Gurba Singh,
 } Sons of Puran Singh
 R/o Village Rasulpur Pargana Hathur, Tehsil Jagraon, District Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land 54 kanal and 10 marla 1/3rd share out of total land measuring 163 Kanal and 10 Marla, situated in Village Rasulpur Pargana Hathur, Tehsil Jagraon.
 Khata No. 971/1362—1363, 972/1364—1365, 973/1366—1367, 974/1368,
 Rect. No. 144, Killa No. 24—24—4—5—6—7—8—9—12—14—15—19—13—18—3/2—17—15,
 Rect. No. 145 Killa No. 21/1, Rect. No. 119, Killa No. 18/1—24—25—16—17 Jamabandi for the year 1972-73.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 1268 of June 1975 of the Registering Officer, Jagraon).

V. P. MINOCHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Chandigarh.

Date : 12-2-1976.

Seal :

FORM ITNS

(1) M/s D.L.F. United Limited,
40-F, Connaught Place, New Delhi-110001.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH
156, SECTOR 9-B,

Chandigarh, the 11th February 1976

Ref. No. BGR/(DLI)/1348/75-76.—Whereas, I, V. P. MINOCHA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Vacant Plot No. 63, Industrial Area No. I, Mathura Road, situated at Faridabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in July, 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) (1) Shri G. S. Bhalla,
(2) Shri D. S. Bhalla, S/o Bawa Sant Singh Bhalla,
House No. W.H. 200, G. T. Road, Jullundur City.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant Plot No. 63, Industrial Area No. I, Mathura Road, Faridabad.

V. P. MINOCHA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisition Range, Chandigarh

Date : 11-2-1976.
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s DLE United Limited,
40-I, Connaught Place, New Delhi-110001.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH
156, SECTOR 9-B,

Chandigarh, the 11th February 1976

Ref. No. BGR/(DLI)/1336/75-76.—Whereas, I, V. P. MINOCHA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Vacant Plot No. C-1/11, Sector 11, Model Town, situated at Faridabad, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at at Delhi in July, 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant Plot No. C-1/11, Sector 11, Model Town, Faridabad.

V. P. MINOCHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Chandigarh

Date : 11-2-1976.
Seal :

FORM 1TNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 27th January 1976

Ref No. 4465/75-76/ACQ/B.—Whereas, I, R. KRISHNAMOORTHY, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. A piece and parcel of converted Northern portion of the vacant plot of land forming a part of Survey Nos. 12/1 and 12/2 of Agrahara Thimmasandra, situated at Bangalore (Division No. 38), (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Basavanagudi, Bangalore Document No. 1107/75-76 on 16-6-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

20—486GI/75

(1) (1) Shri N Venkatesalu Naidu, Alias N. V. Naidu
S/o Late Shri S Narayana swamy Naidu.
(Transferor)

(2) Sri V. Om Prakash (Minor) represented by his father and Natural Guardian the aforesaid Shri N. Venkatesalu Naidu, Both residing at Bharati Niwas, No. 73, Cross Road, Near T.P. Mill Circle, 5th Main Road, Chamrajpet, Bangalore-18.

(2) Shri Dayalu Vaidya, S/o Mulshanker Vaidya, No. 21, IV Cross, Jayachamaraja Road, Bangalore-2.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered document No 1107/75-76 dated 16-6-1975)

A piece and a parcel of converted Northern portions of the vacant plot of land forming a part of S. No. 12/1 and 12/2 of Agrahara Thimmasandra, Bangalore. (Division No. 38).

Site Area :

East to West : On the Northern Side, 92 feet.
East to West : On the Southern side 94 feet.
North to South On the Eastern side 34 feet.
North to South : On the Western side 40 feet.

Boundaries :

East : Road
West : Private properties
North : Land bearing S. No. 9/1 belonging to the purchaser and
South : Portion of S. No. 12/1 and 12/2 belonging to the vendors.

R. KRISHNAMOORTHY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax, Acquisition Range,
Bangalore.

Date : 27-1-1976.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri A. Anthony Michael, S/o late Subedar A. Michael, No. 2, Chinnaswamy Pillai Road, Jaya Bharathinagar, Bangalore-53.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 27th January 1976

Ref. No. 62/4631/75-76/ACQ/B.—Whereas, I, R. KRISHNAMOORTHY, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No Converted land measuring one acre and 39 guntas, in S. No. 102, K. G. Baidarahalli Village, Civil Station, Bangalore, situated at Civil Station, Bangalore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gandhinagar, Bangalore, Document No. 1279/75-76 on 17-6-1975,

for an apparent consideration which is less than the market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

(2) Janab K. Abdul Basith Khan, S/o Late Sattar Khan, Upstairs, No. 22, Circular Street, Shanthinagar, Bangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered document No. 1279/75-76 dated 17-6-1975)
Converted land measuring one acre and 39 guntas in S. No. 102 K. G. Baidarahalli, Civil Station, Bangalore.
Boundaries .

North : Land belonging to Khayam Guttedar and Survey No. 79 (now Road running from Munireddy Palyam to Chinnappa Garden).
South : Khayam Gutta Majere Ramaswamy Palya, Known as Gramatana.
East : Survey No. 101 (now by Nandidurg Cross Road) and Gramatana.
West : Survey No. 103 of K. G. Baidarahalli Village, Civil Station, Bangalore.

R. KRISHNAMOORTHY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date : 27-1-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri T. Subbarayappa, S/o Thimmaiah, No. 16,
15th Cross, Cubbonpet, Bangalore-2,
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 22nd January 1976

Ref No. 62/4632/75-76/ACQ/B.—Whereas, I, KRISHNA-MOORTHY,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Portion of premises Old No. 96, New Nos. 115/220, 116/219, 117/218 and 118/27 situated at Cubbonpet Main Road, Bangalore,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar, Bangalore, Document No. 1283/75-76 on 18-6-1975.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section 1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

(2) Shri B. Parameswariah, S/o Basaiah, Pr. in M/s. Janardhana Silk House, P.B. No. 6865, 4, 26th Cross, Cubbonpet Bangalore-2.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(b) by any other person interested in the said of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered document No. 1287/75-76, dated 18-6-1975).
Portion of premises Old No. 96 and New Nos. 115/220, 116/219, 117/218 and 118/27 situated at Cubbonpet Main Road, Bangalore.

Site Area :

East : 14 feet.	}	940 Sq. ft.
West : 33 feet.		
North : 40 feet and		
South : 40 feet.		

Boundaries :

East : L.I.C. Building.
West : Property belonging or retained by the vendor
North : Basappa Park Road and
South : Private property.

R. KRISHNAMOORTHY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 22-1-1976.

Seal .

FORM ITNS

(1) Kumari Reena Dutt D/o Sri G. L. Dutt No. 125,
Kilari Road, Bangalore City.
(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27**

Bangalore-27, the 22nd January 1976

Ref. Nt. 62/4641/75-76/ACQ/B—Whereas, I. R. KRISHNAMOORTIY, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House No. 208 situated at Cubbonpet Main Road, Bangalore-2 (Division No. 43), (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gandhinagar, Bangalore Document No. 1380/75-76 on 25-6-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any monies or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Shri R. Chick Muniyappa S/o Sri P. C. Rajappa, No. 38, Mohidden Sab Lane, Jumma Masjid Road Cross, Bangalore-2.
(Transferee)

(3) Mr. R. J. Anthony.
(Persons in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered document No. 1380/75-76, dated 25-6-1975)
House No. 208, Cubbonpet Main Road, Bangalore-2.
(Division No. 43)

Site Area :

East to West : On the Northern side 43 feet.
East to West : On the Southern side 47 feet.
North to South : On the Eastern side 46 feet and
North to South : On the Western side 27 feet.

Boundaries

East : House belonging to Shri Raju Mudaliar,
West : 7th Cross Road,
North : House belonging to Kumari Reena Dutt of
No. 1/18 and
South : Cubbonpet Main Road.

R. KRISHNAMOORTIY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 22-1-1976.

Seal .

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 28th January 1976

Ref. No. 62/4485/75-76/ACQ/B.—Whereas, I, R. KRISHNAMOORTHY,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore,
being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. Corner Vacant site bearing No. 133 in Binnamangala Layout now known as Indiranagar Layout, situated at Bangalore-38.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Shivajinagar, Bangalore, Document No. 1124/75-76 on 28-6-1975,

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'said Act,' to the following persons, namely :—

- (1) (1) Mr. Norbert Joseph Philip Vas,
(2) Mrs. Christine Philomina Vas W/o Mr. Norbert Joseph Philip Vas both residing at No. 43, Wellington Street, Richmond Town, Bangalore-25.

(Transferor)

- (2) Shri K. Narayanan, No. 3/4, 'B' Cleveland Road, Fraser Town, Bangalore-5.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered document No. 1124/75-76, dated 28-6-1975)
Corner Vacant site bearing No. 133, in Binnamangala Layout now known as Indiranagar Layout, Bangalore-38.

Site Area :

East to West : 61 feet 6 inches.	}	2440 sq feet
North to South : 40 feet		

Boundaries :

North : Site No. 134,
South : Layout Road,
East : Site No. 172 and
West : Layout Road.

R. KRISHNAMOORTHY,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisition Range, Bangalore

Date : 28-1-1976.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri T. I. V. Rao S/o Shri Laxman Rao R/o
Jehangirabad, Bhopal.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Kishanlal Idla S/o Shri Murlidhar Idla C/o
119 Malviya Nagar, Bhopal.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 12th February 1976

Ref No. IAC/ACQ/BPL/75-76.—Whereas, I, V. K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'). have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Half south side portion of House No. 44 situated at Malviya Nagar, Bhopal situated at Bhopal, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on 25-6-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Half south side portion of House No. 44 situated at Malviya Nagar, Bhopal.

V. K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisition Range, Bhopal

Date : 12-2-1976.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Kamman, 2. Shri Pasak, 3. Shri Rajeem S/o Dhunun Gaur, R/o Village Titurdih, Distt. Durg.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Smt. Asha Lata W/o Shri Ramesh Kumar, 2. Smt. Prabha Jain W/o Shri Rajendra Jain, 3. Smt. Puspelata W/o Shri B. K. Gupta, Bhilai Nagar.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, PHOPAL

Bhopal, the 12th February 1976

Ref. No IAC/ACQ/BPL/75-76.—Whereas, I, V. K. SINHA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 2.85 acres of agricultural land situated at Titurdih Village, Near Durg Station situated at Durg.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Durg on 10-6-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein, as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

2.85 acres of agricultural land situated at Titurdih Village, Near Durg Station.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

V. K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date : 12-2-1976.

Seal :

FORM I I N S

(1) Shri Surendra Prasad Agarwal R/o Ghanga Teh
and District Durg
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt Bidamu Bai Wd/o Shri Suklal Jain R/o
Jawahai Chouk, Durg
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 12th February 1976

Ref No IAC/ACQ/BPL/75-76—Whereas, I, V K SINHA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

No Single storey house situated in Maithal Para Near Maruti Temple Ward No 23, P H No 78, R No 269, Teh and District Durg situated at Durg,

(and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Durg on 2-7-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated is the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

I XPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Single storey house situated in Maithal Para Near Maruti Temple Ward No 23 P H No 78, R No 269, Teh and District Durg.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

V K SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection(1) of Section 269D of the Said Act to the following following persons, namely:—

Date 12-2 1976.

Seal ,

FORM ITNS—

(1) Shri Jyoti Bhoosan Pratap Singh R/o Pratap Bhavan,
Tilak Nagari, Chata-para, Bilaspur.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 12th February 1976

Ref No. IAC/ACQ/BPL/76-77.—Whereas, I, V. K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. Single storey house at Rani Road, Korba situated at Korba, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gilaspur on 30-7-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

21—486GI/75

(2) Shri Manohar Singh S/o Kesar Singh C/o Darshan Singh S/o Keshar Singh, R/o Rani Road, Korba, District Bilaspur.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

Single storey house at Rani Road, Korba,

V. K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date : 12-2-1976.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Kailash Prasad S/o Jagannath Prasad alias Jagannath Prasad Gar, R/o Thandi Sadak, Murar, Gwalior.
Shri Jagatnarayan Bighichandji Vaishya, R/o Thandi Sadak, Murar, Gwalior.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

(2) M/s. Shyam Land Dealers, Naya Bazar, Lashkar (R.F.) Partners—Shri Padam Kumar Garg, and Vijaya Kumar Garg, C/o M/s. Ramprasad Ramnarayan, Krishna Bhavan, Naya Bazar, Lashkar, Gwalior.

(Transferee)

Bhopal, the 12th February 1976

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/76-766.—Whereas, I, V. K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. agricultural and non-agricultural lands situated at Gole-ka-Mandar Road, Murar situated at Murar, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gwalior on 23-9-1975, for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Agricultural and non-agricultural land situated at Gole-ka-Mandar Road, Murar, Gwalior.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

V. K. SINHA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely.—

Date : 12-2-1976.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 12th February 1976

Ref No. IAC/ACQ/BPL/76-77.—Whereas, I, V. K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act' have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. agricultural and non-agricultural lands situated at Goleka-Mandar Road, Murar situated at Gwalior, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gwalior on 23-9-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of the 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Murarlal S/o Munshilal Garg, R/o Thandi Sadak, Murar, Shri Bhagwati Prasad, Omprakash, Jayaprakash alias Jayanarayan S/o Munshilal Garg, all R/o Dal Bazar, Lashkar.

(Transferor)

(2) M/s. Shyam Land Dealers, Naya Bazar, Lashkar (R.F.) Partners—Shri Padam Kumar Garg, Vijay Kumar Garg, C/o M/s. Ram Prasad Ramnarayan, Krishna Bhavan, Naya Bazar, Lashkar, Gwalior.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural and non-agricultural lands situated at Goleka-Mandar Road, Murar.

V. K. SINHA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisition Range, Bhopal

Date : 12-2-1976.

Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. D.L.F. United Ltd.,
40-F, Connaught Place, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
4-A/14, ASAFA ALI ROAD, 3RD FLOOR,
NEW DELHI

New Delhi, the 31st January

Ref. No. IAC/Acq.I/SR.III/June-I/26/824.—Whereas, I, C. V. GUPTE, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. W-27, situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in 4-6-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) M/s. Hindusthan National Glass & Industries Ltd., Bahadur Gath (Rohtak). (Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A plot of land bearing No. W-27, measuring 1522 sq. yds. situated in a residential colony known as Greater Kailash-II, village Bahapur, in the Union Territory of Delhi, and bounded as under :—

North : Plot No. W-29
South : Plot No. W-25
East : Road
West : Colony Boundary.

C. V. GUPTE,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi

Date : 31-1-1976

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s. D.L.F. United Ltd.,
40-F, Connaught Circus, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Shashi Wahal w/o Shri K. N. Wahal,
r/o N-194, Greater Kailash-I, New Delhi.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
4-A/14, ASAFA ALI ROAD, 3RD FLOOR,
NEW DELHI

New Delhi, the 10th February 1976

Ref No. IAC/Acq I/SRIII/818/June-I(20)/75-76.—
Whereas, I, C. V. GUPTE,
being the Competent Authority under
Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to
believe that the immovable property, having a fair market
value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
S-523, situated at Greater Kailash-II, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred
under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
New Delhi on 4-6-1975,
for an apparent consideration
which is less than the fair market value of the aforesaid pro-
perty and I have reason to believe that the fair market value
of the property as aforesaid exceeds the apparent con-
sideration therefor by more than fifteen per cent of
such apparent consideration and that the consideration
for such transfer as agreed to between the parties has not
been truly stated in the said instrument of transfer with
the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the Said Act, in
respect of any income arising from the transfer; and/
or
- (b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not
been or which ought to be disclosed by the
transferee for the purposes of the Indian Income-tax
Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the
Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-
tion (1) of Section 269D of the Said Act to the following
persons, namely—

Objections, if any, to the acquisition of the said pro-
perty may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the res-
pective persons, whichever period expires later;
- (b) by the other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used here-
in as are defined in Chapter XXA of the
said Act, shall have the same meaning as
given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A free-hold plot of land measuring 474.6 Sq. yds bearing
No. S-523 in the residential colony known as Greater
Kailash-II situated at village Bahapur in the Union Territory
of Delhi and bounded as under :—

North : Road
South : Service Lane
East : Plot No. S-525
West : Plot No. S-523-A.

C. V. GUPTE,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi

Date : 10-2-1976

Seal .

FORM ITNS

(1) M/s. D.L.F. United Ltd.,
40-F, Connaught Place, New Delhi.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) S. Jasvinder Singh s/o S. Dharam Singh,
r/o 2-A/140, Saifdang Enclave, New Delhi.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
4/14A, ASAFA ALI ROAD, 3RD FLOOR, NEW DELHI

New Delhi, the 13th February 1976

Ref. No. IAC/Acq.I/820(22)/75-76.—Whereas, I, C. V. GUPTA, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. M-155, situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on 4-6-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any Moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1972 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter, XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A freehold plot of land measuring 400 sq. yds. bearing No. M-155, in residential colony known as Greater Kailash-II, situated at Village Bahapur in the Union Territory of Delhi & bounded as under :—

North : Plot No. M-153
South : Plot No. M-157
East : Service Lane
West : Road.

C. V. GUPTA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,

Date : 13-2-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. D. L. F. United Limited,
40-F, Connaught Place, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Smt. Charanjit Kaur Bedi w/o
Shri Wishwa Mitter Bedi r/o
15/14-A, Tilak Nagar, New Delhi-18.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I

4/14A, ASAFA ALI ROAD, 3RD FLOOR, NEW DELHI

New Delhi-110001, the 13th February 1976

Ref. No. IAC/Acq.I/821/June-I(23)/75-76.—Whereas, I, C. V. GUPTE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. W-19, situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 4-6-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A freehold plot of land measuring 1005 sq. yds and bearing No. W-19, in the residential colony known as Greater Kailash-II, situated at village Bahapur, in the Union Territory of Delhi, bounded as under :

North : Road
South : Colony Boundary
East : Plot No. W-17
West : Plot No. W-21.

C. V. GUPTE,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Date : 13-2-1976
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Ramadhar s/o Shri Gayadin Prasad,
Partner of Ramadhar & Company, 35,
Hanuman Road, New Delhi-I.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
4/14A, ASAFA ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi-110001, the 12th February 1976

Ref. No. IAC/Acq./857/June-II/(30)75-76.—Whereas, I, C. V. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/3rd of Plots 9 & 10 situated at N.D.S.E. Part-I, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 25th June, 1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons namely:—

(2) Shri Rajinder Singh s/o Shri Surajmal,
r/o Bahadurgarh (Haryana).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One-third share in the plots bearing Nos. 9 and 10 measuring 671 $\frac{1}{2}$ sq. yds each situated in N.D.S.E. Cooperative Colony, N.D.S.E. Part-I, New Delhi.

Both the plots are bounded as under:—

North : Service Land 15' wide

South : Ring Road

East : House on plot No. 8

West : House on plot No. 11.

C. V. GUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Date : 12-2-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Subhash Chand Seth,
s/o Shri Devki Nandan Seth,
r/o 8901, Naya Mohalla Pul Bangash, Delhi
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt Santosh Bal Bagga w/o
Shri Sudesh Kumar Bagga,
r/o 17/4 West Patel Nagar, New Delhi
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
4-A/14 ASAF AII ROAD, 3RD FLOOR, NEW DELHI

New Delhi, the 12th February 1976

Ref No IAC/Acq II/2153/1073/75-76—Whereas, I, S N L. AGARWALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

Flat No 9, situated at Municipal Market, Ramesh Nagar, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in June, 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely —

22—486GI/75

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No 9 situated in Municipal Market, Ramesh Nagar, New Delhi constructed on a plot of land measuring 865 12 sq fts

S. N. L. AGARWALA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date 12-2-1976

Seal

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.
ACQUISITION RANGE-I,
4-A/14, ASAFA ALI ROAD, 3RD FLOOR,
NEW DELHI

New Delhi, the 12th February 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/2122/1074/75-76.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

First floor of flat No. 19, situated at Lehna Singh Market, Subzi Mandi, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Delhi in June, 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :

(1) 1. S/Shri Jagat Ram,
2. Om Parkash,
3. Moti Lal sons of Shri Girdhari Lal,
r/o Flat No. 19 Lehna Singh Market,
Subzi Mandi, Delhi through their general
attorney Shri Dilbagh Rai Vohra s/o L. Bragat
Ram Vohra,
r/o Flat No. 19 Lehna Singh Market,
Subzi Mandi, Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Santosh Vohra w/o Shri Dilbagh Singh, Vohra,
r/o Flat No. 19 Lehna Singh Market,
Subzi Mandi, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

First floor of flat at No. 19 Lahna Singh Market, Subzi Mandi, Delhi constructed on a plot of land 116 sq. yds (land charged to first floor=1/3rd) and bounded as under :—

North : Passage below.
South : Open compound of market.
East : Flat No. 18.
West : Flat No. 20.

S. N. L. AGARWALA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date : 12-2-1976

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II,
4-A/14, ASAFA ALI ROAD, 3RD FLOOR,
NEW DELHI

New Delhi, the 13th February 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/2107/1075/75-76.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. F-25, Rajouri Garden, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registration Officer at Delhi in June, 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act,' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act,' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely :—

- (1) 1. Smt. Lajwanti widow of Shri Bhagwan Dass, r/o A-5/55, Moti Nagar, New Delhi herself and also mother and natural guardian of her sons Jagmohan.
2. Surinder Mohan
3. Smt. Promila
4. Chander Mohan
5. Sh. Devinder Mohan
6. Sh. Sushil Mohan, r/o A-5/55, Moti Nagar, New Delhi.

(Transferor)

- (2) Smt. Harbans Kaur Suri w/o S. Arjan Singh Suri, r/o A-2/59 Rajouri Garden, New Delhi-27.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Piece of free-hold plot of land bearing plot No. 25 in Block 'F' measuring 262 sq. yds. situated in the colony known as Rajouri Garden, New Delhi area of village Bassai Darapur, Delhi and bounded as under.—

North :: Road.

South : House on plot No. F-65.

East : House on plot No. F-38.

West : House on plot No. F-39.

S. N. L. AGARWALA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date : 13-2-1976

Seal :

FORM ITNS—

(1) 1. Shri Amarbhai s/o Shri Motibhai,
r/o XVII/2581, Ranjit Nagar, Shahdipur,
Delhi-8.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. Anita Devi w/o
Shri Paras Ram, r/o
2373/IA, Shadi Khampur,
New Delhi-8.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
4-A/14, ASAFA ALI ROAD, 3RD FLOOR,
NEW DELHI

New Delhi, the 12th February 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/2132/1076/75-76.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. XVII/2581 Gali Mandir Wali, situated at Ranjit Nagar, Shahdipur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in June, 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House built on a plot of land measuring 100 sq. yds situated at No. XVII/2581 Gali Mandir Wali Ranjit Nagar, Shahdipur, Delhi and bounded as under :—

North : Passage
South : Others property
East : Others property
West : Arya Samaj Mandir

S. N. L. AGARWALA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date : 12-2-1976

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II
4-A/14, ASAFA ALI ROAD, 3RD FLOOR,
NEW DELHI

New Delhi, the 12th February 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/359/1077/75-76.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. A-13, situated at Azad Nagar, Shahdara, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at Delhi in June, 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons namely :—

- (1) Smt. Billo Wd/o Late Shri Padam Sen, r/o E-15/10, Krishan Nagar, Delhi-51, herself and natural guardian of her minor sons and daughters,
 - 1. Miss Poonam
 - 2. Miss Giano
 - 3. Sh. Gianseshwar Dutt
 - 4. Sh. Manoj Kumar.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Ram Avtar
- 2. Shri Ashwani Kumar s/o Shri Shori Lal Sehgal, both residents of 46/3-B/2, East Azad Nagar, Delhi-51.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Piece of land measuring 200 sq. yds situated at Plot No. 13 out of Khasra No. 974/287/1 in Block A at Village Ghaundi, abadi of Azad Nagar, Shahdara, Delhi and bounded as under :—

East : Gali

North : Plot No. 11

West : Road

South : Built up property on plot No. 15.

S. N. L. AGARWALA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date : 12-2-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Sohan Lal s/o Shri Ram Piara,
39/14, Ramesh Nagar, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II
4/14A, ASAF ALI ROAD,*
NEW DELHI

New Delhi, the 13th February 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/2159/1078/75-76.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 39/14, situated at Ramesh Nagar, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi in June, 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

- (2) Smt. Santosh Kumari w/o
Shri Sat Pal Dugal,
r/o F-509, Karampura, New Delhi.

(Transfreee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 116 sq. yds bearing plot No. 39/14 Ramesh Nagar, New Delhi and bounded as under :—

North : Road
South : Service Lane
East : Plot No. 39/13
West : Plot No. 39/15.

S. N. L. AGARWALA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date : 13-2 1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Ram Lal s/o Shri Sahib Ram,
r/o 2/51A, Moti Nagar, New Delhi.
(Transferor)

(2) Shri Rajinder Singh s/o
S. Labh Singh,
r/o D-27, Kirti Nagar, New Delhi.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II
4/14A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 13th February 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/2116/1079/75-76.—Whereas, I, S N L. AGARWALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. D 49, situated at Bali Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in June, 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A house constructed on a plot of land measuring 126 sq. yds situated at No. D-49, Bali Nagar, New Delhi and bounded as under :—

North : Road 30'
West : Plot No. D-48
East : Plot No. D-50
South : Lane 15'.

S. N. L. AGARWALA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely.—

Date : 13-2 1976
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II
4/14A, ASAFA ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 13th February 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/2084/1080/75-76.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/4 share of E-10, situated at Bali Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Delhi in June, 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) 1. Smt. Samurti Devi w/o Sh. Rajinder Kumar,
2. Smt. Ghogri w/o Sh. Rama Nand Chowdhary,
r/o Village Bassaidarapur, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Gian Chand s/o Sh. Sant Lal,
r/o A-106, Shardapuri, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4 undivided share in a plot of land measuring 312 sq. yds bearing plot No. E-10, Bali Nagar, area of Village Bassai Darapura, Delhi and bounded as under:—

North : Road and Park
South : Gali 15'
East : Plot No. 11
West : Plot No. 9.

S. N. L. AGARWALA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date : 13-2 1976
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II
4/14A, ASAFA ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 13th February 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/1081/360/75-76.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 25/6-C, situated at East Azad Nagar, Shahdara, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Delhi in June, 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957). .

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

23—486 GI/75

(1) Shri Jeevan Puri w/o Sh. Devi Dayal Puri, r/o B-Tank Patiala through Sh. Gopal Krishan s/o Sh. Devi Dayal Puri, r/o B-tank, Patiala (General power of Attorney). (Transferor)

(2) Shri Babu Daya Kishan, s/o Shri Ramji Dass, r/o 109/7, Tilak Bazar, Khari Boali, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Single storeyed house constructed on a plot of land measuring 210 sq. yds out of Khasra No. 734/152-153 bearing No. 25/6-C situated at East Azad Nagar, Shahdara Delhi.

S. N. L. AGARWALA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date : 13-2 1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Mohinder Lal s/o Sh. Balmukand, r/o 4/82, Ramesh Nagar, Delhi through general power of attorney Shri Amar Singh s/o Sh. Paruman Singh, r/o 4/82, Ramesh Nagar, Delhi,
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II,
4/14A, ASAFA ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 13th February 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/2179/1082/75-76.—Wheres, I.
S. N. L. AGARWALA,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.
4/82, situated at Ramesh Nagar, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the
Registration Act, 1908 (16 of 1908)
in the office of the Registering Officer at
Delhi in June, 1975.
for an apparent consideration which is
less than the fair market value of the aforesaid property and
I have reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer as
agreed to between the parties has not been truly stated in the
said instrument of transfer with the object of :—

(2) Smt. Jeet Kaur w/o Sh. Amar Singh,
r/o 4/82, Ramesh Nagar,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 100 sq. yds situated at No. 4/82
Ramesh Nagar, Delhi.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income
or any moneys or other assets which have
not been or which ought to be disclosed
by the transferee for the purposes of the Indian
Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the
said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of
1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

S. N. L. AGARWALA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date: 13-2 1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri R. Dhamodaran
S/o Shri P. A. Raju Chettiar,
No. 411, Vysial Street, Coimbatore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri R. Krishnan,
S/o Shri P. A. Raju Chettiar,
411 Vysial Street, Coimbatore.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-II.,
MADRAS-6

Madras-6, the 7th February 1976

Ref. No. F. 2550/75-76.—Wheeras, I, G. B. JHABAKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 16/110 to 112 and 17/113 to 116, Nawab Hahim Road and Ismail Rowther Street, Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at J.S.R.I., Coimbatore (Doc. No. 2578/75) on 26-6-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and bearing D. No. 16/100 to 112; and D. No. 17/113 to 116 (T. S. No. 618 and 619 Ward No. 2) situated at Nawab Hahim Road and Ismail Rowther Street, Coimbatore.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

G. B. JHABAKH,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-6

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely :—

Date : 7-2-1976

Seal :

FORM ITNS —**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-6**

Madras-6, the 7th February 1976

f. No. F. 2558/75-76.—Whereas, I, G. V. JHABAKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value T.S. No. 10/1776/1, exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at Ramanathapuram, Coimbatore (23½ cents) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at J.S.R.I. Coimbatore (Doc. No. 2215/75) on 4-6-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

(1) Shri K. S. Vaidyanathan
S/o Shri K. V. Subramania Iyer,
Ramanathapuram, Coimbatore.

(Transferor)

(2) The Premier Mills (Cbe) Ltd.
Pulankinar

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant site measuring 23½ cents and bearing T.S. No. 10/1776/1 Ramanathapuram, Coimbatore.

G. V. JHABAKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II,
Madras-6.

Date : 7-2-1976
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-6

Madras-6, the 7th February 1976

Ref. No. 2558/75-76.—Whereas, I, G. V. JHABAKH, being the Competent Authority under

Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

T.S. No. 10/1776/1,

situated at Ramanathapuram, Coimbatore (23½ cents) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at J.S.R.I., Coimbatore (Doc. No. 2216/75) on 4-6-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee, for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri K. S. Ramanatha Iyer;
2. Shri K. R. Subramanian;
3. Shri R. Ramamurthy;
4. Shri K. S. Chandrasekaran;
5. Sri K. S. Ramarathnam (Minor) S/o Shri K. R. Subramanian Coimbatore.

(Transferor)

- (2) The Premier Mills (Cbe) Ltd. M Pulankinar, Udumalpet.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XX-A of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land measuring 23½ cents and bearing T.S. No. 10/1776/1 (Municipal Ward No. 5) situated at Ramanathapuram, Coimbatore.

G. V. JHABAKH,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-6

Date : 7-2-1976

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-6

Madras-6, the 9th February 1976

Ref. No. IX/1/46/75476.—Whereas, I, G RAMA-NATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 44, situated at Parish Venkatachala Iyer Street, Madras-1 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras (Doc. No. 4915/75) on June, 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) M/s. S. A. M. Shamsudeen,
S A.M. Farook &
S. A. M. Jamaludeen,
262, Linghi Chetty Street, Madras-1.

(Transferor)

(2) M/s. V. P. Muthukumaraswamy, (1)
V. P. Lakshmanaswamy & (2)
V. P. Rathaswamy, and (3)
Mrs. M. Khanthimathi (4), wife of No. (1),
Mrs. L. Rathinambal (5), wife of No. (2) &
Mrs. R. Annapoorani (6), wife of No. (3),
No. 10, Kathuriranga Iyengar Road, Madras-18.
(Transferee)

(3) 1. M/s. V. Subramaniam & A. R. S. Sethuraman,
2. M/s.H. M. Nizamuddin,
3. India Textiles,
4. Madras Glass & Plywood Depot,
5. S. Jani Batcha,
6. N. P. Shahul Hameed.
7. Mujawar & Co.,

[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said Property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 1974 sq. ft. with building thereon at door No. (R.S. No. 5529/2), Parish Venkatachala Iyer Street, George Town, Madras-1.

G. RAMANATHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras 6

Date : 9-2-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri T. V. Balasubramania Chetty,
73, Narayana Mudali Street,
Madras-1.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri B. Vedachalam,
9, Muniappa Mudali Street,
Kondithope, Madras-1.
Madras-1.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
MADRAS-6

(3) M/s. Pandya & Co.,
M/s. Meeran Stores,
M/s. Manmull,
M/s. Bansali,
Roopchand,
M/s. Rangan.

[Person in occupation of the property]

Madras-6, the 9th February 1976

Ref. No. IX/1/51/JUNE/1975-76.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 73 situated at Narayana Mudali Street, Madras-1

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras (Doc. No. 4188/75) on 9-6-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

Land measuring 1890, sq. ft. with building thereon at door No. 73 (Patta No. 10802) Narayana Mudali Street, Madras-1.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1972 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

G. RAMANATHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-1, Madras-6

Date: 9-2-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. M. Selvaraman,
M/s. S. Ramakrishnan,
M/s. S. Balakrishnan,
No. 8, Landers Road,
Kilpauk, Madras-10.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,

MADRAS-6

Madras-6, the 9th February 1976

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 4 grounds and 322 sq. ft. with building thereon at door No. 3 (R. S. No. 154) Rajarathinam Street, Kilpauk, Madras-10.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

G. RAMANATHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6

Date : 9-2-1976

Seal :

FORM ITNS —

(1) Shri P. S. Sekhar,
12/4, Dewan Rama Iyengar Road,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) M/s. Ramlal & Lakshmidhand,
4, Perumal Mudali St.,
Madras-1.

(Transferee)

(3) Ranka & Co.,
K Babulal

[Person in occupation of the property]

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,

Madras-6, the 9th February 1976

Ref. No. IX/4/14/(JUNE)/1975-76.—Whereas, I. R. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 4, situated at Perumal Mudali Street, Madras-1 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Madras (Doc. No. 500/75) on 30-6-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 666 sq. ft. with building thereon at door No. 4 (R.S. Nos. 10684/2, 10684/3 and 10683/1) Perumal Mudali Street, Madras-1.

G. RAMANATHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition at the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

24—486GI/75

Date : 9-2-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. P. S. Durai, D. Ganesh & D. Satish,
5, Damodar Mudaliar Road, Kilpauk,
Madras-10.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) M/s. Kundanmal & Sitaram,
3, Perumal Mudali Street, Madras-1.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-6

Madras, the 9th February 1976

Ref. No. IX/4/15/75-76.—Whereas, I, G. RAMANATHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 3, situated at Perumal Mudali Street, Madras-1 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras (Doc. No. 499/75) on 30-6-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(3) M/s. Ranka & Co.,
M/s. Veerchand,
M/s. Kundanmal Vasraj,
M/s. Ramesh Traders &
M/s. S. Kannappa Pillai & Co.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land measuring 666 sq. ft. with building thereon at door No. 3 (R. S. No. 10683/2) Perumal Mudali Street, Madras-1.

G. RAMANATHAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

Date : 9-2-1976

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) 1. Shri Rakkappan,
2. Shri Kannappan,
3. Subramaniam &
4. Shri Ramakishnan,
by father & guardian Shri Rakkappan, Nattarasankottai 623556.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-6

- (2) Shri Chellam,
S/o. S. Rengasamy Servai,
Peria Thamba Kilan,
Soorakulam group, Ramnad Dt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

Madras-6, the 11th February 1976

Ref. No. XIV/9/1(JUNE)/75-76.—Whereas, I, RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. Nos. 452, 454, 456, 458, 460, 465, 466, 467 & 468 situated at Valayanodai village (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Manamadurai (Doc. No. 764/75) on June 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Land measuring 71-60 acres in Survey Nos. 452, 454, 456, 458, 460 and 465 to 468, Vilayanodai village, Soorakulam group.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

G. RAMANATHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

Date : 11-2-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) M/S. M. S. Raju, Mohan Robert & Selvi,
Rayappanpatti, Uthamapalayam Taluk.
(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) Dr. V. Mohan,
Pannaipuram P.O.
Uthamapalayam Taluk.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-6**

Madras-6, the 11th February 1976

Ref. No. X/4/74(JUNE)/75-76.—Whereas, I, G. RAMANATHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing S. No.

82/3A 1, situated at Alagapuri village (Appupatti)
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at
Chinnamanur (Doc. No. 219/75) on 27-6-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 5-20 acres in Alagapuri village (Appupatti), near Chinnamanur (Survey No. 2/3A 1).

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the transfer; and/or the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

G. RAMANATHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I, Madras-6

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely :—

Date : 11-2-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. M. S. Raju, Robert, Mohan and Selvi,
Rayappanpatti, Uthamapalayam Taluk.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri P. T. Vadivel Gowder,
Pannaipuram, Uthamapalayam-626524.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-6

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Madras-6, the 10th February 1976

Ref. No. X/4/76(JUNE)/75-76.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 82/3A 1, situated at Alagapuri village (Appupatti) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Chinnamanur (Doc. No. 2191/75) on 27-6-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 5-20 acres in Survey No. 82/3A, 1, Alagapuri village (Appupatti).

G. RAMANATHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11-2-1976
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. M. S. Raju, Mohan, Robert & Selvi,
Rayappanpatti 626526,
Uthamapalayam Taluk.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri V. Vijayakumar,
Pannaipuram 626524,
Uthamapalayam Taluk.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-6

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Madras-6, the 11th February 1976

Ref. No. X/4/75(JUNE)/75-76.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 82/3A 1, situated at Alagapuri village (Appupatti) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Chinnamanur (Doc. No. 2190/75) on 27-6-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used here-in as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 5-20 acres in Survey No. 82/3A 1, Alagapuri village Appupatti.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

G. RAMANATHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6

Date : 11-2-1976

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. V. Vimla,
W/o M. Venkatachalam,
12-C, Co-operative Colony,
Dindigul.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING
ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-6

(2) Dr. N. Ramanujam,
No. 3, Co-operative Colony,
Dindigul.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Madras-6, the 12th February 1976

Ref. No. VI/1/106(JUNE)/75-76.—Whereas, I, G. RAMANATHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

T. S. No. 356/I B,
situated at Ward No. 2, Karur Trunk Road, Dindigul

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Dindigul (Doc. No. 471/75) on 13-6-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 5600 sq. ft, with buildings thereon in T.S. No. 365/1B, Ward No. 2, Dindigul.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

G. RAMANATHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 12-2-1976

Seal :

FORM ITNS

- (1) 1. Smt. P. T. Kalliani Amma,
Thazathayil House,
Anakkara Post, Kuttipuram,
Palghat Dt., Kerala State
2. Dr. P. T. Sridevi Amma alias Dr. Mrs. Devi
Biswas,

2. Jalan Putre, Kuala Lumpur,
By Special Power of Attorney Agent for Dr. P. T.
Sridevi Amma, wife of Susil Kumar Biswas,
No. 2, Jalan Putre,
Kuala Lumpur 03-15, Malaysia.

(Transferor)

- (2) M/s. C. Abdul Rehman & Co.,
29, V. V. Kovil Street,
Madras-3.

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Madras-6, the 12th February 1976

Ref. No. IX/6/12(JUNE)/1975-76.—Whereas, I, G. RAMA-NATHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to
as the 'Said Act'), have reason to believe
that the immovable property, having a fair market value ex-
ceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
R.S. No. 455/2,
situated at Poonamallee High Road, Madras
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer at
Madras (Doc. No. 613/15) on June 1975,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly
stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the
liability of the transferor to pay tax under the said
Act, in respect of any income arising from the
transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11
of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the Said Act to the following
persons, namely :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of,
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 2 grounds and 1725 sq. ft. in R.S. No.
455/2 (part), Poonamallee High Road, Madras.

G. RAMANATHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Madras-6

Date : 12-2-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Mallikambal,
26, Rakkiappa Mudali St.,
Mylapore, Madras-4.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri J. Rajesh,
By father & guardian Dr. K. Jagadesan,
No. 12, 8th Street, P.T. Rajan Road,
Madurai-2.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-6

Madras-6, the 12th February 1976

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. X/12/79(JUNE)/75-76.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 1 T.S. 2782,

situated at Chokkikulam Extension, Madurai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Thallakulam (Doc. No. 1910/75) on June 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

25—486GI/75

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land measuring 16½ cents in plot No. 1 T.S. No. 2782, Ward 6, Chokkikulam Extension, Madurai.

G. RAMANATHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6

Date : 12-2-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Malikambal,
26, Rakkiappa Mudali St.,
Mylapore, Madras-4.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. Geetha Jagadesan,
W/o Dr. K. Jagadesan,
No. 12, 8th Street, P.T. Rajan Road,
Madurai-2.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I

MADRAS-6

Madras-6, the 12th February 1976

Ref No. X/12/80(JUNF)/1975-76.—Whereas, I,
G. RAMANATHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
Plot No. 2 T.S. 2782,
situated at Chokkikulam Extension Ward 6, Madurai
(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Thallakulam (Doc. No. 1943/75) on 21-6-1975,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instruments of
transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the Said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

Vacant land measuring 16 cents in plot No. 2, T.S. No 2782, Ward 6, Chokkikulam Extension, Madurai.

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the purposes
of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth Tax Act,
1957 (27 of 1957).

G. RAMANATHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-6

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said
Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the Said Act to the following persons,
namely :—

Date : 12-2-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) M/s Kulan Samban,
M/s. Molayan Samban &
M/s. Angamuthu Samban.
Naraikinar, 628303,
Rasipuram Taluk.

(Transferor)

(2) Shri R. Rathiva Sabapathy,
s/o R. Ramasamy Naidu,
Naraikinar 628303
Rasipuram Taluk.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-6

Madras-6, the 12th February 1976

Ref. No. XVI/6/100(JUNE)/75-76.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. R.S. No. 73/2, situated at Naraikinar village, Salem Dt., (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Namagiripettai (Doc. No. 650/75) on 16-6-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Half share in agricultural lands measuring 6.16 acres in R.S. No. 73/2, Naraikinar village, Salem district.

G. RAMANATHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6

Date : 12-2-1976

Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s Kullan Samban,
M/s. Molayan Samban &
M/s. Angamuthu Samban.
Naraikinar 628303.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Chinnusamy Naidu,
s/o Ramaswamy Naidu,
Naraikinar 628303

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-6

Madras-6, the 12th February 1976

Ref. No. XVI/6/101(JUNE)/75-76.—Wheras, I. G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

R.S. No. 732,
situated at Naraikinar village, Salem Dt.,
(and more fully described
in the Schedule annexed hereto), has been transferred
under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of
the Registering Officer at
Namagiripettai (Doc. No. 651/75) on 16-6-1975,
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties
has not been truly stated in the said instrument of transfer
with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Half share in agricultural lands measuring 6.16 acres in R.S. No. 73/2, Naraikinar village, Salem District.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

G. RAMANATHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Madras-6

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 12-2-1976

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-6

Madras-6, the 13th February 1976

Ref. No. IX/6/17(JUNE)/1975-76.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

R. S. No. 231, situated at Poonamallee High Road, Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras (Doc. No. 639/75) on June, 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) APPAR TRUST,
by trustees :
1. Dr. V. Thirunavukkarasu &
2. Mrs. V. Radha w/o
late Dr. M. Varadarajan,
No. 19, Chellammal Street, Lakshmiapuram,
Madras-29

(Transferor)

(2) Shri S. Thirunavukkarasu,
s/o A. Subramania Mudaliar,
42, Vellala Street, Aminjikarai,
Madras-29.

(Transferee)

(3) Shri R. V. Babu Nageswaran.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 1 ground and 1434 sq. ft. in R. S. No. 231, Poonamallee High Road, Madras.

G. RAMANATHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Madras-6

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-2-76

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-6**

Madras-6, the 13th February 1976

Ref. No. IX/6/18(JUNE)/1975-76.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

R.S. No. 231,
situated at New Avadi Road, Madras
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at
Madras (Doc. No. 640/75) on June 1975,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the
aforesaid property and I have reason to believe that the
fair market value of the property as aforesaid exceeds the
apparent consideration therefor by more than fifteen per
cent of such apparent consideration and that the considera-
tion for such transfer as agreed to between the parties
has not been truly stated in the said instrument of transfer
with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of
the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the
said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of
the aforesaid property by the issue of this notice under
sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the
following persons, namely :—

(1) APPAR TRUST,
by trustees :
1. Dr. V. Thirunavukkarasu &
2. Mrs. V. Radha, w/o
late Dr. M. Varadarajan,
No. 19, Chellammal Street,
Lakshmiapuram, Madras-29.

(Transferor)

(2) Shri S. Thirunavukkarasu,
s/o A. Subramania Mudaliar,
42, Vellala Street, Aminjikarai,
Madras-29.

(Transferee)

(3) Shri R. V. Babu Nageswaran.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a
period of 45 days from the date of publication
of this notice in the Official Gazette or a
period of 30 days from the service of notice on
the respective persons, whichever period expires
later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from
the date of the publication of this notice in
the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act shall
have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 1 ground and 1800 sq. ft. in R.S. No.
231, New Avadi Road, Madras.

G. RAMANATHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6

Date : 13-2-76

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Dattaraya Rajaram Velhal,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I

SMT. K.G.D.M.P. AYURVEDIC HOSPITAL BLDG.
5TH FLOOR, NEAR CHARNI ROAD STATION
NETAJI SUBHASH ROAD, BOMBAY

Bombay-400002, the 13th February 1976

Ref No AR-I/J187-6/June-75.—Whereas, I, V. R. AMIN, the Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax, Acquisition Range-I, Bombay,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. C.S. No. 1075(p), 1077(P), 1078(P) of Lower Parel Division situated at New Prabhadevi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908) (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 10/6/1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

(2) Shri Harishchandra R. Velhal.

(Transferee)

(3) Tenants.

(Person in occupation of the property).

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land or ground admeasuring 3087 sq. yds. or thereabouts equivalent to 2580.43 sq. mts. or thereabouts being Final Plot No. 1091 of Town Planning Scheme-IV, New Prabhadevi Road, Bombay, together with the messuages, tenements dwelling houses factory building standing thereon (except the structures now standing on the portion of the land) situate lying and being at New Prabhadevi Road, Dadar, Bombay, District Bombay and bearing Collector's Old Nos. 468 and 374 and New Nos. 1A/2470 and 4118, Old S. No. 559 and 561 and New Survey No. 1A/1698 and 2/1698 C.S. No. 1075(P), 1076(P), 1077(P) and 1078(P) of Lower Parel Division and assessed by the Assessor and Collector of Municipal Rates and Taxes under G Ward Nos. 2983(1), 2983(3) and 2983(4) and Street Nos. 1138, 109-109A and 111-113 and bounded as follows : that is to say on or towards the North by 90 Feet Wide Road, on or towards the south by the property of Memon Noormahomed Haji Suleman, partly by the property of Standard Mills Ltd., and partly by the property of Harish Chandra Dhanji, on or towards the East by the said New Prabhadevi Road and on or towards the West by the portion of the land formerly belonging to the Vendor and the purchaser and beyond that by the land belonging to Harish Chandra Dhanji.

V. R. AMIN

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 13-2-1976,

Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I
AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG
BOMBAY-20

Bombay-20, the 5th February 1976

Ref. No. ARI/1192-11/June-75.—Whereas, I. V. R. AMIN, the Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range-I, Bombay, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

CTS No. F-1128-A situated at Bandra,

(and more fully

described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 2-6-1975,

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act,' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922 or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

(2) Shri Ghanshyamdas Balchand and others.
(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the at said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that undivided piece and parcel of land admeasuring about 51-18 sq. mtrs. (56 sq. yards) with structures thereon bearing shop No. 17 and flat No. 31 on the ground floor of Block A out of entire plot of land bearing old survey No. 235-A Hissa No. 1 and Survey No. 235-A and N.A.S. No. 235/2 and CTS No. F. 1128-A situated on Turner Road, Bandra South Salsette Taluka in the Sub-District Registration Bandra and Bombay Suburban district.

V. R. AMIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 5-2-1976.

Seal :

FORM ITNS

(1) Ganshyamdas Balchand & Others.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Hasina M. Parker.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said Property may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I
K. G. M. BUILDING, BOMBAY-2

Bombay-2, the 9th February 1976

Ref. No. ARI/1208-12/June-75.—Whereas, I, V. R. AMIN, the Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax, Acquisition Range-I, Bombay, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. CTS No. F-1128-A situated at Turner Road, Bandra, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 28-6-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that undivided piece and parcel of land admeasuring about 51-18 sq mts. (56 sq yards) with structures thereon bearing Nos. Shop No. 17 and flat No. 31 on the ground floor of Block A out of entire plot of land bearing old S. No. 235-A H.No. 1 C.S.T. No. and S.No. 235-B H. No. 2, C.S.T. No. situated on Turner Road, Bandra South Salesette Taluka in the Sub-District Registration Bandra and Bombay Suburban District.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

V. R. AMIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

26—486GI/75

Date : 9-2-1976.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Pravin Kumar Ratilal Thakkar.

(Transferor)

(2) Shri Kamalini Champkla Mody and Others.

(Transferee)

(3) Tenants.

(Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of pension and tax redeemed land or ground with the messuages tenements or dwelling house standing thereon situate lying and being on the western side of Ridge Road in the Registration sub-district of Bombay in the Island of Bombay containing by admeasurement 1336 sq. yards i.e. 1117.02 sq. metres or thereabouts and registered in the books of the Collector of Land Revenue under New No. 2711 new Survey No. 7186 (part) and in the books of the Collector of Municipal Rates and Taxes under D ward Nos. 3196 (2) and 3196(2A) and Street No. 36 Ridge Road and No. 1 Winter Road and bearing Cadastral Survey No. 247 of Malabar and Cumballa Hill Division and bounded as follows :—That is to say, on or towards the East by the Ridge Road, on or towards the West by the property of Kshanlal Maganlal Hargovinddas, on or towards the North by Winter Road and on or towards the South by the property of Lalji Doongersey and Jadhavji Doongersey now belonging to Gordhandas Jadavji Ruparel and others.

SECOND SCHEDULE

All that piece or parcel of land of the Pension and tax tenure (assessment redeemed) situate lying and being at Ridge Road in the City and Registration sub-District of Bombay containing by admeasurement an area of 1005 sq. yards i.e. 840.28 sq. mts. or thereabouts out of which 55 sq. yards i.e. 45.95 sq. mts. or thereabouts have been taken away in set back leaving an area of 950 sq. yds. i.e. 784.29 sq. mts. or thereabouts & bearing Collector's New No. 2711 (part) New Survey No. 7186 (part) and C.S. No. 247 (part of Malabad and Cumballa Hill Division together with the messuages tenements & building erected thereon bearing Municipal D Ward No. 3196(2) Street No. 36 Ridge Road and bounded on or towards the East by the Ridge Road, on or towards the West by the property belonging to Kanti Ratilal Thallar with the building thereon called 'ARTI' on or towards the North by the Winter Road and partly by the said 'Arti' and on or towards the South the property of Gordhandas Jadhavji Ruparel and others.

Secondly : All that piece or parcel of land of Pension and Tax tenure.

V. R. AMIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 13-2-1976.

Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I
SMT. K.G.D.M.P. AYURVEDIC HOSPITAL, BLDG.
5TH FLOOR, NEAR CHARNI ROAD STATION
NETAJI SUBHASH ROAD, BOMBAY

Bombay-400002, the 13th February 1976

Ref. No. ARI/1193-12/June-75.—Whereas, I, V. R. AMIN, the Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax, Acquisition Range I, Bombay, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. C.S. No. 247 of Malabar & Cumballa Hill Division situated at Ridge Road, and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 7-6-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922, (11 of 1922) or the said Acts, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Smt. Rena Rozario.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Vaibhav Apartments Co-op. Hsg. Soc. Ltd.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER

ACQUISITION RANGE-I

SMT. K.G.M.P. AYURVEDIC HOSPITAL BLDG.
5TH FLOOR, NEAR CHARNI ROAD STATION,
NETAJI SUBHASH ROAD, BOMBAY.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Bombay-400002, the 13th February 1976

Ref. No. ARI/1206-10/June-75.—Whereas, I, V. R. AMIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. CS No. 1219 Lower Parel Division situated at Old Prabhadevi Road, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 28-6-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land or ground hereditaments and premises situate at Old Prabhadevi Road, Dadar, in the Registration Sub-District of Bombay bearing Final Plot No. 877 of the Town Planning Scheme Bombay City No. IV (Mahim Area) (Final) and Cadastral Survey No. 1219 of Lower Parel Division and together with a family house and three out-houses standing thereon Municipal "G" (North) Ward Nos. 2750-51, 2752 and 2752(1A) and Street Nos. 215-216-27B 27BA Old Prabhadevi Road and admeasuring about 2120 square yards equivalent to 1772.595 square metres or thereabouts and bounded as follows that is to say :

On or towards the North : by the property bearing Final Plot No. 876 of the said scheme.

On or towards the South : by Final Plot No. 878 of the said Scheme;

On or towards the East : by the proposed 40 feet wide road; and

On or towards the West : Partly by old Prabhadevi Road and partly by the Final Plot No. 879 of the said Scheme.

V. R. AMIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 13-2-1976.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-IV

SMT. K.G.M.P. AYURVEDIC HOSPITAL BLDG.
5TH FLOOR, NEAR CHARNI ROAD STATION
NETAJI SUBHASH ROAD, BOMBAY-400002

Bombay-400002, the 13th February 1976

Ref. No. ARI/1306-17/June-75.—Whereas, I, V. R. AMIN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 280 Hissa No. 3 S. No. 281, H. No. 8, Survey No. 281, Hissa No. 10 situated at Bandra

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 6-6-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid

property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

- (1) St. Vincent De Paul's Co-operative Housing Society Ltd. garden House No. 2 1st Rd. Khar, Bombay-52. (Transferor)
- (2) Glaxo Staff Co-op. Housing Society Ltd. Worli, Bombay-25. (Transferee)
- (3) Mr. Ramchandra Jadav. (Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All those pieces or parcels of agricultural lands situate lying and being at Bandra in the Registration Sub-District of Bandra, Registration District Bombay Suburban in Greater Bombay admeasuring according to the City Survey Record 13477.27 sq. yards (i.e. 11268.70 square meters) and bearing Survey No. 280 Hissa No. 3 Survey No. 281 Hissa No. 8 and Survey No. 281 Hissa No. 10 and bearing City Survey Nos. B/1038, B/1046 and B/1041 and assessed by the Assessor and Collector of Municipal Rates and Taxes under H Ward No. 1130(1) and (1A) Street Nos. 27D and 27DA Mount Mary Road and bounded on or towards the North partly by Survey No. 281 Hissa No. 7 (part) formerly belonging to late Mrs. Sirinbai N. J. Dady, partly by Survey No. 281 Hissa No. 9 and Hissa No. 7 (part) formerly belonging to John Edward D'Mello, partly by Survey No. 281 Hissa No. 5 formerly belong to Agnes Ferreira and another and partly by Survey No. 281 Hissa No. 6 formerly belonging to the said late Mrs. Sirinbai N. J. Dady, on or towards the South partly by N. A. No. 195 belonging to the Mount Mary Chapel and partly by Survey No. 280 Hissa No. 4 (part) formerly belonging to the late Mr. E. J. Rebello and partly by Survey No. 279 (part) on or towards the East partly by Survey No. 280 Hissa No. 4 (part) formerly belonging to the late Mr. E. J. Rebello partly by Survey No. 280 Hissa No. 4 (part) formerly belonging to Maneckhai Hormasji Mody partly by Survey No. 281 Hissa No. 11 formerly belonging to Behram Khodabadi Irani and partly by the Saint John Baptist Road and on or towards the West by Survey No. 280 Hissa No. 2 belonging to Dr. Cecil De' Monte.

V. R. AMIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 13-2-1976.

Seal :

FORM ITNS

**NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-IV**

SMT. K.G.M.P. AYURVEDIC HOSPITAL BLDG.
5TH FLOOR, ROOM NO. 524,
NEAR CHARNI ROAD STATION,
NFTAJI SUBHASH ROAD, BOMBAY-400002

Bombay-400002, the 11th February 1976

No. Acqn. Range -IV/AP/-211/75-76.—Whereas, I, G. A. JAMES,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey Sheet No. 15 Chalta No. 16, Survey No. 60 Hissa No. 1, admeasuring 7617 sq. yds. (6371.6 sq. metres), situated at Village Versova, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 17-6-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely :—

- (1) (1) Shripad Shamrao Madan,
(2) Kum. Kalindi Shamrao Madan,
(3) Kum. Pramodini Shamrao Madan,
(4) Kum. Shalini Shamrao Madan,
(5) Smt. Saroj Alasingar Aji (formerly Kum. Sarojini Madan),
(6) Smt. Subodh Nagraj (formerly Kum. Subodhini Madan),
(7) Smt. Vilasini Mandakumar Dadarkar (formerly Kum. Vilasini Madan),
All of 101 'RITA' B, Harsha Park, Chandawarkar Lane, Borivli (West), Bombay-400092.

(Transferor)

- (2) Anjuman-J-Islam, 92 Dr. Dadabhoy Navroji Road, Bombay-400001.

(Transferee)

- (3) 1. and 2. Siwranjani and Priyadarshini, being Daughters of Shripad Madan, by their guardians the said Shripad Shamrao Madan and his wife Uma.
3. Smt. Uma Madan, wife of Shripad Shamrao Madan, all of 101 'RITA' B, Harsha Park, Chandawarkar Lane, Borivli (West), Bombay-400092.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land situate, lying and being at Versova in the Registration Sub-district and district City of Bombay and Bombay suburban admeasuring 7617 sq. yds. i.e. 6371.6 sq. metres or thereabouts and bearing survey Sheet No. 15, Chalta No. 16, Survey No. 60, Hissa No. 1, City Survey No. 1114 and assessed by the Municipal Corporation of Greater Bombay under K Ward No. 7118 Street No. 60 Amboli Road and bounded as follows : on the East by a public Road, on the West by a road, on the North by the part formerly of Kassam Jan Mohamed and on the South by the part formerly of Haji Goolam Hussein.

G. A. JAMES
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Date : 11-2-1976.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Karam Singh S/o Shri Suren Singh,
R/o village 15, B.B. (Tehsil Padampur) Distt.
Sriganganagar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 7th February 1976

Ref. No. Rai/IAC/Acq/309.—Whereas, I, C. S. JAIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Murba No. 29 situated at 15, B.B. Padampur (and morefully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Padampur on 17-6-1975.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Shri Hari Chand S/o Shri Dunichand Arora,
R/o Chakmandi Padampur Distt. Sriganganagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Agricultural irrigated land measuring 6½ Bigha out of Murba No. 29 situated at 15BB, Tehsil Padampur as described in conveyance deed registered on 17-6-1975 by Sub-Registrar, Padampur.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

C. S. JAIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

Date : 7-2-1976.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Karam Singh S/o Shri Suren Singh,
R/o village 15, B.B. (Tehsil Padampur) Distt.
Sriganganagar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Ramditta Mal S/o Shri Dunichand Arora,
R/o Chakmandi Padampur, Distt. Sriganganagar.
(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Objections, if any, to the acquisition of the said
property may be made in writing to the undersigned—

Jaipur, the 7th February 1976

Ref. No. Raj/IAC/Acq/310.—Whereas, I, C. S. JAIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot

No. Murba No. 29 situated at 15, B.B. Padampur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Padampur on 17-6-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act,' in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Agricultural irrigated land measuring 6½ Bigha out of Muraba No. 29 situated at Village 15BB, Tehsil Padampur, more fully described in conveyance deed registered on 17-6-75 by Sub-Registrar, Padampur.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

C. S. JAIN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

Date : 7-2-1976.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Karam Singh S/o Shri Suren Singh,
R/o village 15, B.B. (Tehsil Padampur) Distl.
Sriganganagar,
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 7th February 1976

Ref. No. Raj/IAC/Acq/311.—Whereas, I, C. S. JAIN, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Muraba No. 29 situated at 15, B.B. Padampur (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Padampur on 17-6-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(2) Shri Balkishan S/o Shri Dunichand Arora,
R/o Chakmandi Padampur, Distt. Sriganganagar.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the 'Said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Agricultural irrigated land measuring 6½ Bigha out of Muraba No. 29 situated at 15BB, Tehsil Padampur as described in conveyance deed registered on 17-6-1975 by Sub-Registrar, Padampur.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

C. S. JAIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely :—

Date : 7-2-1976.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Karam Singh S/o Shri Suren Singh,
R/o village 15, B.B. Tehsil Padampur, Distt.
Sriganganagar,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Murarilal S/o Shri Dunichand Aiora,
R/o Chakmandi Padampur Distt. Sriganganagar.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Jaipur, the 7th February 1976

Ref. No. Raj/IAC/Acq/312.—Whereas, I, C. S. JAIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Muraba No. 18 situated at 15, B.B. Padampur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Padampur on 17-6-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural irrigated land measuring 6½ Bigha out of Muraba No. 18 situated at 15BB, Tehsil Padampur as described in conveyance deed registered on 17-6-1975 by Sub-Registrar, Padampur.

C. S. JAIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely :—

27—486GI/75

Date : 7-2-1976.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 7th February 1976

Ref. No. Raj/IAC/Acq/313.—Whereas, I, C. S. JAIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Muraba No. 18 situated at 15, B.B. Padampur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Padampur on 17-6-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Karam Singh S/o Shri Suren Singh, R/o village 15, B.B. Tehsil Padampur, Distt. Sriganganagar.

(Transferor)

(2) Shri Om Prakash S/o Shri Dunichand Arora, R/o Chakmandi Padampur, Distt. Sriganganagar. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Agricultural irrigated land measuring 5 Bigha 10 biswa cut of Muraba No. 18 situated at 15BB, Tehsil Padampur more fully described in conveyance deed registered on 17-6-1975 by Sub-Registrar, Padampur.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

C. S. JAIN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely :—

Date : 7-2-1976,

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Karam Singh S/o Shri Suren Singh,
R/o village 15, B.B. Tehsil Padampur, Distt.
Sriganganagar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE
INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF
INCOME TAX
ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 7th February 1976

Ref. No. Raj/IAC/Acq/314.—Whereas, I, C. S. JAIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Muiba No. 29 situated at 15, B.B.Padampur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer, at Padampur on 17-6-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transferee; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Shri Hansraj S/o Shri Duncichand Arora,
R/o Chakmandi Padampur Distt. Sriganganagar.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural irrigated land measuring 6 Bigha 5 Biswa out of Muiba No. 29 situated at 15BB, Tehsil Padampur and residential Abata more fully described in conveyance deed registered on 17-6-1975 by Sub-Registrar, Padampur.

C. S. JAIN

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

Date : 7-2-1976.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Vimal Anant Manduskar, House No. 303,
Sadashiv peth, Poona-30.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTION ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, 60/61,
ERANDAWANA, KARVE ROAD, POONA-411004

Poona-411004, the 7th February 1976

Ref. No. C.A.5/Haveli-I/June '75/265/75-76.—Whereas, I, H. S. AULAKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing C.S. No. 1940, Sadashiv peth, situated at Poona, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Haveli-I, Poona on 12-6-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) (1) Shri Ravindra Kumar Chandulal Shah,
(2) Shri Ranjit Kumar Chandulal Shah,
468, (New), Sadashiv peth, Poona-30.

(Transferee)

(3) (1) Shri D. K. Deshpande,
(2) Shri Madhukar K. Valsangkar,
(3) Smt. Mathurabai Lihne,
All at C.S. No. 1940, Sadashiv peth, Poona-30.
(Persons in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property C.S. No. 1940, Sadashiv peth, Poona-30.
Area : 195 sq. mtrs.
Built up : 1st floor—900 sq. ft.
2nd floor—900 sq. ft.
(property as described in the sale deed registered under No. 1463 dated 12-6-1975 in the office of the Sub-registrar, Haveli-I, Poona).

H. S. AULAKH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 7-2-1976.

Seal .

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, 60/61,
ERANDAWANA, KARVE ROAD, POONA-411004**

Poona-411004, the 13th February 1976

Ref. No. C.A.5/June'75/Haveli-II (Poona)/266/75-76.—
Whereas, I, H. S. AULAKH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing

No. 37, Hissa No. 2A and 2B situated at Kharadi (Poona),
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Haveli-II (Poona) on 21-6-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax
Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

- (1) (1) Shri Mohanraj Devraj Chopda, 219, Sholapur Bazar, Poona.
- (2) M/s. V. Prakash & Co., 501, V. P. Street, Poona-1 by its partners Mithalal B. Oswal, Vinraj B. Oswal, Smt. Kalavati S. Oswal,
- (3) Shri Anil Kumar Sohanraj Oswal, minor by his guardian Kalawati.
- (4) Shri Nagraj W. Ranka, 1182, Raviwar peth, Poona-2.
- (5) Shri Abu Bakar Ibrahim, 546 V. P. Street, Poona-1.

(Transferor)

- (2) M/s. Shirine Gardens, Builders, Relators, Estate agents, a registered partnership firm by eight of its partners, 53, Las Palmas, Little Gibbs Road, Bombay-6.

(Transference)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Freehold all that piece of vacant non-agricultural land
situated and bearing Survey Nos. 37, Hissa No. 2A and 2B
admeasuring about 5 acres and 4 gunthas and 7 acres and 2
gunthas respectively and assessed at 4-0-0 and 2-8-0 respectively
in the village Kharadi, within the Grampanchayat of
Kharadi, outside the limits of the Poona Municipal Corporation
in the S.R. Distt. of Poona, Taluka Haveli, District Poona.

(Property as mentioned in the Regd. deed No. 1357 of
June, 75 of the Registering authority, Haveli-II, Poona).

H. S. AULAKH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisition Range, Poona

Date : 13-2-1976.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Balchand Tulsidas Nagpal,
Tulsi Niwas, Marine Drive, D. Road,
Bombay-400 002.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, 60/61,
ERANDAWANA, KARVE ROAD, POONA-411004

- (2) (1) Shri Hariprasad Lohia,
(2) Shri J. D. Lashkari,
(3) Smt. M A Anand Meera,
(4) Shri Pravin D. Desai,
(5) Shri Jayantilal M. Thaker,
(6) Shri Dhanpati T. Hirjee,
(7) Shri Maneklal Verchand Bafna,
(8) Shri Dhanpatrai Karnani,
(9) Smt. M A Yoglaxmi,
(10) Shri K. G. Chaitnani,
(11) Shri Ishwarlal Naranji Shah all Trustees of
Jeevan Jagriti Kendra, C/o. Ambubhai and
Diwanji, Solicitors, Lantin Chambers, Dalal
Street, Fort, Bombay-1.

(Transferee)

Poona-411004, the 13th February 1976

Ref. No. C.S.5/Junc '75/Bombay (Poona)/267/75-76.—
Whereas, I, H. S. AULAKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 17, situated at Koregaon Park, Poona,
(and more fully described in the

Schedule annexed hereunto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer
at Bombay on 14-6-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the education or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Perpetual leasehold, all that plot of land known as plot No. 17 of the Koregaon Park Road Area in the village of Poona city situate in the Poona District and registration Sub-District of Haveli, containing by admeasurement six thousand and sixteen decimal point 33 (6016.33) square yards equivalent to 5029.33 square metres or thereabouts Ground floor 3026 sq feet First floor—2307 sq. feet, Bungalow constructed in 1953-54 and bounded on or towards the East by plot No. 33 of the said Koregaon Park Road Area, On or towards the West by a forty foot road, On or towards the South by Plot No. 16 of the said Area and on or towards the North by Plot No. 18 of the said Area.

(Property as mentioned in the registered deed No. 862 of June, 75, in the Registering authority, Bombay).

H. S. AULAKH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisition Range, Poona

Date 13-2-1976.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, DHARWAR(1) Shri Jana Shankar Gaudo,
and his wife Satiavoti Jana Gaudo and others as
mentioned in the document Registered with the
Sub-Registrar, Bicholim.

(Transferor)

(2) M/s. Rajaram Bandekar (Pale) Mines Vasco-da-Gama (Goa).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned.—

Dharwar, the 13th February 1976

Notice No. 109/75-76/ACQ.—Whereas, I, P. SATYANARAYANA RAO, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Dharwar being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot of the Property known as Xianchem Tollem Mixto, situated at Ambeshim, Pale Village, Bicholim Taluka within Panchayat Limits of Pale, Sub-District of Bicholim (Goa), (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bicholim under document number 134 on 15-6-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration on such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of the property known as "Xianchem Tollem Mixto", situated at Ambeshim, Pale Village, Bicholim Taluka, within village Panchayat Limits of Pale, Sub-District of Bicholim (Goa) Admeasuring 46,500 Square metres and bounded by :

East : Areca Grove of Xianchem Tollem of Gaudes;
West : Jacadevicho Stone,
North : Part of Areca Grove Xianchem Tollem;
On the South—Property of Salgaocar.

P. SATYANARAYANA RAO
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Dharwar

Date : 13-2-1976.

Seal :

FORM ITNS

(1) 1. Smt. Laxmi Devi W/o Gurumukh Das, R/o 120/85, Laipat Nagar, Kanpur.

2. Smt. Kaushalya Devi W/o Sher Chand Bhatia, R/o 119/555-A, Darshanpurwa, Kanpur.

(Transferor)

NOTICE UNDPR SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 17th February 1976

Ref. No. 461/Acq./Kanpur/75-76.—Whereas, I, F. J. BAHADUR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 17-6-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Smt. Santosh Rani W/o Shri Satyapal, R/o 118/177, Kaushalpuri, Kanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of half portion of House No. 119/555-A, situated at Darshanpurwa, 80 Ft. Road, Kanpur, transferred for an apparent consideration of Rs. 45,000/-.

F. J. BAHADUR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 17-2-1976.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) 1. Shri Chiman Lal,
2. Shri Govindram, S/o late Shri Valaram,
R/o 119/555-A, Darshanpurwa, Kanpur,

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

- (2) Shri Barkatram S/o Shri Santram,
R/o 118/177, Kaushalpuri, Kanpur.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Kanpur, the 17th February 1976

Ref. No. 469/Acq./Kanpur/75-76/2619. —Whereas, I, F. J. BAHADUR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 17-6-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the afore-said property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Immovable property bearing No. 119/555-A, Darshaupurwa, 80 Ft. Road, Kanpur (half portion), transferred for an apparent consideration of Rs. 45,000/-.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

F. J. BAHADUR
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

Date : 17-2-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. A. P. Chirukandan and Sons, Calicut,
 (By partners Sri A. P. Sankaran & Sri A. P.
 Vasanth Kumar).
 (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) (1) Sri Hassankutty,
 (2) Shri Avarankutty,
 (3) Shri Muhammed Sheriff,
 (4) Shri Mahaboob,
 (5) Shri Akbar,
 (By guardian Sri Hassankutty),
 Timber Merchant, Calicut.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
 'JYOTHI BUILDINGS', GOPALAPRABHU ROAD,
 ERNAKULAM, COCHIN-11

Cochin-11, the 5th February 1976

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. L.C. No. 51/75-76.—Whereas, I, M. M. KURUP, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Sy. Nos. as per schedule situated at Anne Hall Road, Calicut, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kozhikode on 28-6-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

1/5th right over 25 cents of land with building known as 'Hotel Ratnagiri' in Anne Hall Road, Calicut.

M. M. KURUP,
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Ernakulam

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

Date : 5-2-1976

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 12th February 1976

Ref. No. Ac-41/R-II/Gal/75-76.—Whereas, I, R. V. LALMAWIA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Khatian No. 464 and Dag No. 321 situated at Mouza Ramdashati, P.S. Metiabruz, 24-Prgs. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Distt. Registrar 24-Prgs., Alipore on 5-6-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri S. K. Atiber, (2) Khaleka Bibi, (3) Sakina Bibi, and (4) Smt. Ajmira Bibi, all of Ramdashati, Metiabruz, 24-Parganas.

(Transferor)

- (2) Shri Saifuddin Molla, (2) Shri Mohiuddin Molla, (3) Shri Sarauddin Molla, (4) Shri Nijamuddin Molla, (5) Shri Islamuddin Molla, (6) Shri Kutubuddin Molla, (7) Shri Nasiruddin Molla, (8) Shri Sujauddin Molla, (9) Shri Patauddin Molla, (10) Shri Shaba Ilam Bhangi, and (11) Shri Jayanul Abedin Bhangi, all of Ramdashati, P.S. Metiabruz, 24-Parganas.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Mouza Ramdashati, P. S. Metiabruz, Khatian No. 464, Dag No. 321, with dwelling house and tank—Area of the Land=14 Kottahs.

R. V. LALMAWIA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax,
Acquisition Range-II,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date : 12-2-1976
Seal :

FORM ITNS—

(1) Mrs. C. G. Premavathi Bhasker, W/o Dr. C. G. Bhasker, Madras Race Club, Guindy, Madras-32.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Mrs. J. S. Sarojini Ramamurthy, C/o Dr. C. G. Ramamurthy, Door No. 5-5-291 in T.S. No. 60/1 at Sarojini Devinagar, Tirupathy, Chittoor-Dist.
(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE
HYDERABAD

Hyderabad, the 10th February 1976

Ref. No. RAC No. 257/75-76.—Whereas, I. K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5-5-291 situated at Sarojini Devinagar Thirupathi, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Thirupathi on 4-6-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this Notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : Door No. 5-5-291 in T.S. No. 60/1 and 59/1 at Sarojini Devinagar, at Tirupathy, Town, Tirupathy Chitoor-District.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-2-1976.

Seal :